जबलपुर बुधवार 26 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
वर्ष 32 अंक 59 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ▸▸ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 30.2°C
न्यूनतम तापमान 23.5°C
सूर्योदय - 5.51 | सूर्यास्त - 6.33

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन ने सौंपा ज्ञापन... ▸▸ 5

सोनी सब के कलाकारों ने साझा कीं रक्षाबंधन ... ▸▸ 7

कटनी जिले में जगह-जगह किया गया पौधारोपण... ▸▸ 9

जाति जनगणना की प्रक्रिया पर खड़गे-राहुल ने जताई चिंता

नयी दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर जाति जनगणना की मौजूदा प्रक्रिया पर गंभीर चिंता जताई है। श्री खड़गे ने कहा कि खुले सवालों के माध्यम से जातियों की सही गिनती संभव नहीं है। एक ही जाति के अलग-अलग नामों और उपजातियों के रूप में दर्ज होने से आंकड़े बिखर सकते हैं, जिसका सबसे अधिक नुकसान अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अति पिछड़े और वंचित समुदायों को होगा। श्री खड़गे ने कहा कि कांग्रेस की मांग स्पष्ट है कि मौजूदा प्रश्नावली को रद्द कर प्रमाणित जाति सूची के आधार पर नई प्रश्नावली तैयार की जाए। इसके लिए राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और आम जनता से व्यापक परामर्श किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना और बिहार में किए गए जाति सर्वेक्षणों की तर्ज पर पहले से तैयार और प्रमाणित जाति सूची के आधार पर गणना करना इसका व्यावहारिक समाधान हो सकता है। श्री खरगे ने जोर देकर कहा कि जाति जनगणना केवल कराई ही नहीं जानी चाहिए, बल्कि उसके आंकड़े सही और विश्वसनीय भी होने चाहिए। उन्होंने कहा कि सटीक जातीय आंकड़े सामाजिक न्याय और वंचित समुदायों के अधिकारों से जुड़े नीतिगत फैसलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

मोदी को लिखा संयुक्त पत्र

गलत आंकड़ों का असर नीतियों पर पड़ेगा

- जाति का नाम पूछने के लिए सवाल रखने से एक ही जाति अलग-अलग नामों या उपजातियों के नाम से दर्ज हो सकती है। इससे जातियों की सही संख्या पता करना और आंकड़ों की तुलना करना मुश्किल होगा।
- अगर एक ही जाति कई नामों से दर्ज हुई तो उसकी आबादी का आंकड़ा गलत हो सकता है। इसका असर पिछड़े, अति पिछड़े और अन्य वंचित समुदायों के लिए बनाई जाने वाली योजनाओं पर पड़ेगा।
- जातियों की पहचान और संख्या दर्ज करने की प्रक्रिया एक जैसी होनी चाहिए, ताकि देश में सामाजिक-आर्थिक स्थिति का सही आंकड़ा मिल सके। जातियों के नाम दर्ज करने के लिए तय सूची या ड्रॉप-डाउन विकल्प देने की मांग की है।
- इसमें सरकारी जाति सूचियों और भारतीय मानवशास्त्र सर्वेक्षण के आधार पर नाम शामिल किए जा सकते हैं। तेलंगाना और बिहार के जाति सर्वेक्षणों में भी ऐसी सूचियों का इस्तेमाल किया गया था।

चीन के उपराष्ट्रपति हान से मिले डोभाल

नयी दिल्ली (वार्ता)। चीन की दो दिवसीय यात्रा पर गए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मंगलवार को चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। चीन में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। श्री डोभाल की चीन के उपराष्ट्रपति के साथ यह मुलाकात दोनों देशों के बीच विशेष प्रतिनिधि स्तर की 25 वें दौर की वार्ता से पहले हुई। दूतावास ने बताया कि श्री डोभाल और उपराष्ट्रपति हान ने दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच बनी सहमति के अनुरूप, सीमा क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता को मजबूत करने तथा आर्थिक, राजनीतिक और बहुपक्षीय मंचों पर द्विपक्षीय संबंधों को और बेहतर बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा परीक्षा स्थगित, 1 सितंबर तक दोबारा आवेदन का मौका

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) को लेकर अहम अपडेट जारी किया है। बोर्ड ने प्रस्तावित सीटेट परीक्षा को स्थगित कर दिया है। परीक्षा में शामिल होने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को अब नई तारीख और संशोधित कार्यक्रम के अनुसार तैयारी करनी होगी। सीबीएसई ने अभ्यर्थियों को दोबारा आवेदन करने का अवसर भी दिया है। इच्छुक उम्मीदवार 1 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। जिन अभ्यर्थियों ने पहले आवेदन किया था, उन्हें भी बोर्ड की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार अपने आवेदन से संबंधित जरूरी प्रक्रिया पूरी करने का मौका दिया जा सकता है।

मोहन कैबिनेट के बड़े फैसले : सड़क से साइबर सुरक्षा तक करोड़ों की सौगात

12 मार्गों के निर्माण के लिए 4,600 करोड़, सिवनी-बालाघाट मार्ग होगा फोरलेन, साइबर सुरक्षा के लिए 80 करोड़ स्वीकृत

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश के विकास और जनकल्याण से जुड़े कई अहम फैसलों को मंजूरी दी गई। बैठक में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, बेहतर सड़क कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, साइबर सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने और समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण पर विशेष जोर दिया गया। सरकार का फोकस प्रदेश में विकास परियोजनाओं को गति देने के साथ-साथ आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर रहा। स्वास्थ्य एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में संस्थागत व्यवस्थाओं को मजबूत करने, परिवहन और संपर्क सुविधाओं के विस्तार तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को प्रभावी बनाने से जुड़े प्रस्तावों को भी मंजूरी मिली।

12 सड़कों के लिए 4,600 करोड़ के ऋण की गारंटी

प्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) को 12 मार्गों के निर्माण के लिए नाबार्ड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट असिस्टेंस से 4,600 करोड़ रुपये का ऋण लेने की शासकीय गारंटी देने का निर्णय लिया गया। इसमें भोपाल-विदिशा, खलघाट-मनावर-मांगोद, नीमच-मनासा-रामपुरा-झालावाड़, इंदौर-देपालपुर और राहतगढ़-खुरई-खिमलासा समेत अन्य महत्वपूर्ण मार्ग शामिल हैं।

सिवनी-बालाघाट फोरलेन को 3,960 करोड़

मंत्रि-परिषद ने 91.64 किमी लंबे सिवनी-बालाघाट मार्ग को पेव्ड शोल्डर सहित फोरलेन बनाने के लिए 3,960 करोड़ 09 लाख रुपये मंजूर किए। यह मार्ग सिवनी को बालाघाट के साथ नागपुर, गोंदिया, मंडला और भंडारा क्षेत्र से जोड़ता है। आबादी को बेहतर कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है।

19 जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए 1,740 करोड़

गरीब, कमजोर, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, निराश्रित और अन्य जरूरतमंद वर्गों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी 19 योजनाओं के संचालन के लिए 1,740 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। कृत्रिम अंग वितरण, दिव्यांग प्रशिक्षण और नशा मुक्ति जैसी योजनाएं शामिल हैं।

धन्वंतरि विश्वविद्यालय में 244 पद मंजूर

उज्जैन स्थित मध्यप्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के प्रभावी संचालन के लिए 244 पदों को मंजूरी दी गई है। इनमें 154 नियमित, एक संविदा और 89 आउटसोर्स पद शामिल हैं। विश्वविद्यालय से स्वास्थ्य विज्ञान शिक्षा के प्रशासन, परीक्षा, संबद्धता और अकादमिक निरीक्षण की व्यवस्था मजबूत होगी।

साइबर सुरक्षा के लिए 80 करोड़

प्रदेश में साइबर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एमपी-सीईआरटी योजना के तहत 80 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। इसके अलावा नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन और अतिथि गृहों के उन्नयन के लिए 250 करोड़ 67 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं।

एमपी के 352 निकायों में ट्रीटमेंट प्लांट नहीं

नर्मदा, क्षिप्रा और चंबल में गंदा पानी मिलने पर एनजीटी सख्त

भोपाल। मध्यप्रदेश में नदियों और जलस्रोतों में पहुंच रहे बिना उपचारित सीवेज को लेकर पर्यावरणीय चिंता बढ़ गई है। प्रदेश के कई नगरीय निकायों में सीवेज ट्रीटमेंट की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण बड़ी मात्रा में गंदा पानी जलस्रोतों तक पहुंच रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में करीब 637 एमएलडी सीवेज के उपचार की चुनौती बनी हुई है। नर्मदा, क्षिप्रा और चंबल जैसी प्रमुख नदियों में प्रदूषित पानी पहुंचने के मामलों को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने भी सख्त रुख अपनाया है। एनजीटी पहले भी बिना उपचारित सीवेज को जलस्रोतों में छोड़ने पर रोक और उपचार संयंत्रों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दे चुका है। एनजीटी का कहना है कि प्रदेश के 352 नगरीय निकायों में सीवेज के उपचार के लिए पर्याप्त ट्रीटमेंट प्लांट नहीं होने का मुद्दा गंभीर है। ऐसे में घरों और शहरी क्षेत्रों से निकलने वाला गंदा पानी नालों के माध्यम से नदियों और अन्य जलस्रोतों तक पहुंचने का खतरा बना रहता है। नर्मदा और क्षिप्रा समेत प्रमुख नदियों में प्रदूषण को लेकर लगातार निगरानी की जरूरत बताई जा रही है। हाल ही में उज्जैन मामले में एनजीटी ने क्षिप्रा में बिना उपचारित सीवेज या अपशिष्ट जल के प्रवाह को रोकने और नदी के पुनर्जीवन के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

70वीं बीपीएससी परीक्षा रद्द करने बैरिकेड्स तोड़ सीएम आवास की ओर बढ़े छात्र

पटना। बिहार की राजधानी पटना में 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा को लेकर छात्रों का प्रदर्शन सोमवार को उग्र हो गया। सैकड़ों बीपीएससी अभ्यर्थियों ने परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च किया। प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में लगाए गए बैरिकेड्स तोड़ दिए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए लाठीचार्ज किया और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारी छात्र 70वीं बीपीएससी परीक्षा को रद्द करने सहित अपनी अन्य मांगों को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आवास की ओर बढ़ रहे थे। पुलिस ने कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी आगे बढ़ते रहे। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने कई जगहों पर लाठीचार्ज किया। इसके साथ ही वॉटर कैनन से पानी

की बौछारें छोड़ी गईं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में छात्र मार्च जारी रखते हुए मुख्यमंत्री आवास के करीब पहुंच गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों और पुलिसकर्मियों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। पुलिस की कार्रवाई के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी रही।

अब नई पीढ़ी को मिले जिम्मेदारी : गडकरी

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के एक बयान ने उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज कर दी हैं। नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि वे अब पहले की तरह सार्वजनिक जीवन में सक्रिय नहीं हैं और उतना काम नहीं कर पा रहे हैं, जितना पहले करते थे। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि नई पीढ़ी आगे आए और जिम्मेदारियां संभाले। हालांकि, उन्होंने सीधे तौर पर राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा नहीं की है।

ग्रीन चेक वाले नर्सिंग कॉलेजों में ही परीक्षा

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता और गुणवत्ता को लेकर चल रहे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों की परीक्षा को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। कोर्ट ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो की जांच में 'ग्रीन चेक' यानी हरी झंडी पाने वाले नर्सिंग कॉलेजों के छात्र उसी संस्थान में परीक्षा दे सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जिन नर्सिंग कॉलेजों को सीबीआई की जांच में हरी झंडी नहीं मिलती है, वहां पढ़ने वाले छात्रों को दूसरे योग्य संस्थानों में शिफ्ट किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य छात्रों की पढ़ाई और परीक्षा को प्रभावित होने से बचाना है। सुनवाई के दौरान सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने छात्रों से कहा कि वे उस मैनेजमेंट से सवाल करें, जिसे उन्होंने फीस, डोनेशन या अन्य राशि का भुगतान किया है। अदालत ने संकेत दिया कि कॉलेज की मान्यता और सुविधाओं से जुड़ी जिम्मेदारी मुख्य रूप से संस्थान के प्रबंधन की है। सीजेआई

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि कॉलेज प्रबंधन को सीबीआई की जांच का सामना करना चाहिए। यदि कोई कॉलेज निर्धारित नियमों और मानकों के अनुरूप है, तो जांच में उसकी स्थिति स्वत: स्पष्ट हो जाएगी। इससे योग्य और अयोग्य संस्थानों की पहचान करने में मदद मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से उन छात्रों को राहत मिलने की उम्मीद है, जिनकी पढ़ाई संस्थानों की मान्यता और जांच के विवाद के कारण प्रभावित हो रही है। अदालत की व्यवस्था के तहत अनुपयुक्त पाए जाने वाले कॉलेजों के विद्यार्थियों को दूसरे योग्य संस्थानों में स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि उनकी परीक्षा और शैक्षणिक भविष्य पर प्रतिकूल असर न पड़े।

यूपी-बिहार से एमपी तक 23 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली

देश के कई हिस्सों में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार 26 अगस्त को उत्तर भारत से लेकर मध्य भारत, पूर्वोत्तर और दक्षिणी हिस्सों के 23 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। झारखंड के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसके प्रभाव से कई राज्यों में बारिश की गतिविधियां तेज होने का अनुमान है। राजधानी दिल्ली में दिनभर बादल छाए रहने की संभावना है। सुबह से दोपहर के बीच हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, दिल्ली में फिलहाल बहुत भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव और यातायात प्रभावित हुआ था। उत्तर प्रदेशरू पश्चिमी यूपी में 26 अगस्त तक बारिश का दौर जारी रह सकता है। पूर्वी यूपी में 26 और 27 अगस्त को कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। उत्तराखंड में 25 से 31 अगस्त तक कई इलाकों में बारिश का अनुमान है। 26 अगस्त को भारी बारिश हो सकती है, जबकि 30-31 अगस्त को भी बारिश का एक और दौर आ सकता है। झारखंड में 25 से 29 अगस्त के बीच कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। बिहार में 26 अगस्त को

व्यापक बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और बिजली चमकने की स्थिति बन सकती है। पश्चिमी मध्य प्रदेश में 26-27 अगस्त और पूर्वी मध्य प्रदेश में 26-29 अगस्त तक भारी बारिश हो सकती है। छत्तीसगढ़ में भी 26-29 अगस्त के दौरान बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। राजस्थान, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, पूर्वोत्तर राज्यों, महाराष्ट्र, गोवा और गुजरात में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। भारी बारिश के दौरान निचले इलाकों में जलभराव, यातायात बाधित होने और बिजली गिरने का खतरा बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने लोगों से स्थानीय मौसम अपडेट पर नजर रखने और तेज बारिश या गरज-चमक के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचने की सलाह दी है।

मिसाइल तकनीक निजी कंपनियों को देने की मंजूरी : राजनाथ सिंह

आकाश, अस्त्र और नाग मिसाइलें बन सकती हैं, घरेलू उत्पादन बढ़ाना टारगेट

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ की विकसित की गई सभी पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की तकनीक भारतीय निजी कंपनियों को देने की मंजूरी दी है। इन तकनीकों का इस्तेमाल देश में मिसाइलों के उत्पादन के लिए किया जाएगा। इस पहल का मकसद घरेलू रक्षा उत्पादन बढ़ाना है। इसके तहत रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) योग्य रक्षा कंपनियों को मिसाइल तकनीक देगा।रक्षा मंत्रालय ने अभी उन मिसाइलों की कोई सूची जारी नहीं की है, जिन्हें निजी कंपनियां बना सकेंगी। हालांकि, माना जा रहा है कि निजी क्षेत्र को आकाश वायु रक्षा मिसाइल, अस्त्र हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल और नाग टैंक रोधी निर्देशित मिसाइल बनाने की अनुमति मिल सकती है।

आयात पर निर्भरता घटाने का टारगेट

रक्षा मंत्रालय ने कहा, तकनीक देने का मकसद घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाना, रक्षा औद्योगिक आधार मजबूत करना और भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा अन्य तकनीकी भागीदारों को सप्लाय चेन में शामिल होने के मौके देना है। इस पहल से सैन्य क्षमता बढ़ाने, आयात पर निर्भरता घटाने और देश में होने वाले उत्पादन का मूल्य बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पारंपरिक मिसाइलें लक्ष्य को नष्ट करने के लिए विस्फोटक या गति पर निर्भर करती हैं। वहीं, गैर-पारंपरिक मिसाइलों में परमाणु, जैविक या रासायनिक हथियार लगे होते हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह प्रावधान मिसाइल प्रणालियों के विकास से औद्योगिक उत्पादन तक सफल बदलाव में मदद करेगा।

वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ रुपए

सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का घरेलू रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ रुपए रहा। वर्ष 2014 में यह आंकड़ा 46,000 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

ब्रांडेड कम्पनी के नाम पर बिक रहे थे नकली कपड़े, पुलिस की दबिश से मचा हड़कंप

कोतवाली थाना पुलिस की कार्यवाही, कॉपीराइट एक्ट का मामला दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली कपड़े बेचने के आरोप में मंगलवार को कोतवाली क्षेत्र में पुलिस-प्रशासन की टीम ने कार्यवाही करते हुए प्यूमा कंपनी के नाम और लोगो वाले 496 नकली कपड़े जब्त किए हैं। इनमें टी-शर्ट, लोवर और हुडी शामिल हैं। पुलिस ने मामले में दुकान मालिक और माल सप्लाई करने वाले युवक के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक एल्यूडिकेशन एड एंड सॉलिसिटर्स लॉ फर्म, पंजाबी बाग नई दिल्ली के जांच अधिकारी मयंक शर्मा ने एसपी सम्पत उपाध्याय से शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया था कि कोतवाली क्षेत्र की कुछ दुकानों पर प्यूमा कंपनी जैसे दिखने वाले नकली टी-शर्ट और लोवर बेचे जा रहे हैं। शिकायत की जांच के बाद एसपी ने कोतवाली पुलिस को कार्यवाही के निर्देश दिए।

सप्लाई करते वक्त पुलिस ने दबोचा

मंगलवार दोपहर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक एक्टिवा से सफेद रंग की बोरी में प्यूमा के लोगो वाले कपड़े लेकर बड़ा फुहारा की तरफ जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम कोतवाली थाने के सामने तैनात हुई। कुछ देर बाद बताए हुलिए का युवक एक्टिवा से बोरी लेकर आता दिखाई दिया। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा और थाने लाकर पूछताछ की। युवक ने अपना नाम 25 वर्षीय तनिष्क जैन निवासी मिलौनीगंज, हनुमानताल बताया। तलाशी में बोरी से प्यूमा कंपनी के नाम और लोगो वाले नकली कपड़े मिले। पुलिस के अनुसार, तनिष्क ने बताया कि वह गढ़ा फाटक रोड स्थित बड़े बाबा गारमेंट्स में काम करता है और दुकान मालिक खेमचंद जैन के कहने पर वहां से कपड़े लेकर सप्लाई करने जा रहा था। पुलिस ने तनिष्क के कब्जे से 36 नकली टी-शर्ट और 24 लोवर, कुल 60 पीस जब्त किए। इसके बाद जांच अधिकारी मयंक शर्मा के साथ पुलिस टीम ने तनिष्क की निशानदेही पर गढ़ा फाटक स्थित बड़े बाबा गारमेंट्स में दबिश दी। दुकान की तलाशी के दौरान 300 नकली टी-शर्ट और 136 हुडी बरामद हुईं। पुलिस ने दुकान मालिक 55 वर्षीय खेमचंद जैन निवासी भालदापुरा, नरघैया, कोतवाली से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में उसने बरामद माल अपना होना बताया।

जबलपुर में बनवाकर बेचने का आरोप

पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि प्यूमा कंपनी के नाम और लोगो का इस्तेमाल कर नकली कपड़े तैयार कराए जा रहे थे और उन्हें ब्रांडेड बताकर ऊंचे दामों में बेचने का आरोप है। हालांकि नकली कपड़े कहां तैयार होते थे और इस नेटवर्क में और कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच पुलिस कर रही है। पुलिस ने तनिष्क जैन और दुकान मालिक खेमचंद जैन के खिलाफ धारा 51 और 63 कॉपीराइट एक्ट के तहत कार्यवाही की है। जब्त कपड़ों की कीमत और इनके निर्माण व सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी भी जांच के बाद सामने आने की उम्मीद है।

घर के बाहर बैठी वृद्धा को आवारा श्वान ने 12 से ज्यादा जगह काटा

पाटन तहसील के मढ़ पिपरिया गांव का मामला, ग्रामीणों में आक्रोश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पाटन तहसील के मढ़ पिपरिया गांव में एक आवारा श्वान 78 वर्षीय वद्ध महिला पर हमला उनके शरीर में 12 से ज्यादा के जगह काट लिया। घायल अवस्था में महिला को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि 78 वर्षीय रामवती सुबह के समय घर के बाहर बैठी थीं। इसी दौरान एक आवारा कुत्ता अचानक आया और उनके हाथ पर हमला कर दिया। बुजुर्ग महिला के चीखने पर आसपास के दो युवक मौके पर पहुंचे। उन्होंने लाठी-डंडों की मदद से किसी तरह कुत्ते को भगाया और रामवती को पाटन स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

2 दिन पहले बच्चे पर भी किया हमला- इस घटना के बाद रामवती की बहू यशोदा बाई ने बताया कि गांव में आवारा कुत्तों का आतंक लंबे समय से है। दो दिन पहले 10 वर्षीय बच्चा घर के बाहर खेल रहा था, तब कुत्तों ने उस पर भी हमला किया था। ग्रामीणों ने समय रहते कुत्तों को भगा दिया, जिससे बच्चा बच गया। ग्रामीणों के मुताबिक कुछ दिन पहले कुत्तों के झुंड ने एक गाय के बछड़े पर भी हमला कर उसे मार दिया था। घरों के बाहर बंधे पालतू जानवरों पर भी कुत्तों के हमले की घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच और सचिव को कई बार शिकायत की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। अब बुजुर्ग महिला पर हमले के बाद ग्रामीणों में डर का माहौल है। उनका कहना है कि समय रहते कार्यवाही नहीं हुई तो किसी की जान भी जा सकती है।

नाबालिग का वीडियो बनाकर किया दुष्कर्म 5 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिले के शाहपुरा में 14 साल की 9वीं कक्षा की छात्रा के साथ सीनियर छात्र द्वारा दुष्कर्म और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि वीडियो सामने आने के बाद मुख्य आरोपी के चार साथियों ने भी नाबालिग को ब्लैकमेल किया। मंगलवार को पीड़िता परिजनों के साथ शाहपुरा थाने पहुंची, जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत एक नाबालिग सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जानकारी के मुताबिक शाहपुरा स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले आरोपी 18 वर्षीय निखिल सिंह राजपूत की वर्ष 2025 में छात्रा से दोस्ती हुई थी। इसके बाद दोनों का स्कूल आना-जाना साथ होने लगा। दिसंबर 2025 में निखिल छात्रा को घूमाने के बहाने अपने साथ ले गया, जहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया और वीडियो भी बना लिया। इसके बाद ब्लैकमेल करने लगा। कुछ दिन बाद निखिल के दोस्त सौरभ सिंह और एक अन्य नाबालिग को वीडियो के बारे में पता चला। आरोप है कि चारों ने भी वीडियो के आधार पर छात्रा को ब्लैकमेल किया और उसके साथ दुष्कर्म किया। नाबालिग डर के कारण कई महीनों तक किसी को इसकी जानकारी नहीं दे सकी।

विधानसभा अध्यक्ष ने प्रदान किया अग्रणी विश्वविद्यालय सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। होटल वेटिवर ग्रैंड में आयोजित जबलपुर गौरव सम्मान समारोह में महाकौशल विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं कौशल आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कौशल आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने वाला अग्रणी विश्वविद्यालय के सम्मान से नवाजा गया। समारोह में मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने महाकौशल विश्वविद्यालय को यह सम्मान प्रदान किया। विश्वविद्यालय की ओर से उप-कुलाधिपति सौम्या तिवारी एवं विश्वविद्यालय की प्रतिनिधि डॉ. प्रतिभा तिवारी ने सम्मान ग्रहण किया। श्री तोमर ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान और रोजगारपरक कौशल उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। सम्मान ग्रहण करते हुए महाकौशल विश्वविद्यालय की उप-कुलाधिपति सौम्या तिवारी ने कहा कि यह सम्मान विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। विश्वविद्यालय की प्रतिनिधि डॉ. प्रतिभा तिवारी ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ कौशल विकास अत्यंत आवश्यक है। महाकौशल विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण और रोजगारपरक कौशल उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है।

बड़ों में उदारता और छोटों में लघुता ही मोक्षमार्ग का आधार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए निर्यापक श्रमण मुनिश्री समतासागरजी महाराज ने कहा कि मनुष्य के जीवन में केवल किसी को स्थान देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस स्थान को ग्रहण करने वाले के प्रति विनय, लघुता और समर्पण का भाव होना भी आवश्यक है। जब बड़ों के भीतर उदारता और छोटों के भीतर लघुता का भाव विकसित होता है, तब परिवार और समाज में मधुरता, प्रेम तथा आपसी सम्मान बढ़ता है। यही भाव व्यक्ति के आत्मकल्याण और मोक्षमार्ग को प्रशस्त करने में सहायक बनता है। मुनिश्री समतासागर महाराज ने अपने प्रवचन में दूध और पानी का उदाहरण देते हुए कहा कि जब दूध गर्म होता है तो उसमें मिला हुआ पानी पहले स्वयं जलता है और दूध को भी बचाने का प्रयास करता है। लेकिन जब दूध शांत हो जाता है तो पानी भी उसके साथ एकरूप हो जाता है। इसके विपरीत तेल और पानी साथ रहते हुए भी एक-दूसरे में नहीं मिलते। उन्होंने कहा कि यही अंतर विनय और अहंकार के भाव को स्पष्ट करता है। जो व्यक्ति किसी का आश्रय पाकर भी अपनी लघुता और समर्पण बनाए रखता है, वह संबंधों को सार्थक बनाता है। मुनिश्री के प्रवचन को सुनने उपस्थित श्रद्धालुओं ने आत्मचिंतन का संकल्प लिया। धर्मसभा में उन्होंने सभी से आग्रह किया कि बाहरी उपलब्धियों के साथ-साथ अपने भीतर के दोषों को दूर करने का प्रयास करें।

राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में चयनित हुए रोलबॉल के खिलाड़ी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी रोलबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में आगामी इंदौर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय रोलबॉल चैंपियनशिप के लिए अंडर-11 एवं अंडर-14 वर्ग की जिला स्तरीय चयन प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय स्मॉल वंडर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बल्देवबाग में किया गया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार एवं हैरतअंगेज प्रदर्शन करते हुए उपस्थित जनसमूह को रोमांचित कर दिया। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों के खेल कौशल, प्रदर्शन और प्रतिभा के आधार पर अंडर-11 एवं अंडर-14 वर्ग की टीमों का चयन किया गया। संस्कारधानी रोलबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रामकिशोर सोनी ने बताया कि चयन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में निर्णायक मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। निर्णायक मंडल में रोलबॉल के वरिष्ठ कोच फ्रैंकलिन डिसूजा, रोहित त्रिपाठी, नरेन सोनकर, अमर कदम आदि शामिल रहे।

चंदन का पेड़ काटकर ले गए चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ग्वारीघाट थाने में राकेश कुमार कुशवाहा उम्र 36 वर्ष निवासी साकेत धाम ग्वारीघाट ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह साकेत धाम ग्वारीघाट में मैनेजर के पद पर पदस्थ है। विगत दिवस साकेत धाम के कर्मचारी रात को खाना खाकर कमरे में सोने चले गये थे। साकेतधाम का गार्ड नरेश सुबह 8 बजे तक था। सुबह धर्मेन्द्र पासी आकर देखा साकेत धाम आश्रम के पीछे लगा चंदन का पेड कोई अज्ञात चोर काटकर ले गया है।

कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचे 106 आवेदन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों से कुल 106 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 41 दोबारा आए आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में नागरिकों की समस्या0एं अपर कलेक्ट्र श्रीमती नीता राठौर ने सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आए ज्यादातर आवेदन लाइसेंस नवीनीकरण, फ्लैट के लिए जमा राशि बिल्डर द्वारा नहीं लौटाना, मालिकाना हक दिलाने, बिजली बिल ज्यादा आने, नामांतरण, पेंशन, आवास योजना का लाभ दिलाने, आयुष्मान कार्ड आदि शामिल रहे।

संत शिरोमणि गुरू रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने लिया संकल्प

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मंगलवार को मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर अल्पप्रवास पर शहर पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने संत शिरोमणि गुरू रविदास महाराज की कलश मंगल यात्रा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरू रविदास महाराज की कलश मंगल यात्रा के माध्यम से उनके विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प है। संत श्री रविदास ने सामान्य परिवार में जन्म लेकर अपने जीवन और विचारों से समाज को सामाजिक समरसता का संदेश दिया। श्री तोमर ने यह बात शांति नगर मध्य विधानसभा क्षेत्र में आयोजित संत शिरोमणि श्री रविदास की कलश वंदन यात्रा के दौरान कही। इस अवसर पर जबलपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के शांति नगर स्थित संत शिरोमणि श्री रविदास के मंदिर में पूजन अर्चन किया गया। इसके बाद श्री तोमर और विधायक डॉ अभिलाष पांडे ने हाथों में कलश लेकर शांति नगर स्थित रामजानकी मंदिर तक पैदल यात्रा की। इस अवसर पर विधायक अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष रिंकूज विज, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन आदि उपस्थित रहे।

त्यौहार से पहले पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

बुधवार को ईद मिलादुन्नबी और शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए सिहोरा पुलिस और प्रशासन ने मंगलवार को नगर में फ्लैग मार्च निकाला। इसका उद्देश्य लोगों को शांतिपूर्ण और सद्भाव के साथ त्योहार मनाने का संदेश देना था। अधिकारियों ने कहा कि सभी समुदाय के लोग त्योहार उत्साह और उमंग के साथ मनाएं, लेकिन शालीनता और आपसी भाईचारा बनाए रखें। फ्लैग मार्च सिहोरा थाना से शुरू होकर बस स्टैंड, गौरी तिराहा, आजाद चौक, झंडा बाजार, काल भैरव चौक और सरावगी मोहल्ला होते हुए वापस थाना परिसर में समाप्त हुआ। इसमें एसडीओपी आईपीएस आदित्य सिंघारिया, एसडीएम ज्योति, तहसीलदार सुरेश सोनी सहित पुलिस थाना स्टाफ मौजूद रहा।

जहरीले कीड़े के काटने से वृद्ध की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सिहोरा थाने में राम चौधरी उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम लमकना मझगवा ने बताया कि उसके घर के सभी लोग खाना खाकर अपने अपने कमरे में सोने चले गये थे। पिताजी भी अपने कमर में खाना खाकर टीवी देख रहे थे तभी कोई अज्ञात जहरीले कीड़े ने सुकड़ा चौधरी को काट लिया । सुकड़ा चौधरी को लेकर आये जहां डाक्टर ने चेक कर मृत घोषित कर दिया।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से युवक की मौत

जबलपुर। पनागर थाने में सड़क दुर्घटना में घायल को उपचार हेतु मेडिकल कालेज लाये जाने की सूचना पर पहुंची पुलिस को धर्मेन्द्र सिंह ठाकुर ने बताया कि भाई रविन्द्र ठाकुर अपनी मोटर सायकिल राखी बेचने पनागर की ओर जा रहा था, स्वराज माजदा के चालक ने तेज गति से टक्कर मारदी जिससे भाई रविन्द्र ठाकुर को चोटे आ गयी जिसे मेडिकल कालेज लाया गया, सड़क दुर्घटना मे आयी चोटों के कारण भाई की मृत्यु हो गयी है। पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग कायम किया।

पुलिस को चकमा देने भिखारी बनकर सूरत में घूमते मिला हिस्ट्रीशीटर बदमाश

कई मामलों में फरार आरोपी को रांझी पुलिस ने किया गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हत्या के प्रयास एवं अवैध वसूली जैसे गंभीर मामलों में आरोपित और लंबे समय से फरार चल रहे आदतन अपराधी को रांझी पुलिस ने गुजरात के सूरत से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि घटना में शामिल मोनू खान, सोनू यादव और सौरभ बैन को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मुख्य आरोपित तरुण पटेल लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बच रहा था। ठिकाने बदलकर महीनों धोखा देता रहा। आरोपी भिखारी बनता तो कभी कोई रूप धर लेता। पीछे पड़ी तरुण पटेल को रांझी पुलिस ने गुजरात से दबोच लिया।

ये है पूरा मामला- रांझी थाना क्षेत्र में रहने वाले रवि कोरी पर 19 मई की रात तरुण पटेल ने लोहे की रॉड से जानलेवा हमला किया था। रवि बैनीखेड़ा, थाना पाटन का रहने वाला है। उसने इंद्रावास कॉलोनी में तरुण पटेल, सोनू यादव और सौरभ बेन से 5 लाख 21 हजार रुपये में मकान खरीदा था। रवि ने दो लाख रुपये देने के बाद शेष 3 लाख 21 हजार रुपये जल्द देने की बात कहते हुए मकान की रजिस्ट्री कराने की बात कही थी। आरोप है कि रुपये लेने के बाद तरुण और उसके साथियों ने मकान बेचने से इनकार कर दिया। रवि ने जब इस पर जोर दिया तो तरुण ने उस पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल रवि की शिकायत पर रांझी पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर तरुण की तलाश शुरू की। फरार आरोपित की गिरफ्तारी पर पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

सुरक्षा गार्ड बनकर कर रहा था काम- रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी के अनुसार 20 अगस्त को सूचना मिली कि तरुण गुजरात के सूरत में छिपा हुआ है और उसने अपना हुलिया मजदूर जैसा बना लिया है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम सूरत रवाना हुई। तलाश के दौरान तरुण एक निर्माणाधीन भवन में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता मिला। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। 23 अगस्त को टीम उसे लेकर जबलपुर पहुंची।

साधु बनकर उज्जैन में काट रहा था फरारी

इसी प्रकार दूसरा आरोपित प्रवीण रजक भी पुलिस से बचने के लिए लगातार हुलिया बदलता रहा। उस पर रांझी और आसपास के क्षेत्रों में मारपीट, हत्या के प्रयास, लूट, अवैध वसूली और बमबाजी सहित एक दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार प्रवीण को लगा कि साधु का वेष धारण करने से उसकी पहचान मुश्किल होगी। इसी कारण उसने नर्मदा नदी के तिलवाराघाट क्षेत्र में भी कुछ समय फरारी काटी। करीब छह महीने से फरार प्रवीण बाद में उज्जैन पहुंच गया। वह दिनभर अलग-अलग स्थानों पर घूमता और रात महाकाल मंदिर के आसपास बिताता था।रांझी पुलिस ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखी और सूचना के आधार पर उज्जैन पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी से बचने के लिए प्रवीण ने अपना हुलिया पूरी तरह बदल लिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

चेदि से चंदेरी तक की कहानी

मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले में स्थित चंदेरी का इतिहास बेहद पुराना है। माना जाता है कि इसका संबंध प्राचीन चेदि जनपद से रहा है। 11वीं शताब्दी में यह एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र के रूप में विकसित हुआ। यहां तैयार होने वाला सूती कपड़ा दूर-दूर तक प्रसिद्ध था। प्रसिद्ध इतिहासकार अल-बिरूनी ने भी चंदेरी का उल्लेख एक महत्वपूर्ण नगर के रूप में किया था।

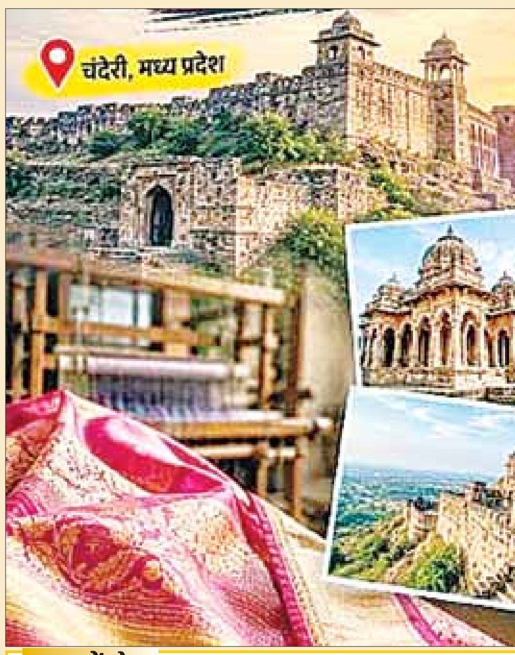

चंदेरी किला, रणनीति का मजबूत केंद्र

चंदेरी का किला लगभग 71 मीटर ऊंची पहाड़ी पर स्थित है। इसकी मजबूत दीवारें और विशाल दरवाजे इसकी सामरिक महत्ता को दर्शाते हैं। दिल्ली से मध्य भारत और दक्षिण की ओर जाने वाले महत्वपूर्ण मार्ग पर स्थित होने के कारण चंदेरी पर नियंत्रण राजनीतिक और सैन्य दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जाता था।

बुंदेलों से मराठों और अंग्रेजों तक

16वीं शताब्दी में चंदेरी बुंदेला शासकों के अधीन आया और यह बुंदेलखंड की राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र बना। आगे चलकर मराठों और सिंधिया शासकों का प्रभाव रहा। 19वीं शताब्दी में चंदेरी अंग्रेजी सत्ता के अधीन पहुंच गया। इस तरह कई राजवंशों के उत्थान-पतन का साक्षी यह नगर आज भी अपनी ऐतिहासिक पहचान संभाले हुए है।

प्रियंका दुबे
शिक्षक,
के सी हितकारिणी चिल्ड्रेन्स एकेडमी
जोन्सगंज, जबलपुर

चंदेरी साड़ी, करघों पर जीवित विरासत

चंदेरी की पहचान केवल उसके किले से नहीं, बल्कि उसकी प्रसिद्ध चंदेरी साड़ी से भी है। रेशम और सूती धागों से बुनी हल्की और पारदर्शी साड़ियां अपनी खूबसूरती के लिए देशभर में प्रसिद्ध हैं। पारंपरिक बुनाई और महीन कारीगरी ने चंदेरी को वस्त्र कला के मानचित्र पर विशेष स्थान दिलाया है।

खंडहरों में आज भी जिंदा है इतिहास

किला, बादल महल, कौशक महल, कट्टी घाटी और परमेश्वर ताल जैसे ऐतिहासिक स्थल चंदेरी की समृद्ध विरासत की कहानी कहते हैं। फिल्मों और पर्यटन ने भी इसकी पहचान को नई लोकप्रियता दी है।

युद्धों ने लिखी इतिहास की इबारत

चंदेरी ने कई ऐतिहासिक संघर्ष देखे। 13वीं शताब्दी में अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति मलिक काफूर ने यहां आक्रमण किया। इसके बाद 15वीं शताब्दी में मालवा के सुल्तान हुसंगशाह का प्रभाव रहा। 1528 में बाबर और मेदिनी राय के बीच हुआ युद्ध चंदेरी के इतिहास की सबसे चर्चित घटनाओं में शामिल है। युद्ध के बाद जौहर की घटना ने इस स्थान के इतिहास को बेहद मार्मिक बना दिया। बाद में शेरशाह सूरी और अकबर के शासन में भी चंदेरी का राजनीतिक महत्व बना रहा।

हिटलर : सत्ता, नफरत और तबाही का इतिहास

प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी गंभीर आर्थिक और राजनीतिक संकट से गुजर रहा था। बेरोजगारी, महंगाई और असंतोष ने लोगों में निराशा पैदा कर दी। इसी माहौल में एडोल्फ हिटलर और नाजी पार्टी ने मजबूत जर्मनी का सपना दिखाया। रोजगार, राष्ट्रीय गौरव और स्थिरता के वादों ने बड़ी संख्या में लोगों को नाजी विचारधारा की ओर आकर्षित किया। 1933 में हिटलर जर्मनी का चांसलर बना और जल्द ही उसने लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करके सत्ता को अपने हाथों में केंद्रित कर लिया।

लोकतंत्र कमजोर हो तो खतरा बढ़ता है

हिटलर के शासन का सबसे बड़ा सबक यह है कि लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं है। स्वतंत्र न्यायपालिका, निष्पक्ष संस्थाएं, स्वतंत्र प्रेस, नागरिक अधिकार और मजबूत विपक्ष लोकतंत्र के लिए आवश्यक हैं। नाजी शासन ने धीरे-धीरे इन संस्थाओं को नियंत्रित किया और असहमति की आवाजों को दबा दिया। इससे पता चलता है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा करना नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। नाजी विचारधारा ने यहूदियों सहित कई समुदायों को निशाना बनाया। नस्लीय श्रेष्ठता की सोच ने भेदभाव को सरकारी नीति में बदल दिया। इसके परिणामस्वरूप होलोकॉस्ट जैसी भयावह त्रासदी हुई, जिसमें लगभग 60 लाख यहूदियों की हत्या कर दी गई। यह इतिहास सिखाता है कि किसी समुदाय के प्रति नफरत, भेदभाव और अमानवीय व्यवहार को सामान्य नहीं बनने देना चाहिए। नाजी शासन ने प्रचार, भाषणों और नियंत्रित मीडिया का इस्तेमाल जनता की सोच प्रभावित करने के लिए किया। आज सोशल मीडिया के दौर में यह सीख और महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी भी खबर या दावे को बिना जांचे स्वीकार करने के बजाय उसके स्रोत और तथ्य की पड़ताल करना जरूरी है।

क्या आप जानते हैं?

1 दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात कानून हमूराबी की संहिता है। इसे प्राचीन बेबीलोन में राजा हमूराबी के शासनकाल में बनाई गई थी। इसमें अपराध, व्यापार, संपत्ति और सामाजिक व्यवस्था से जुड़े नियम दर्ज थे।

2 प्राचीन एथेंस को लोकतंत्र के शुरुआती रूपों के लिए जाना जाता है।

3 टाइटैनिक की पहली यात्रा ही आखिरी बन गई। अप्रैल 1912 में उत्तरी अटलांटिक में हिमखंड से टकराने के बाद यह डूब गया और बड़ी संख्या में यात्रियों की जान चली गई।

4 अलेक्जेंड्रिया का पुस्तकालय प्राचीन दुनिया के सबसे प्रसिद्ध ज्ञान केंद्रों में माना जाता है।

5 सन 1789 की फ्रांसीसी क्रांति से स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे विचारों को व्यापक लोकप्रियता मिली। इन विचारों का प्रभाव बाद की राजनीति और समाज पर भी पड़ा।

6 अमेरिका का प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी फ्रांस की ओर से अमेरिका को दिया गया उपहार था। इसका अनावरण 1886 में हुआ।

7 सोवियत अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन 1961 में अंतरिक्ष में जाने वाले पहले मानव बने।

8 मैरी क्यूरी ने भौतिकी और रसायन विज्ञान, दो अलग-अलग विज्ञान क्षेत्रों में नोबेल पुरस्कार जीते।

9 फर्डिनेंड मैगलन के नेतृत्व में शुरू हुआ समुद्री अभियान पृथ्वी की पहली परिक्रमा से जुड़ा है।

10 सन 1215 में इंग्लैंड में जारी मैग्ना कार्टा ने राजा की शक्ति पर कुछ कानूनी सीमाएं स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसे संवैधानिक इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं में गिना जाता है।

सोशल साइंस को रटें नहीं, समझें, इतिहास से अर्थशास्त्र तक आसान होगी पढ़ाई

सामाजिक विज्ञान विद्यार्थियों को केवल अतीत की जानकारी नहीं देता, बल्कि देश, समाज, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और नागरिक जीवन को समझने की दृष्टि भी विकसित करता है। सोशल साइंस क्यों है महत्वपूर्ण?

सामाजिक विज्ञान में इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र और अर्थशास्त्र जैसे विषय शामिल हैं। इतिहास हमें भारत की संस्कृति, स्वतंत्रता संग्राम और महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों से परिचित कराता है। भूगोल पृथ्वी, जलवायु, नदियों, पर्वतों और प्राकृतिक संसाधनों को समझने में मदद करता है। नागरिक शास्त्र संविधान, मौलिक अधिकार, कर्तव्य और लोकतंत्र की जानकारी देता है, जबकि अर्थशास्त्र धन, रोजगार, उत्पादन और आर्थिक गतिविधियों को समझाता है।

रटने के बजाय तर्क से पढ़ें

सोशल साइंस को याद करने के बजाय उसके पीछे के कारण और परिणाम समझना ज्यादा उपयोगी है। किसी ऐतिहासिक घटना को कहानी की तरह पढ़ें और यह जानने का प्रयास करें कि घटना क्यों हुई और उसका क्या प्रभाव पड़ा। इससे तारीखें और घटनाएं लंबे समय तक याद रहती हैं।

मानचित्र बनाएं पढ़ाई का साथी

भूगोल पढ़ते समय केवल किताब के चित्र देखने के बजाय मानचित्र का नियमित अभ्यास करें। नदियां, पर्वत, राज्य, समुद्र और महत्वपूर्ण स्थानों को मानचित्र पर खोजें। इतिहास में भी महत्वपूर्ण स्थानों को नक्शे पर पहचानने की आदत विषय को और रोचक बना सकती है।

छोटे नोट्स और माइंड मैप से बढ़ेगी समझ

हर अध्याय के महत्वपूर्ण बिंदु, परिभाषाएं, तिथियां और नाम छोटे नोट्स में लिखें। कठिन अध्यायों को चार्ट, टेबल और माइंड मैप के जरिए समझने से विषय व्यवस्थित दिखाई देने लगता है। परीक्षा के समय यही नोट्स दोहराने में काफी मदद करते हैं।

रोज 20 से 30 मिनट का अभ्यास

एक दिन में बहुत अधिक पढ़ने के बजाय प्रतिदिन 20 से 30 मिनट सोशल साइंस को देना बेहतर है। अध्याय पढ़ने के बाद खुद से प्रश्न पूछें और बिना किताब देखे उत्तर देने का प्रयास करें। इससे समझ और याददाश्त दोनों मजबूत होती हैं।

साक्षी यादव
शिक्षक,
हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोरखपुर, जबलपुर

मानसून का रहस्य : समुद्र से धरती तक कैसे पहुंचती है बारिश?

भारत में मानसून केवल बारिश का मौसम नहीं, बल्कि कृषि, अर्थव्यवस्था और जनजीवन की जीवनरेखा है। हर साल करोड़ों लोग मानसून की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि समुद्र से उठने वाली हवाएं हजारों किलोमीटर दूर तक पहुंचकर बारिश कैसे कराती हैं? इसके पीछे पृथ्वी, समुद्र, तापमान और हवाओं का जटिल संबंध काम करता है।

मौसिम से बना मानसून शब्द

'मानसून' शब्द अरबी के 'मौसिम' से निकला है, जिसका अर्थ मौसम या हवाओं का मिजाज है। गर्मी और सर्दी के दौरान हवाओं की दिशा बदलती रहती है। इसी मौसमी बदलाव के कारण मानसूनी हवाओं का निर्माण होता है। पुराने समय में व्यापारी इन हवाओं का उपयोग समुद्री यात्रा और व्यापार के लिए करते थे।

गर्मी में समुद्र से धरती की ओर हवाएं

ग्रीष्म ऋतु में भारतीय भूभाग तेजी से गर्म होता है। भूमि और समुद्र के तापमान में अंतर पैदा होने से वायुदाब की स्थिति बदलती है। समुद्र से नमी से भरी हवाएं भारत की ओर बढ़ने लगती हैं। रास्ते में ये हवाएं बड़ी मात्रा में जलवाष्प अपने साथ लेकर आती हैं। जब नम हवाएं ऊपर उठती हैं और ठंडी होती हैं, तो जलवाष्प संघनित होकर बादलों का निर्माण करती है और बारिश होती है।

भारत पहुंचने वाली दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं मुख्य रूप से अरब सागर और बंगाल की खाड़ी की शाखाओं में विभाजित होती हैं। अरब सागर की शाखा पश्चिमी तट से होते हुए आगे बढ़ती है, जबकि बंगाल की खाड़ी की शाखा पूर्वोत्तर भारत, गंगा के मैदान और हिमालय की ओर बढ़ती है। पर्वतों से टकराने पर हवाएं ऊपर उठती हैं और कई क्षेत्रों में भारी वर्षा होती है।

मानसून का पूर्वानुमान इतना कठिन क्यों?

भारत में अलग-अलग भौगोलिक और जलवायु क्षेत्र होने के कारण मानसून का अनुमान लगाना चुनौतीपूर्ण है। मौसम विभाग दीर्घावधि, मध्यम अवधि और अल्पावधि के पूर्वानुमान जारी करता है। आधुनिक तकनीक, उपग्रहों, रडार और कंप्यूटर मॉडल की मदद से मौसम की जानकारी पहले की तुलना में काफी बेहतर हुई है। अब 'नाउकास्ट' के जरिए आने वाले कुछ घंटों के मौसम की जानकारी भी दी जाती है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 1875 में की गई थी। स्वतंत्रता के बाद 27 अप्रैल, 1949 को यह विश्व मौसम विज्ञान संगठन का सदस्य बना।
- यह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत एक प्रमुख एजेंसी है।
- इसका प्रमुख कार्य मौसम संबंधी भविष्यवाणी व प्रेक्षण करना तथा भूकंपीय विज्ञान के क्षेत्र में शोध करना है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के छह प्रमुख क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र हैं, जो क्रमशः चेन्नई, गुवाहाटी, कोलकाता, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली में स्थित है।

शब्द पहेली - 8958

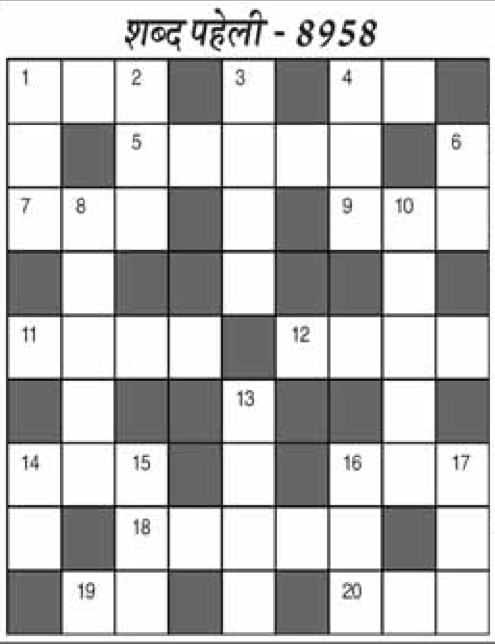

बाएँ से दाएँ

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिजूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन(अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जन्तु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

शब्द पहेली -8957 का हल

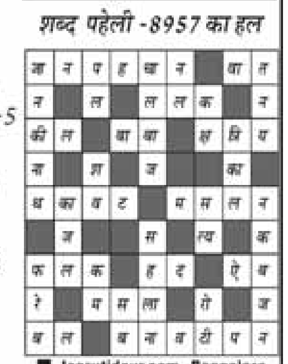

Jagrutidaur.com, Bangalore

60 साल पुराने कुएं से अचानक निकलने लगा गर्म पानी

कुदरत का करिश्मा या भूगर्भीय हलचल? देखने वालों की लगी भीड़

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

आपने तालाबों व कुण्ड में गर्म पानी देखा और महसुस किया होंगा लेकिन आम तौर कुएं के पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो एक ठंडक महसूस होती है. एक शीतलता का एहसास होता है. लेकिन वहीं, कुआं अचानक गर्माहट का एहसास करवाए, तो आप कैसा महसूस करेंगे. जी हां कुछ ऐसा ही महसूस कर रहा कुतराहे परिवार, जिनके घर का पुश्तैनी कुआं गर्म पानी उगल रहा है. ऐसे में परिवार में शुरुआत से खौफ का माहौल बन गया. इतना ही नहीं जब यह खबर गांव में फैली तो दूर-दराज के लोग इसने देखने के लिए आ रहे हैं. क्या यह चमत्कार है या भूगर्भीय हलचल? बालाघाट जिले की किरनापुर तहसील के तहत आने वालें नेवरगांव कलां में रहने वाले मुरलीधर कुतराहे के घर में 60 साल पुराना कुआं हैं. अब से 15 दिनों पहले तक सब कुछ सामान्य था. लेकिन अचानक सुबह मोटर शुरु करने पर सामान्य ठंडा नहीं बल्कि गर्म पानी आने लगा. पहले दिन उन्हें थोड़ा सामान्य लगा. लेकिन थोड़ी देर बाद भी पानी गर्म आया, तो उन्होंने सोचा मोटर में करंट होगा. लेकिन मैकेनिक ने जांच की तो मोटर भी ठीक निकली. फिर घर के लोगों की परेशानी और चिंता बढ़ने लगी कि अचानक कैसे हो रहा है. इसके बाद डर की वजह से उन्होंने पानी का इस्तेमाल भी बंद कर दिया.

बोरवेल और हैंडपंप में सामान्य है पानी.

कुतराहे परिवार की चिंता तो तब और बढ़ गई जब घर के आसपास के सारे कुओं से पानी सामान्य आने लगा. घर वालों का कहना है था कि यह न सिर्फ हैरान करने वाला था बल्कि हैरान करने वाला भी है. ऐसे में यह असामान्य घटना से कई लोग हैरान है और लोग इसे देखने और महसूस करने के लिए दूर-दराज से भी लोग आ रहे हैं. उनका कहना है कि उनकी उम्र साठ साल से भी ज्यादा कि हो गई. लेकिन उन्होंने ऐसा कभी नहीं देखा कि पानी ऐसे कैसे गर्म आ सकता है. ऐसे में वह भी हैरान है.

पानी का इस्तेमाल किया बंद

यह मामला जब उजागर हुआ तो इसकी भनक अधिकारियों तक भी पहुंची. ऐसे में पीएचई विभाग की टीम ने मुरलीधर कुतराहे के यहां पहुंचकर जांच भी शुरू कर दी. इसके बाद पीएचई विभाग की रिपोर्ट आई उससे साफ हो गया कि पानी में कोई खराबी नहीं है. यह पानी गर्म जरूर है लेकिन पीने योग्य है. लेकिन घर के लोगों में एक डर का माहौल है. उन्हें लगता है कि इस पानी के इस्तेमाल से शरीर पर असर पड़ सकता है. ऐसे में वह पानी का इस्तेमाल सिर्फ कपड़े धोने तक के लिए करते हैं.

चमत्कार या भूगर्भीय बदलाव?

भू-गर्भ विशेषज्ञ का कहना है कि बारिश के मौसम में पानी की रिसाव होता है. ऐसे में जैसे पानी नीचे जाता है, तब रंध्रावकाश में मौजूद गर्म गैस ऊपर की ओर आती है. ऐसे में यह एक वजह हो सकती है कि पानी का तापमान सामान्य से ज्यादा गर्म हो. हालांकि, यह कोई घबराने का विषय नहीं है. समय के साथ पानी भी सामान्य हो जाएगा और उसका इस्तेमाल किया जा सकता है.

रूपझर पुलिस की कार्रवाई, दो पुराने वारंटी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। पुलिस अधीक्षक बालाघाट के नेतृत्व में जिले में स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटियों की तलाश और धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रूपझर पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस टीम ने अलग-अलग मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे दो वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बैहर के मार्गदर्शन में थाना रूपझर में निरीक्षक कामेश धुमकेति के नेतृत्व में वारंटियों की तलाश के लिए टीम गठित की गई थी। टीम ने कार्रवाई करते हुए अपराध क्रमांक 130/2020 में वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत जारी स्थायी वारंट के आरोपी देवलाल पिता नंदलाल मरावी (34) निवासी ग्राम पिपराही को गिरफ्तार किया। आरोपी करीब दो वर्ष से वारंट में फरार था। इसी तरह अपराध क्रमांक 166/2021, धारा 294 आईपीसी के मामले में जारी गिरफ्तारी वारंट के आरोपी शफीर पिता शेख रहीम (31) निवासी चिखलझोड़ी, थाना रूपझर को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। वह करीब पांच वर्ष से वारंट में फरार चल रहा था। दोनों आरोपियों को न्यायालय बैहर में पेश किया गया। कार्रवाई में निरीक्षक कामेश धुमकेति, सउनि जयदयाल पटले, प्रधान आरक्षक द्वारिका दुबे, देवेश तिवारी, उमेश मालवीय, कृष्णकुमार सहित विशेष सहयोगी दस्ता के कुलदीप, राहुल, फिरोज और मूलचंद की सराहनीय भूमिका रही।

आरक्षक भर्ती परीक्षा से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। वर्ष 2023 की आरक्षक भर्ती परीक्षा में कंप्यूटर सिस्टम से छेड़छाड़ कर अभ्यर्थियों को अनुचित तरीके से उत्तीर्ण कराने के मामले में पुलिस ने तीन साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी विवेक शर्मा (29) निवासी ग्राम चितहारी, थाना सिहोरा, जिला शिवपुरी को 23 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया गया। 25 अगस्त की शाम करीब 4 बजे न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। मामला वारासिवनी थाना क्षेत्र स्थित सरदार पटेल विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्र का है। 18 अगस्त 2023 को केंद्र पर्यवेक्षक सोनिया साहू की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया था। जांच में कंप्यूटर सिस्टम से छेड़छाड़ कर कुछ अभ्यर्थियों को अनुचित तरीके से पास कराने का मामला सामने आया। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की। मामले में 9 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं विवेक शर्मा घटना के बाद से फरार था, जिस पर पुलिस अधीक्षक ने 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

ओडिशा के दो गांजा तस्कर से सवा 22 किलो बरामद, पुलिस ने लिया रिमांड

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चांगोटोला पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने ग्राम पाद्रीगंज स्थित ऋऋ ठाकुर ब्रदर्स ढाबा से ओडिशा के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 22.290 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 11 लाख 14 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जयकुमार नायक (34) और दुलामनी गुआल (26), दोनों निवासी ग्राम संकरी, थाना झारबंध, जिला बरगढ़, ओडिशा के रूप में हुई है। दोनों के पिट्ठू बैगों की तलाशी लेने पर अलग-अलग पॉलीथिन में गांजा मिला। पुलिस ने गांजे के अलावा मोबाइल फोन और दो पिट्ठू बैग भी जब्त किए हैं। कुल जब्त मशरूका करीब 11 लाख 20 हजार रुपये का है। मामले में अपराध क्रमांक 76/2026 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को 25 अगस्त को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया है। पुलिस आरोपियों से गांजे के स्त्रोत, सप्लाई नेटवर्क और तस्करी में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। नेटवर्क का पता लगाने के लिए आरोपियों को ओडिशा भी ले जाया जा रहा है।

विद्यालय संचालन में लापरवाही और पद के दुरुपयोग का मामला

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। शासकीय हाईस्कूल जमुनिया, विकासखंड बिरसा के माध्यमिक शिक्षक एवं प्रभारी प्राचार्य श्री अशोक कुमार उके को विद्यालय संचालन में लापरवाही बरतने, प्राचार्य पद का दुरुपयोग करने तथा विद्यालय का अध्यापन कार्य बाधित किए जाने के मामले में कलेक्टर कुमार सत्यम द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड अधिकारी बिरसा निर्धारित किया गया है। हाई स्कूल जमुनिया के प्रभारी प्राचार्य श्री उके के विरुद्ध प्राप्त शिकायत की जांच सहायक परियोजना प्रशासक, एकीकृत जनजातीय कार्य परियोजना बैहर से कराई गई थी। जांच अधिकारी द्वारा मौके पर उपस्थित होकर शिकायत से संबंधित तथ्यों की विस्तृत जांच की गई। 24 अगस्त 2026 को प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि हुई है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि प्रभारी प्राचार्य द्वारा विद्यालय की पुरानी प्रायोगिक कॉपियां, पुस्तकें एवं अन्य सामग्री को कबाड़ में विक्रय किया गया।

फर्जी हस्ताक्षर कर समूह की निकाली राशि!

टेकाड़ी में आजीविका समूह विवाद, पूर्व पदाधिकारियों पर झूठी शिकायत और फर्जी हस्ताक्षर कर सीसीएल राशि निकालने का आरोप

कटंगी(स्वतंत्र मत)

विकासखंड कटंगी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत टेकाड़ी (म.) में आजीविका मिशन के तहत संचालित अंबे आजीविका स्व-सहायता समूह का विवाद मंगलवार 25 अगस्त को थाने तक पहुंच गया। समूह की पूर्व अध्यक्ष मीरा क्षीरसागर और पूर्व सचिव सुशीला पटले द्वारा की गई एक झूठी शिकायत के बाद यह पूरा मामला गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस जांच में शिकायत पूरी तरह से निराधार और फर्जी पाई गई। जानकारी के अनुसार, समूह की पूर्व अध्यक्ष मीरा क्षीरसागर और पूर्व सचिव सुशीला पटले ने थाने में आवेदन देकर गांव के ही दो व्यक्तियों तुकाराम क्षीरसागर और आशीष सूर्यवंशी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि दोनों व्यक्ति शराब पीकर उचित मूल्य की दुकान पर आकर विवाद और उपद्रव करते हैं। साथ ही समूह की महिलाओं को भी परेशान करते हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुकाराम क्षीरसागर, आशीष सूर्यवंशी और अंबे स्व-सहायता समूह की वर्तमान पदाधिकारियों व सदस्यों को थाने बुलाया। थाने में जब दोनों पक्षों से पूछताछ और जांच की गई तो सच्चाई कुछ और ही निकली। पुलिस जांच में पाया गया कि जिन दो लोगों पर शराब पीकर उपद्रव करने का आरोप लगाया गया था, वह शराब का सेवन ही नहीं करते। उनका उचित मूल्य दुकान से कोई लेना-देना भी नहीं है। इस प्रकार पूर्व पदाधिकारियों द्वारा की गई शिकायत पूरी तरह से झूठी और बेबुनियाद पाई गई।

इस विवाद की जड़ पुरानी है-समूह की वर्तमान अध्यक्ष वर्षा चौधरी और सचिव पूजा सूर्यवंशी सहित समूह की अन्य महिला सदस्यों ने बताया कि मीरा क्षीरसागर और सुशीला पटले समूह का संचालन ठीक तरीके से नहीं कर रही थीं। हिसाब-किताब में गड़बड़ी और मनमानी को लेकर समूह की महिलाओं में लंबे समय से नाराजगी थी। इसी को लेकर करीब 2 वर्ष पूर्व गांव में समूह की एक विशेष बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के ब्लाक से अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में सर्वसम्मति से सभी महिला सदस्यों ने निर्णय लेते हुए मीरा क्षीरसागर को अध्यक्ष पद से और सुशीला पटले को सचिव पद से पृथक करने की कार्रवाई की। उनकी जगह वर्षा चौधरी को नया अध्यक्ष और पूजा सूर्यवंशी को नया सचिव चुना गया। यह पूरी प्रक्रिया विभागीय नियमानुसार और अधिकारियों की मौजूदगी में की गई थी।

पद से हटाए जाने के बाद भी विवाद थमा नहीं-समूह की वर्तमान पदाधिकारियों ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि पद से हटाए जाने के बाद भी पूर्व अध्यक्ष और सचिव ने धोखाधड़ी की। आरोप है कि पद से हटाए जाने के बाद दोनों ने वर्ष नवंबर 2025 में समूह की अन्य महिला सदस्यों की बिना जानकारी और फर्जी हस्ताक्षर कर समूह को शासन से मिलने वाली सीसीएल की 3 लाख रुपये की राशि बैंक से आहरित कर ली। जब यह बात समूह की सदस्यों को पता चली तो गांव में हड़कंप मच गया और विवाद और बड़ गया। मामला बिगड़ता देख पूर्व पदाधिकारियों ने आनन-फानन में उक्त 3 लाख रुपये की राशि वापस बैंक में जमा करवा दी। लेकिन इस घटना के बाद से दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था। वर्तमान अध्यक्ष वर्षा चौधरी और सचिव पूजा सूर्यवंशी का कहना है कि अब उन्हें और समूह को परेशान करने की नियत से यह झूठी शिकायत की गई है। आशीष सूर्यवंशी समूह की सचिव पूजा सूर्यवंशी के पति हैं, जबकि तुकाराम क्षीरसागर समूह की महिलाओं का मार्गदर्शन करते हैं और उनके सहयोगी हैं। इसलिए दोनों को निशाना बनाकर उनके खिलाफ शराब पीकर उपद्रव करने जैसी झूठी शिकायत थाने में की गई, ताकि समूह की महिलाओं पर दबाव बनाया जा सके। फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद पूरे मामले की वास्तविकता समझते हुए दोनों पक्षों को समझाइश दी और मामले को शांत करवाया।

राशन नहीं मिलने की शिकायत लेकर जनसुनवाई में पहुंचे आकाशकोट क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीण

उमरिया (स्वतंत्रमत)। आकाशकोट क्षेत्र की ग्राम पंचायत माली, कोहका एवं धवईझर सहित आसपास के आधा दर्जन गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मंगलवार 25 अगस्त को जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट पहुंचे। ग्रामीणों ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले राशन का नियमित वितरण नहीं होने की शिकायत करते हुए जिला शिकायत निवारण अधिकारी, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के नाम सामूहिक आवेदन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत माली, धवईझर व कोहका.47 की उचित मूल्य दुकान के अंतर्गत आने वाले सभी गाँव में राशन में पिछले तीन-चार माह से राशन नहीं मिला है। ग्रामीणों के अनुसार वे कई बार राशन लेने दुकान पर पहुंचे, लेकिन उन्हें निर्धारित खाद्यान्न नहीं मिला। कई बार दुकान बंद मिली और राशन के लिए जाने के बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा। ग्रामीणों ने आवेदन में कहा है कि दूसरी ओर उनके नाम पर राशन की पर्चियां निकलने और रिकॉर्ड में वितरण दर्ज होने की बात सामने आ रही है।

सडक, पुल की मांग को लेकर छात्राओ ने किया कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। उमरिया कलेक्टर कार्यालय में मंगलवर को उस दौरान हड़कंप मच गया जब स्कूली छात्र विद्यालय जाने के लिए सड़क और पुल की मांग को लेकर कलेर्क्ट कार्यालय में आकर प्रदर्शन करने लगे लिए, ग्राम बड़ागांव के शासकीय हाई स्कूल के छात्रों ने बताया की उनके विद्यालय तक पंहच मार्ग नहीं होने से उन्हें कीचड भरै रास्ते से सफर करना पड़ता हैं लिहाजा कई दिन वे स्कूल नहीं जा पाते, विद्यालय में तीन कक्षाएं एक कमरे में संचालित होती हैं छात्र पढ़ाई नहीं कर पाते लिए, छात्र कलेक्टर परिसर में ही प्रदर्शन करते हए सडक मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे जिसके बाद कलेक्टर राखी सहाय ने मौके पर आकर छात्रों से मुलाक़ात की और उनकी समस्याएँ सुनी जिसके बाद कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को ग्राम का भ्रमण कर सडक बनवाने के निर्देश दिए।

चिल्हारी बस स्टैंड पर बुजुर्ग दंपत्ति पर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला, हालत गंभीर

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मंगलवार 25 अगस्त को जिले के मानपुर जनपद अंतर्गत चिल्हारी बस स्टैंड पर एक बेहद दर्दनाक और मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है ।टपरेनुमा दुकान में मनिहारी का सामान बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले वृद्ध दंपत्ति मोहन तोमर और उनकी पत्नी जानकी तोमर पर एक बदमाश ने कथित रूप से लोहे की रॉड से बेरहमी से हमला कर दिया ।हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए ।बताया जाता है कि मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे एक व्यक्ति चिल्हारी बस स्टैंड स्थित वृद्ध दंपत्ति की दुकान पर पहुंचा ।किसी पुरानी बात को लेकर वहां कहासुनी और हुज्जत शुरू हो गई ।देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने लोहे की रॉड उठाकर वृद्ध दंपत्ति पर ताबड़तोड़ वार कर दिए ।अचानक हुए हमले से दोनों संभल भी नहीं पाए और लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े ।घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए घायल दंपत्ति को तत्काल अमरपुर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया ।प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बरही अस्पताल रेफर किया गया ।हालत अधिक नाजुक होने के कारण बरही से भी उन्हें कटनी रेफर किए जाने की खबर है ।बताया जा रहा है कि हमला करने वाला व्यक्ति चिल्हारी का ही रहने वाला है,हालांकि ऐसी क्या बात थी कि एक वृद्ध दंपत्ति पर इतनी बेरहमी और निर्दयता से लोहे की रॉड से हमला किया गया,यह फिलहाल जांच का विषय है ।घटना ने ग्रामीणों को भी झकझोर कर रख दिया है ।रोजी-रोटी के लिए छोटे से टपरे में मनिहारी का काम करने वाले बुजुर्ग दंपत्ति पर हुए इस हमले ने सुरक्षा व्यवस्था और कानून के भय पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं ।अपुष्ट सूत्रों की माने तो करीब दो वर्ष पहले किसी पुरानी रंजिश की वजह से आरोपी बदमाश ने घटना को अंजाम दिया है।

कोल ब्लॉकों से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

कोल ब्लॉकों से जुड़े कार्यों में तेजी लाने तथा शासन के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार उमरिया में कोल ब्लॉकों से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोल ब्लॉकों के संचालन, विकास कार्यों, भूमि संबंधी विषयों तथा लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी कार्यों में तेजी लाने तथा शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोयला खनन से जुड़े कार्यों में पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय हितों तथा जनसुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में सभी कोल ब्लॉकों द्वारा विद्युत आपूर्ति के लिए 132 केव्ही सब स्टेशन की आवश्यकता से अवगत कराया गया। कमिश्नर ने इस संबंध में वरिष्ठ कार्यालय से समन्वय स्थापित कर समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार कॉमन रेलवे साइडिंग से कोल निकालकर परिवहन करने में आ रही समस्याओं से भी अवगत कराया गया। कमिश्नर ने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर समस्याओं का निराकरण कराने का आश्वासन दिया। वन विभाग से संबंधित विषयों में स्टेज-1 फॉरेस्ट क्लियरेंस तथा फॉरेस्ट एनओसी के संबंध में भी जानकारी दी गई। वनमंडलाधिकारी ने आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। साथ ही जिन प्रकरणों की रिपोर्ट लंबित है, उन्हें आगामी मंगलवार तक उपलब्ध कराने की बात कही गई। बैठक में बताया गया कि रामा कोल ब्लॉक ओपन कास्ट है, जिसके अंतर्गत चार ग्राम कांचोदर, रौगढ़, आमगार एवं औढ़ेरा को विस्थापित किया जाएगा। इस संबंध में कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने निर्देश दिए कि जिन कोल ब्लॉकों को भूमि की आवश्यकता है, वे ग्रामीणों से सतत संवाद स्थापित करें तथा उन्हें पूरी प्रक्रिया से अवगत कराते हुए उनकी सहमति प्राप्त कर प्रकरण में आगे की कार्यवाही करें।

महंगाई की मार आम आदमी बेहाल कुछ तो रहम करो सरकार

शक्कर के दाम दोगुने हुए तो सब्जियों ने भी बढ़ाई चिंता

मण्डला(स्वतंत्र मत)

दिनों दिन महंगाई बढ़ते जा रही है आम इंसान की सारी कमाई घर खर्च में ही चली जाती है। अब बचत करना सपना हो गया है। अगर थोड़ी बहुत बचत कर भी लेता है तो तमाम परेशानी आने पर जमा पूंजी भी चली जाती है। सरकार की महंगाई रोकने को लेकर कोई भी रणनीति दिखाई नही दे रही है। जनता चाहती है कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण करें लेकिन ऐसा नही हो रहा है चल रहे वित्तीय वर्ष में किराना सब्जी पेट्रोल डीजल तेल दूध सहित तमाम खाने पीने की चीजों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। लोग परेशान है लेकिन कोई भी सुनवाई नही हो रही है लगातार लोग कर्ज में दिखाई दे रहे हैं। आदमी पहले ही महंगाई की मार से परेशान था अब रसोई में इस्तेमाल होने वाली रोजमर्रा की जरूरी चीजों के बढ़ते दाम ने घर का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। एक ओर शक्कर के दाम में अचानक उछाल आने से उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है तो दूसरी ओर सब्जियों के भाव भी लगातार ऊपर जा रहे हैं। प्याज जो आमतौर पर हर घर की रसोई का सबसे जरूरी हिस्सा है उसके दाम भी अब तेजी से बढ़ने लगे हैं। स्थिति यह है कि बाजार से महीनेभर का राशन और सब्जियां खरीदने निकल रहे परिवारों को पहले की तुलना में कहीं अधिक राशि खर्च करनी पड़ रही है। महंगाई का असर केवल किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है। निम्न आय वर्ग से लेकर मध्यमवर्गीय परिवार तक इसकी मार झेल रहे हैं। जिन परिवारों का मासिक बजट पहले से ही सीमित है उनके लिए रसोई का खर्च बढ़ना सबसे बड़ी परेशानी बन गया है। घर चलाने के लिए जरूरी खाद्य सामग्री की कीमतें बढ़ने से परिवारों को अब दूसरे खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। कहीं बच्चों की जरूरतों पर असर पड़ रहा है तो कहीं कपड़े शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य घरेलू खर्चों को टालकर राशन का इंतजाम करना पड़ रहा है।

शक्कर के बढ़े दाम चाय महंगी- रसोई में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली चीजों में शक्कर भी शामिल है। चाय से लेकर मिठाई और कई घरेलू व्यंजनों तक इसका इस्तेमाल होता है। ऐसे में शक्कर के दाम में हुई बढ़ोतरी का सीधा असर हर परिवार पर पड़ता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि शक्कर के दाम में अचानक बढ़ोतरी ने घरेलू बजट को प्रभावित किया है। रोजाना चाय पीने वाले परिवारों के लिए भी यह बढ़ोतरी छोटी बात नहीं है क्योंकि महीनेभर में राशन की मात्रा के साथ खर्च भी बढ़ जाता है। पहले जहां परिवार महीने का राशन एक तय बजट में खरीद लेते थे अब उसी सूची को पूरा करने में अतिरिक्त रकम खर्च हो रही है।

लगातार बढ़ रहे सब्जियों के भाव –रसोई के बजट पर सबसे तेज असर सब्जियों की कीमतों का पड़ रहा है। मौसम और आवक में बदलाव के साथ कई सब्जियों के दाम लगातार ऊपर-नीचे होते रहते हैं। लेकिन इस समय बढ़े हुए भाव ने गृहणियों की चिंता बढ़ा दी है। रोजाना सब्जी खरीदने वाले परिवार अब पहले की तरह मात्रा में खरीदारी नहीं कर पा रहे हैं। बाजार में पहुंचने वाले ग्राहक पहले जहां अपनी पसंद की दो-तीन सब्जियां आसानी से खरीद लेते थे अब उन्हें भाव पूछकर खरीदारी करनी पड़ रही है।

प्याज ने फिर बढ़ाई चिंता- रसोई में प्याज की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। सब्जी हो या दाल सलाद हो या किसी अन्य व्यंजन की तैयारी प्याज का इस्तेमाल बड़ी संख्या में परिवारों में नियमित रूप से होता है। ऐसे में प्याज के दाम में अचानक तेजी आम उपभोक्ता के लिए चिंता का विषय बन गई है। प्याज के दाम बढ़ने का असर केवल घर की रसोई तक नहीं रहता। होटल ढाबे ठेले और छोटे खाद्य कारोबारियों के खर्च पर भी इसका असर पड़ता है। यदि कच्चे माल की कीमत बढ़ती है तो कारोबारियों के सामने कीमत बढ़ाने या मुनाफा कम करने की मजबूरी होती है। इसका अप्रत्यक्ष असर भी आम उपभोक्ता की जेब पर ही पड़ता है।

महीने का बजट बना चुनौती- महंगाई की सबसे बड़ी मार उस परिवार पर पड़ती है जिसकी आमदनी सीमित और खर्च तय होते हैं। वेतन या आमदनी बढ़े बिना यदि राशन सब्जी और अन्य जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं तो परिवार के बजट का संतुलन बिगड़ना तय है। महीने की शुरुआत में तैयार किया गया बजट महीने के बीच में ही गड़बड़ा जाता है। परिवारों को अब राशन की सूची में भी कटौती करनी पड़ रही है। पहले जो सामान नियमित रूप से खरीदा जाता था उसकी मात्रा कम की जा रही है।

महंगाई बढ़ी लेकिन आमदनी नहीं- आम उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी शिकायत यही है कि महंगाई के मुकाबले आमदनी में कोई समान गति से बढ़ोतरी नहीं हो रही है। रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतें बढ़ती जा रही हैं लेकिन आम परिवार की आय सीमित है। ऐसे में हर महीने खर्च और आय के बीच अंतर बढ़ता जा रहा है। मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह स्थिति और चुनौतीपूर्ण है। उन्हें राशन के साथ बच्चों की पढ़ाई, बिजली-पानी के बिल आवागमन मोबाइल-इंटरनेट स्वास्थ्य और अन्य जरूरी खर्च भी संभालने होते हैं। यदि खाद्य सामग्री पर ही अधिक राशि खर्च हो जाए तो दूसरे खर्चों के लिए पैसा कम पड़ने लगता है।

बाजार में कीमतों की हो निगरानी

उपभोक्ताओं का कहना है कि जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में अचानक होने वाली बढ़ोतरी पर प्रशासन और संबंधित विभागों को नजर रखनी चाहिए। बाजार में थोक और खुदरा कीमतों के बीच कितना अंतर है इसकी भी निगरानी जरूरी है। ग्राहकों को वस्तुओं की वास्तविक कीमत की जानकारी मिलनी चाहिए ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से अधिक राशि न चुकानी पड़े। व्यापारियों का अपना पक्ष है। उनका कहना है कि उन्हें जिस कीमत पर माल मिलता है उसी के आधार पर खुदरा कीमत तय करनी पड़ती है।

जल गुणवत्ता पर प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्र मत)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड द्वारा सुरक्षित एवं शुद्ध पेयजल की उपलब्धता तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग के समस्त पर्यवेक्षकों के लिए एक दिवसीय जल गुणवत्ता परीक्षण एवं जल उपचार संबंधी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पर्यवेक्षकों को दूषित जल से होने वाली बीमारियों, उनके बचाव एवं नियंत्रण तथा सुरक्षित पेयजल के महत्व की जानकारी दी गई।

नर्मदेश्वर महादेव में जलाभिषेक

मण्डला/मवई (स्वतंत्र मत)। सिद्ध बाबा मुड़िया पाठ समिति के तत्वाधान में विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई। सनातनी सामाजिक समरसता यात्रा प्रतिवर्षानुसार मवई क्षेत्र से 23 गांव से हजारों की संख्या में बाबा महादेव के भक्त श्रद्धालु कांवड़ यात्रा में शामिल हुए बाबा नर्मदेश्वर महादेव को जल अभिषेक कर भंडारा प्रसादी वितरण किया गया जिसमे मवई विकासखण्ड समिति के पदाधिकारी समस्त कार्यकर्ता प्रांत सह संगठन मंत्री प्रेम भैसवार, जिला संगठन मंत्री प्रहलाद धुर्वे विभाग श्रद्धाजागरण प्रमुख रामप्रसाद उद्दे, विभाग संगठन मंत्री राजू कुड़ापे उपस्थित रहे कांवड़ यात्रा में मदनमोहन दास शरणागत आश्रम चित्रकूट के सानिध्य मे सम्पन्न हुई।

आंगनवाड़ी की सूची जारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। महिला एवं बाल विकास परियोजना नारायणगंज अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका भर्ती की अंतिम सूची का प्रकाशन एमपी ऑनलाइन के चयन पोर्टल पर आम नागरिकों के लिए कर दिया गया है। जारी सूचना के अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 0 पद तथा आंगनवाड़ी सहायिका के 1 पद के लिए ग्राम करखेटोला आंगनवाड़ी केंद्र की अंतिम सूची प्रकाशित की गई है। सूची के प्रकाशन के बाद अभ्यर्थी 7 दिवस के भीतर चयन पोर्टल पर ऑनलाइन दावा-आपत्ति दर्ज कर सकते हैं।

84 आवेदकों की सुनी समस्या

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला मुख्यालय स्थित जिला योजना भवन में मंगलवार को साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित इस जनसुनवाई में जिले के विभिन्न दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों से जुड़े कुल 84 आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्री धोटे ने एक-एक कर सभी आवेदकों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और प्राप्त आवेदनों के त्वरित व पारदर्शी समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए।

हनुमान मंदिर में कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। सावन माह अंतर्गत जगह-जगह विविध धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। इसी कड़ी में जिला जेल के पास स्थित हनुमान मंदिर में श्रीरामचरित मानस अखंड पाठ एवं रूद्राभिषेक का आयोजन किया गया। पवनसुत हनुमान मंदिर समिति जेल ग्राउंड के अध्यक्ष किशन लाल शर्मा ने बताया कि हर साल सावन के पवित्र महिने में श्रीराम चरित मानस पाठ एवं यहां भगवान शिव का रूद्राभिषेक किया जाता है। इसी कड़ी में शनिवार को श्रीरामचरित मानस का अखंड पाठ सुबह शुरू किया गया था इसी के साथ इसी दिन रूद्राभिषेक भी किया गया।

स्मृति दिवस पर लगा रक्तदान शिविर

मण्डला (स्वतंत्रमत)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के पुण्य स्मृति दिवस विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर स्थानीय ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिले के मुख्य सेवाकेंद्र बस स्टैंड के पीछे विश्व शांति भवन में किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संचालिका ब्रह्माकुमारी ममता दीदी, पड़ाव वार्ड सेंटर संचालिका ब्रह्माकुमारी ओम लता दीदी, मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय अधिकारी सुरेश परस्ते, चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. श्याम रैटेला, लैब टेक्नीशियन अनिल भोयर एवं नीलेश बड़गैया और ब्रह्माकुमार भाई बहनें साथ ही रक्तदाता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9 बजे मुरली क्लास और योग-साधना से हुआ। तत्पश्चात उपस्थित सभी भाई-बहनों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने दादी जी के तैल्यचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कॉलेज में लगे छायादार फलदार औषधीय पौधे

मण्डला(स्वतंत्र मत)

मां रेवती कॉलेज ऑफ एजुकेशन प्रांगण में 24 अगस्त को पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को समर्पित राष्ट्रीय अभियान एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सामाजिक और पर्यावरण हितैषी अभियान का मुख्य उद्देश्य अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाना और छात्रों एवं समाज में प्रकृति के प्रति अटूट प्रेम व संरक्षण की भावना जागृत करना था। यह आयोजन एचडीएफसी बैंक के सहयोग एवं सहभागिता से हुआ। महाविद्यालय के संचालक डॉ. अभिषेक चौबे के कुशल मार्गदर्शन तथा सिद्धार्थ जैन एवं शशांक डोंगरे के विशिष्ट सहयोग से यह वृक्षारोपण महाअभियान अत्यंत सफल रहा। इनके प्रेरणास्पद नेतृत्व में महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के छायादार फलदार एवं औषधीय पौधे रोपे गए। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय की प्राध्यापिका एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कविता भावसार के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान की महत्ता और पर्यावरण संतुलन में पेड़ों के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए सभी विद्यार्थियों को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी अपनी मां की तरह देखभाल करने का संकल्प दिलाया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कनिका खरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह के राष्ट्रव्यापी और पर्यावरण-हितैषी आयोजन विद्यार्थियों में नैतिक जिम्मेदारी मातृ-सम्मान और सामाजिक सरोकार की भावना को प्रगाढ़ करते हैं। उन्होंने कॉलेज के संचालक डॉ. अभिषेक चौबे, एचडीएफसी बैंक तथा सिद्धार्थ जैन एवं शशांक डोंगरे का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सहयोगात्मक आयोजन की निरंतरता की उम्मीद जताई।

पीड़ित परिवार की समस्या का समाधान

मण्डला(स्वतंत्र मत)। विकासखंड बीजाडांडी की ग्राम पंचायत बरौंधी में आदिवासी महापंचायत का आयोजन किया गया जिसमें पीड़ित परिवार की समस्या को गंभीरता से सुना गया। महापंचायत में पीड़ित परिवार के साथ-साथ सामने वाले पक्ष की बात भी पूरी निष्पक्षता से सुनी गई। सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र पुट्ठा ने बताया कि दोनों पक्षों को सुनने और उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के पश्चात महापंचायत द्वारा यह पाया गया कि वकील बृजेश यादव के विरुद्ध लगाए गए आरोप निराधार हैं। हालांकि पीड़ित परिवार की आर्थिक एवं दयनीय स्थिति को देखते हुए मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए महापंचायत की सहमति से वकील बृजेश यादव द्वारा पीड़ित परिवार को 1 लाख 50 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। साथ ही पीड़ित परिवार द्वारा विभिन्न स्थानों पर की गई शिकायतों को आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर वापस लेने के संबंध में पंचनामा तैयार किया गया जिस पर महापंचायत में उपस्थित बुद्धिजीवियों एवं गणमान्यजनों के हस्ताक्षर लिए गए। महापंचायत का उद्देश्य किसी पक्ष को दोषी ठहराना नहीं बल्कि सत्य न्याय आपसी सहमति और सामाजिक सौहार्द के माध्यम से विवाद का समाधान करना रहा।

समनापुर-परसाटोला सड़क की मांग को लेकर दो पंचायतों के ग्रामीणों का धरना

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नैनपुर के ग्राम समनापुर से परसाटोला तक सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्राम पंचायत समनापुर और देल्हा के ग्रामीणों ने समनापुर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन शुरू किया। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान सड़क की हालत इतनी खराब हो जाती है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। पूर्व में चक्काजाम कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया था, लेकिन आश्वासन के बावजूद सड़क की स्थिति में अब तक सुधार नहीं हुआ।

सोमवार दोपहर करीब 1 बजे से समनापुर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू किया। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के मौसम में समनापुर से परसाटोला मार्ग की हालत बेहद खराब हो जाती है। कीचड़ और जलभराव के कारण बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी होती है, वहीं आपात स्थिति में एम्बुलेंस तक गांव तक नहीं पहुंच पाती।

ग्रामीणों के मुताबिक, सड़क निर्माण की मांग को लेकर पूर्व में भी चक्काजाम किया गया था। उस दौरान प्रशासन की ओर से सड़क सुधार और निर्माण का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है।

धरना स्थल पर प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा की, जिसके बाद फिलहाल मार्ग पर तत्काल सुधार कार्य कराने की व्यवस्था की गई है। साथ ही अधिकारियों ने बताया कि समनापुर-परसाटोला मार्ग का प्रस्ताव आगे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत भेजा जाएगा।

वहीं ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि विधानसभा चुनाव से पहले सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया गया, तो दोनों ग्राम पंचायतों के ग्रामीण चुनाव का बहिष्कार करने का निर्णय ले सकते हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू कर उन्हें बारिश के दौरान होने वाली परेशानियों से राहत दिलाई जाए।

राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन ने सौंपा ज्ञापन

20 लाख बीमा, वेलफेयर बोर्ड और हेल्पलाइन की मांग

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नैनपुर में राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन से जुड़े सैकड़ों चालकों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोला। चालकों का आरोप है कि उनके साथ लगातार उत्पीड़न, लूटपाट और मारपीट की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं है।

इसी को लेकर आज मंडला, बालाघाट और सिवनी जिले के ड्राइवर भाइयों ने एकजुट होकर नैनपुर तहसील में कलेक्टर और एसपी के नाम तहसीलदार संगम पटले को ज्ञापन सौंपा ।

राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन का कहना है कि ड्राइवर देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, दिन-रात सड़क पर रहकर सेवा देते हैं, लेकिन जब उनके साथ कोई हादसा होता है, तो ना मोटर मालिक साथ देता है, ना शासन-प्रशासन और कई बार तो आम जनता भी गाली-गलौज और मारपीट पर उतारू हो जाती है।

संगठन ने सरकार के सामने 5 बड़ी मांगे रखी हैं । हर ड्राइवर के लाइसेंस पर कम से कम 20 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा अनिवार्य किया जाए।

– हादसे की स्थिति में ड्राइवर को कानूनी, आर्थिक और चिकित्सा सुविधा सरकार की तरफ से दी जाए।

–ड्राइवरों के हितों की रक्षा के लिए, मध्यप्रदेश में ड्राइवर आयोग और वेलफेयर बोर्ड का गठन किया जाए।

– ड्राइवरों के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन और सहायता केंद्र बनाया जाए, जहाँ उनकी शिकायत पर तुरंत स्वङ्कङ्क दर्ज हो।

किसी भी दुर्घटना के बाद निष्पक्ष जांच हो, उसके बाद ही ड्राइवर को दोषी ठहराया जाए, सीधे मारपीट या गाली-गलौज न की जाए।

संगठन ने बताया कि ये सिर्फ एक जिले की आवाज नहीं है। मध्यप्रदेश के सभी जिलों में चरणबद्ध तरीके से कलेक्टर और एसपी के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन सौंपा जा रहा है। आज मंडला जिले के नैनपुर में भी सैकड़ों चालक मौजूद रहे, साथ ही बालाघाट और सिवनी जिले से भी ड्राइवर भाई इस मुहिम में शामिल हुए। संगठन ने चेतावनी भी दी है कि अगर उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया तो प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। फिलहाल ड्राइवरों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात प्रशासन तक पहुंचा दी है। अब देखना होगा कि शासन-प्रशासन इन सारथियों की मांग पर कितनी जल्दी अमल करता है।

अधिकारियों को कलेक्टर ने सौंपी जिम्मेदारी

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने प्रशासनिक कार्य सुविधा के दृष्टिगत जिला प्रशासन के प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन में आंशिक संशोधन किया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं, जो आगामी आदेश तक प्रभावशील रहेंगे। जारी आदेश के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को विभिन्न दाण्डिक, राजस्व एवं विविध शाखाओं का प्रभार सौंपा गया है। शैलेंद्र चौधरी आईएएस 2025, एसडीएम मंडला इन्हें तहसील मंडला के दाण्डिक एवं राजस्व प्रकरणों के निपटारे के साथ-साथ कानून व्यवस्था बनाए रखने, भू-अर्जन/नजूल, निर्वाचन संबंधी कार्यों और रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। श्रीमती नदीमा शीरी, संयुक्त कलेक्टर इन्हें वित्त स्थापना, नाजरात, जनसुनवाई, समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक की जानकारी संकलन, विधानसभा प्रकोष्ठ एवं मुख्यमंत्री मुख्य सचिव मॉनिटरिंग जैसी महत्वपूर्ण शाखाओं का प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। श्रीमती सोनल सिडाम, संयुक्त कलेक्टर इन्हें स्थानीय निर्वाचन, नजूल एवं भाड़ा नियंत्रण, आपदा प्रबंधन, जनशिकायत एवं सतर्कता शाखा, डीयूडीए तथा मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कार्यालयों के पत्रों के त्वरित निराकरण हेतु नोडल अधिकारी का प्रभार दिया गया है।

कार्यालय कार्यक्रम अधिकारी विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (VB G RAMG) जनपद पंचायत मण्डला, जिला-मण्डला

क्रमांक/VB G RAMG/2026/1184 मण्डला, दिनांक 25/08/2026

निविदा सूचना

कार्यालय जनपद पंचायत मण्डला में मनरेगा योजना अंतर्गत एक वाहन मॉडल मंहिन्द्रा स्कॉर्पियो/ बोलेरो/टी.यू.वी. 300 किराये पर लगाया जाना है। इच्छुक वाहन प्रदाता जनपद पंचायत मण्डला मे वाहन किराये पर देने हेतु एक सीलबंद निविदा सादे कागज पर अपनी दर (प्रतिदिन/मासिक) दिनांक 31.08.2026 दिन सोमवार को समय 2:00 बजे अपरान्ह तक कार्यालय में कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं। वाहन टेक्सी परमिट का होना आवश्यक है। वाहन किराया पर देने हेतु निविदा शर्तें कार्यालयीन सूचना पटल पर देखी जा सकती है। निविदा तिथि को बदलने तथा कोई भी निविदा अस्वीकृत किये जाने के संबंध में बिना कारण बताये अमान्य करने का अधिकार जनपद पंचायत मण्डला के पास सुरक्षित रहेगा।

(कार्यक्रम अधिकारी)
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत मण्डला

संपादकीय

संवाद का 'अग्निपथ'

एक व्यापक वोट बैंक के छिटकने की संभावनाओं को कम करने अब केंद्रीय मंत्री देश के विश्वविद्यालयों में जाएंगे, पूरा दिन खर्च करेंगे, जेन-जी के चेहरों से संवाद करेंगे, उनकी तकलीफें, समस्याएं, खामियां जानने की कोशिश करेंगे, अपनी सरकार की नीतियां, योजनाएं भी साझा करेंगे। क्या ऐसे प्रयास, प्रत्येक सरकार के स्तर पर, निरंतर और सिलसिलेवार नहीं किए जाने चाहिए? यह योजना भी प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर शुरू की जा रही है। प्रधानमंत्री ने देश में जेन-जी के आक्रोश, गुस्से और आंदोलनों को भांप, समझ लिया है, लिहाजा मंत्रियों की यूनिवर्सिटीज में प्रवास की नौबत आई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने ऐसे भी निर्देश मंत्रियों को दिए हैं कि वे लगातार फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, एक्स, लिंक्डइन आदि सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहें और युवाओं से संवाद करते रहें। लोकतंत्र में ऐसे जनसंपर्क, जनसंवाद जरूरी भी हैं, लेकिन वे नियमित होने चाहिए। अब जब जेन-जी के साथ-साथ जेन-अल्फा भी देश के विभिन्न हिस्सों में आंदोलित हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी को संवाद का यह 'अग्निपथ' सूझा है। हालांकि, इसे लोकतांत्रिक सरकार का गलत निर्णय नहीं माना जाना चाहिए, लेकिन मंत्रियों का फोकस सोशल मीडिया और जेन-जी पर ही टिका रहेगा, तो मंत्रालयों पर ध्यान कौन देगा? मंत्रालयों के अपरिहार्य, नीतिगत निर्णयों को कौन क्रियान्वित करेगा? मंत्री की प्राथमिक और संवैधानिक जवाबदेही तो मंत्रालय के प्रति होनी चाहिए। उसी के आधार पर वह जनता के प्रति जवाबदेह साबित हो सकता है। मंत्रियों को चुनावों के मद्देनजर वोट बैंक को बचाने की कवायद में जुटना पड़ेगा, तो जाहिर है कि मंत्रालय और सरकार के बुनियादी काम प्रभावित होंगे। जेन-जी वह पीढ़ी है, जिसका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। इसकी आबादी करीब 37-40 करोड़ मानी जाती है। यह देश में कोई भी परिवर्तन करने में सक्षम है, क्योंकि इनमें से अधिकांश 2029 के लोकसभा चुनाव में मतदाता होंगे। बहरहाल देश में फिलहाल 57 केंद्रीय विश्वविद्यालय और 522 राज्य विश्वविद्यालय हैं। उनके अलावा, 420-450 निजी तथा करीब 125 डीम्ड यूनिवर्सिटी हैं। केंद्रीय मंत्री करीब 1300 विश्वविद्यालयों में जाएंगे और जेन-जी से संवाद कर उन्हें शांत और संतुष्ट करने की कोशिश करेंगे। अहम बात यह है कि यदि प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षीय कालखंड में भी शिक्षा-व्यवस्था और खासकर स्कूलों की दुरावस्था पर गंभीर ध्यान दिया जाता, तो मंत्रियों को भी 'कंटेंट क्रिएटर' बनने की हास्यास्पद नौबत नहीं आती। शिक्षा की संपूर्ण व्यवस्था और बुनियादी ढांचा ही जर्जर है। बुनियादी शिक्षा ऐसी है कि कक्षा-3 के 75 फीसदी बच्चे, कक्षा-5 के 50 फीसदी और कक्षा-8 के 25 फीसदी छात्र कक्षा-2 की पुस्तक पढ़ने में असमर्थ पाए गए। यह 'प्रथम' एनजीओ की 2014-15 की सालाना रपट का निष्कर्ष है। भारतीय स्कूलों की गुणवत्ता का अध्ययन किया गया, तो 110 देशों में भारत का स्थान नीचे से दूसरा था। यह घोर निराशाजनक और भयानक आंकड़ा है। राजधानी दिल्ली में एक अध्ययन कराया गया था, जिसमें करीब 54 फीसदी बच्चे ही कुछ वाक्य पढ़ने में समर्थ रहे। चिंतनीय तथ्य यह है कि शिक्षा पर जीडीपी का 4.5 फीसदी बजट दिया गया था, जिसे घटा कर 2.6 फीसदी कर दिया गया है। सरसंघचालक मोहन भागवत भी कहते रहे हैं कि यह बजट कमोबेश 6 फीसदी होना चाहिए। नीति आयोग की रपटों में ही यह तथ्य सामने आया है कि देश के हजारों स्कूलों में बच्चों के लिए पेयजल, शौचालय की बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। अध्यापकों को घोर अभाव और संकट है, लिहाजा देश भर में आंदोलन किए जा रहे हैं। हमारी शिक्षा-प्रणाली सिर्फ रटने की विद्या सिखाती है, नतीजतन करीब 80 फीसदी स्नातकों को एक अच्छी नौकरी नहीं मिल पाती। बेरोजगारी बढ़ने का बुनियादी कारण यह भी है कि स्नातक स्तर के युवा 'कौशलहीन' हैं।

वी-डेम एकेडमिक फ्रीडम इंडेक्स

लोकतंत्र में शैक्षणिक आजादी की अहमियत

अविजित पाठक
(लेखक समाजशास्त्री हैं)

जब मैंने हालिया वी-डेम एकेडमिक फ्रीडम इंडेक्स (शैक्षणिक स्वतंत्रता सूचकांक) को देखा, तो मुझे झटका तो लगा, लेकिन कोई ज्यादा हैरानी भी नहीं हुई। झटका इसलिए लगा कि शैक्षणिक स्वतंत्रता के मामले में 179 देशों में भारत का स्थान निचले 10-20 प्रतिशत देशों में है। मेरा दुख और बेचैनी इसलिए और बढ़ गई कि 1990 के बाद से भारत की स्थिति अब तक की सबसे खराब है, यहां तक कि 1975-1977 के आपातकाल के दौर से भी नीचे है।

तथापि, दो कारणों से मुझे हैरानी नहीं होती। पहला, मुझे लगता है कि हमारे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक स्वतंत्रता की भावना की उम्मीद करना बहुत भोलापन होगा, खासकर ऐसे समय में जब राजनीतिक-सांस्कृतिक व्यवस्था, अपनी कथित दकियानूसी और संभावित रूप से तानाशाही वाली प्रकृति के कारण, स्वतंत्र सोच के प्रकाश से असहज बनी हुई हो। दरअसल, ताकत का विरोधाभास यही है- आप जितने अधिक शक्तिशाली होते हैं, उतने ही अधिक डरपोक भी होते जाते हैं। यह असहमति का डर है; यह एक वैकल्पिक नज़रिए का डर है; और यह आलोचनात्मक सोच का डर है जो शक्तिशाली सत्ताधारी शासन, या उसके सर्वोच्च नेता की सावधानीपूर्वक बनाई गई भव्य छवि को बिगाड़ सकती है।

यह भय संक्रामक है। जहां एक ओर यह उस होनहार प्रोफेसर से डरता है जो अपनी पढ़ाई और लेखन के ज़रिए पितृसत्तात्मक समाज, महिलाओं के प्रति नफ़रत और अति-पुरुषवादी धार्मिक राष्ट्रवाद पर सवाल उठाता है, वहीं दूसरी ओर यह 19 साल के कॉलेज छात्र को भी नहीं बख्शता, मसलन, जो राजसत्ता द्वारा फैलाई धारणा से परे हटकर उमर खालिद की प्रतिभा को समझना चाहता है, या स्टेन स्वामी और प्रो. जी.एन. साईबाबा जैसे लोगों के संघर्षों और उपलब्धियों के बारे में जानना चाहता है। वहीं इस डर की तीव्रता की कल्पना कीजिए- जिस तरह हमारे राजनीतिक तौर पर नियुक्त कुछ कुलपति सत्ताधारी शासन को खुश करने का कोई मौका नहीं छोड़ते, और इस तरह विश्वविद्यालय के उस मूल विचार को ही कमज़ोर कर देते हैं जो कई ज्ञान-परंपराओं के मिलन का केंद्र होता है।

तो क्या हैरानी कि बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में,एक अन्य प्रमुख केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति ने कुछ जाने-माने समाज-वैज्ञानिकों का उपहास करने में कोई हिचकिचाहट महसूस नहीं की, क्योंकि उन्होंने बताए जा रहे तथ्यों के क्रम को उलट-पलट दिया था? शायद, भारतीय ज्ञान प्रणाली की श्रेष्ठता में उनके अटूट विश्वास ने ही उन्हें आधुनिक नारीवादियों के समूह को सुधारने के लिए प्रेरित किया! संदेश साफ़ है। भारतीय ज्ञान प्रणाली के नाम पर होने वाली हर चीज़ का महिमामंडन करें, और आलोचनात्मक सोच की भावना को कार्ल मार्क्स, ज्यां-पॉल सार्त्र और मिशेल फूको जैसे लोगों से उधार लिया गया महज़ एक पश्चिमी विचार बताकर कमतर आंकें!

दूसरी बात, यह अहसास होना भी उतना ही ज़रूरी है कि वे चतुर शिक्षाविद् जो अक्सर मूल्य-तटस्थता के नाम पर अपनी ज़िम्मेदारियों से बचते हैं और चुप रहना पसंद करते हैं, वे भी कम ज़िम्मेदार नहीं हैं। वे भी अकादमिक स्वतंत्रता की भावना को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्हें कब समझ आएगा कि तटस्थता की यह बात महज़ एक भ्रम है? भ्रामक प्रचार मशीनरी के इस दौर में, हम अज्ञानता को हथियार बनते देख रहे हैं। हम ज़बरदस्ती वाले राष्ट्रवाद का बदसूरत रूप देख रहे हैं; सार्वजनिक जीवन में शालीनता और बातचीत की संस्कृति का लगातार पतन होता हम अनुभव कर रहे हैं। ऐसे हालात में कोई तटस्थ कैसे रह सकता है? असल में, यह तथाकथित तटस्थता अनिवार्य रूप से यथास्थिति को मंज़ूरी देने जैसी है। अगर आप तटस्थ और चुप रहते हैं, जबकि आपके साथी अपने किसी लेक्चर और लेखन की वजह से परेशान, अपमानित और निलंबित किए जाते हैं, तो आप न सिर्फ़ एक शिक्षाविद् के तौर पर नाकाम हो जाते हैं, बल्कि एक नागरिक के तौर पर भी विफल हो रहे होते हैं; और आखिरकार, आप उन्हीं ताक़तों को मज़बूत करते हैं जिन्हें स्वतंत्र जांच-पड़ताल की भावना से नफ़रत है। यह अच्छा होगा अगर भौतिकी और रसायन शास्त्र के प्रोफ़ेसर भी अपनी मूल्य-तटस्थ और सुरक्षित लैब से बाहर निकलें और यह समझें कि अकादमिक स्वतंत्रता के बिना विज्ञान भी तरक्की नहीं कर सकता।

इसे स्वीकार करना होगा। अकादमिक आज़ादी खत्म होने से पूरे देश के सांस्कृतिक ताने-बाने को भारी नुकसान होगा। अगर हम बहस करने, संवाद और आज़ाद सोच-विचार की संस्कृति खोते रहे, तो हमारा लोकतंत्र एक तरह से सिर्फ़ चुनावों के ज़रिए चलने वाली तानाशाही बनकर रह सकता है। लोकतंत्र का भविष्य लोगों की सोचने और संसद में भेजे गए नेताओं से सवाल पूछने की क्षमता पर निर्भर करता है।

और यह तभी हो सकता है जब हमारे स्कूल और विश्वविद्यालय ऐसे नागरिक तैयार करें जो बौद्धिक रूप से जागरूक हों और संवाद में यकीन रखते हों। असल में, अब यह समझने का समय आ गया है कि विचार शक्ति विहीन व्यक्ति और एक जागरूक नागरिक के बीच बड़ा फ़र्क होता है। वह जो आत्म-मुग्धता या सत्ता के अहंकार पर सवाल उठाने वाला और ज़िम्मेदार पदों पर बैठे लोगों से विनम्रता, जवाबदेही और दूसरों की बात को सहानुभूति से सुनने की मांग करे। अगर हमारे शिक्षण संस्थान सिर्फ़ मशीनी, डरे हुए या आज्ञाकारी नागरिक तैयार करेंगे, तो लोकतंत्र फल-फूल नहीं पाएगा।

चहुं ओर फैली गिरावट के बीच निराशावाद के जाल में फंसना आसान है। फिर भी, मुझे यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि मैं अब भी हमारे छात्रों में अपार संभावनाएं देखता हूं। समझौतावादी कुलपतियों के उलट, हमारे कुछ छात्र आवाज़ उठाते हैं और टीआईएसएस (टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज) व जेएनयू (जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी) जैसे प्रमुख शिक्षण संस्थानों पर हो रहे हमलों का विरोध कर रहे हैं। या फिर एनएएलएसएआर (हैदराबाद की नेशनल एकेडमी ऑफ़ लीगल स्टडीज़ एंड रिसर्च) के उन छात्रों के बारे में सोचिए जिन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि वे भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाने के फैसले पर पुनर्विचार करें।

विरोध के इस सांकेतिक कदम से हम देख सकते हैं कि ये युवा उन सभी बातों को मानने को तैयार नहीं हैं जिन्हें सत्ताधारी व्यवस्था सही ठहराना चाहती है-और कभी-कभी तो देश के सर्वोच्च न्यायालय के ज़रिए भी। शायद, युवा छात्रों की अंतरात्मा की आवाज़ को दबाना हमेशा आसान नहीं होता।

मानवीय मूल्यों को जीवंत करता 'टाइम बैंक'

डॉ. रेणु सैनी

आपने अनेक बैंकों के नाम सुने होंगे। क्या आपने 'टाइम बैंक' का नाम सुना है? वर्तमान समय में इसका महत्व बढ़ गया है। यह साधारण बैंकों से बिल्कुल अलग है। साधारण बैंकों में जहां रुपये से लेन-देन किया जाता है, वहीं 'टाइम बैंक' का लेन-देन 'समय' के अनुरूप होता है। इसमें समय का हिसाब-किताब किया जाता है। समय 'डेबिट और क्रेडिट' होता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें रुपयों का विनिमय बिल्कुल नहीं होता। यहां सब बराबर हैं। यहां पर लोगों के अमीर और गरीब की पहचान उनके समय के क्रेडिट के अनुसार जांची जाती है।

इस बैंक की स्थापना डॉ. एडगर कान द्वारा की गई थी। वर्ष 1980 में उन्हें गंभीर हार्ट अटैक आया। इस दौरान वे अस्पताल के बिस्तर पर लाचारावस्था में पड़े हुए थे। तब उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि यदि कोई व्यक्ति बीमार, बुजुर्ग या अक्षम हो जाता है, तो उसे बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अर्थव्यवस्था और समाज ऐसे व्यक्तियों को 'व्यर्थ' मान लेता है। इसलिए उन पर ध्यान नहीं दिया जाता, फलस्वरूप समाज में वृद्ध व बीमार लोगों की देखभाल पर लोग समय नहीं खर्च करते। इस सोच ने उन्हें झकझोर दिया।

वे स्वयं से बोले, 'भले ही बुजुर्ग, अशक्त या बीमार व्यक्ति आर्थिक रूप से काम न कर रहा हो, लेकिन उसके पास दूसरों को देने के लिए अपना कीमती अनुभव, समय और आत्मीयता तो उपलब्ध है।' एक मानवाधिकार वकील होने के कारण उन्होंने इस बात को भी महसूस किया कि सरकारी योजनाएं निर्धन और बुजुर्गों को केवल लाभार्थी मानकर दान देती हैं। इससे उनका आत्मसम्मान खत्म हो जाता है। इसलिए उन्होंने एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण करने का निर्णय लिया जहां पर सब बराबर हों। काफी विचार-विमर्श कर उन्होंने 1980 के दशक में 'टाइम बैंकिंग' नामक संस्था की नींव रखी। डॉ. एडगर

कान का कहना था कि, 'पैसा कभी भी इंसान के असली मूल्य को नहीं माप सकता। टाइम बैंक का सिद्धांत यही है कि हर इंसान का एक घंटा बराबर है-यह समाज में हर व्यक्ति को यह अहसास कराता है कि उसकी और उसके समय की कीमत है।' आज के व्यस्त समय में तो 'टाइम बैंक' की महत्ता बहुत बढ़ गई है। आज लोगों को सुनने वालों की ही तलाश है। कोई किसी को सुनना नहीं चाहता, बस सब बोलना ही चाहते हैं। सब अपनी परेशानियां और बातें बताने को आतुर हैं। कई देशों ने भी 'टाइम बैंक' के महत्व को समझा और इसे स्थापित किया। 'स्विट्ज़रलैंड' का 'ओल्ड एज टाइम बैंक' मॉडल टाइम बैंक की एक व्यावहारिक व्यवस्था को बताता है। यहां पर युवा अपने खाली समय में अकेले रहने वाले बुजुर्गों की देखभाल करते हैं। वे उनके लिए खरीदारी करते हैं, उन्हें टहलाने ले जाते हैं और उनसे घंटों गपशप करते हैं। जितने घंटे की वे सेवा देते हैं, उतने ही घंटे व टाइम उनके 'सोशल टाइम बैंक खाते' में जमा हो जाता है। जब वे खुद वृद्ध होते हैं तो वे उसी जमा समय का उपयोग अपनी देखभाल के लिए कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें कुछ नहीं खर्च करना पड़ेगा। जापान में भी 1990 के दशक में इस टाइम बैंक की शुरुआत हुई थी। वहां पर इस तरह की व्यवस्था को 'फुरुआई किप्पु' नाम से जाना जाता है। यहां अगर कोई व्यक्ति किसी बुजुर्ग या बीमार व्यक्ति की देखभाल में 1 घंटा बिताता है, तो उसे 1 'फुरुआई किप्पु' यानी कि 'टाइम क्रेडिट' मिलता है। लोग इन क्रेडिट्स को जमा करते हैं और भविष्य में जब उनके माता-पिता अथवा वे वृद्ध हो जाते हैं, तो वे इन क्रेडिट्स के बदले निःशुल्क सेवाएं प्राप्त करते हैं। ब्रिटेन का 'फेयर शेयर टाइम बैंक' मानसिक रूप से तनावग्रस्त, अकेले अथवा बुजुर्ग व्यक्तियों को समाज से जोड़ता है। यहां लोग अपने खाली समय में दूसरों की मदद करते हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपनी जरूरतों के लिए दूसरों का समय लेते हैं।

मध्य प्रदेश सरकार के 'आनंद विभाग' ने अगस्त, 2019 में देश के पहले आधिकारिक 'टाइम बैंक' की स्थापना करने का निर्णय लिया और इसे लागू करने की प्रक्रिया आरंभ की। आज तो अनेक गैर-सरकारी संस्थाएं भी इस दिशा में ठोस कदम उठा रही हैं। 'टाइम बैंक' की अवधारणा लोगों के अंदर प्रेम, करुणा, सहयोग की भावनाओं को विकसित करती है। इसके माध्यम से लोगों के अंदर मानवीयता एवं भाईचारे की भावना भी बलवती हो रही है। 'टाइम बैंक' लोगों के अंदर से डिप्रेशन एवं समस्याओं को दूर करने में भी निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ का मानना है कि, 'जब समाज पैसों के बजाय आपसी सहयोग और समय के लेन-देन पर भरोसा करने लगता है, तो वहां अकेलेपन और असमानता की दीवारें अपने आप ढहने लगती हैं।'

मानसूनी मोहब्बत की दुकान और राष्ट्रवाद

बारिश की बात करो तो जी सच्ची, एक बड़ा ही रोमांटिक सा दृश्य उभरकर सामने आने लगता है। एक जमाना था साहब, जब बरसात के नाम पर ही न जाने कितनी फिल्में बनी होंगी, पर इतना तो तय ही है कि उस जमाने में ऐसी कोई फिल्म नहीं बनती थी जिसमें बारिश का गाना न हो, जिसमें हीरोइन के भीगे कपड़े और भीगा बदन न हो। तब फिल्मों के लिए राष्ट्रवाद की इतनी जरूरत नहीं पड़ती थी, बस रोमांस से काम चल जाता था। इसे आप राष्ट्रवाद बनाम मोहब्बत की दुकान का मसला मत समझिएगा। खैर जी, उस जमाने में फिल्मी गीतकारों ने बारिश और मोहब्बत को लेकर न जाने कितने गीत लिखे होंगे। अगर पुराने मुहावरे का इस्तेमाल करें तो बारिश और रोमांस का चोली-दामन का साथ होता था। लेकिन बारिश जनाब सिर्फ फिल्म फ्रेंडली ही नहीं होती थी, वह किसान फ्रेंडली भी होती थी। उससे झूलों वाले लोकगीत बनते थे, उससे तीज-त्योहारों की लोक संस्कृति बनती थी। लेकिन इधर बारिश बड़ी ही अनरोमांटिक हो गई है। किसान-विरोधी और अर्थव्यवस्था-विरोधी हो गई है। बारिश ऐसे व्यवहार कर रही है जैसे वह कोई विपक्षी पार्टी हो। नहीं क्या जनाब? अब राजकपूर-नरगिस का सदाबहार 'प्यार हुआ, इकरार हुआ' वाला गाना देखते हुए क्या आप यह सोच सकते हैं कि मुंबई की बारिश रोमांस कम जगाती है, खौफ ज्यादा पैदा करती है? पता नहीं शहर कब डूब जाए। शहर रोमांटिक होने की बजाय पानी-पानी हो जाता है। दिल्ली-गुरुग्राम-फरीदाबाद भी अब कम से कम इस मामले में तो मुंबई से पीछे नहीं रहना चाहते। बल्कि कोई भी शहर पीछे नहीं रहना चाहता, फिर चाहे श्रीनगर हो या चेन्नई। ऐसा लगता है जैसे देश का हर शहर वेनिस बनने की राह पर है। अब हमारे नेताओं को काशी को क्योटो टाइप घोषित करने की बजाय हर शहर को वेनिस बनाने का वादा करना चाहिए-कम से कम बारिश के मौसम में महीने-पंद्रह दिन के लिए तो अवश्य ही। बारिश में सड़कों पर तफरीह करने का मन करे तो गड्ढे हो जाते हैं। लोग तो यहां तक कहते हैं कि हजारों करोड़ के नए-नवेले हाईवे तक धंस जाते हैं और टनल-वनल टपकने लगती है। अब हर अंडरपास पानी से उसी तरह भरने लगा है जैसे किसी जमाने में दिल्ली का मिंटो ब्रिज भरा करता था। हाईवे टूटने पर पैचवर्क करो, थिगली-विगली लगाओ तो बारिश फिर गड़बड़ कर देती है और ठेकेदारों को पंखों से सड़क सुखानी पड़ती है। ऐसे में गर्मी से जूझते लोगों को इन सड़कों से रश्क हो सकता है कि देखो, हमें तो पसीना सुखाने और मच्छर उड़ाने के लिए भी बिजली नहीं मिल रही और उधर देखो पंखों से सड़कें सुखाई जा रही हैं। नहीं?

हर मौसम में निर्बाध भरोसेमंद सड़कों की जरूरत

वीरेन्द्र कुमार

उत्तराखंड में वर्षों पहले जिस सड़क परियोजना की चर्चा 'ऑल वेदर रोड' के नाम से शुरू हुई थी, वह अब 'चारधाम मार्ग' के नाम से अधिक जानी जाती है। लेकिन सवाल नाम का नहीं, उसके उद्देश्य और परिणाम का है। यदि यह सचमुच ऑल वेदर रोड है, तो बार-बार, बीसियों स्थानों पर मौसम की मार से अवरुद्ध होना इसके दावे पर सवाल खड़ा करता है। मूल सवाल है- क्या सड़क केवल चौड़ी और नई बनी है, या वास्तव में हर मौसम में भरोसेमंद आवागमन के योग्य भी हुई है?

चारधाम तक ही क्यों? जब सड़कों का निर्माण जनता से वसूले गए करों और रोड टैक्स जैसे साधनों से होता है, तो हर सड़क का हर मौसम में उपयोगी व भरोसेमंद होना जनता का अधिकार है; सड़कें किसी सरकार की भीख नहीं। गांवों में ऑल वेदर मार्ग किसानों की आय बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि इससे आलू, सेब जैसे उत्पाद समय पर बाजार पहुंचेंगे व खराब होने की आशंका घटेगी। गांवों की सड़कों को ऑल वेदर बनाने का लक्ष्य कई पंचवर्षीय योजनाओं की प्राथमिकताओं में पहले से रहा है।

सैन्य सुरक्षा की दृष्टि से भी ऑल वेदर रोड की आवश्यकता है और उत्तराखंड में यह प्रमुख प्राथमिकताओं में हो। धार्मिक चारधाम यात्रा के नाम पर भले ही इसे चारधाम मार्ग कहा गया हो, पर चारधाम यात्रा वर्ष में करीब छह माह, कपाट खुले रहने की अवधि में ही होती है व इसके लिए फोर-लेन सड़कें अनिवार्य नहीं। किसी भी मौसम में सड़कों पर सुरक्षित और सुगम आवागमन केवल सड़क की गुणवत्ता पर नहीं, बल्कि नागरिकों और कर्मचारियों के आचरण व कार्य-संस्कृति पर भी निर्भर करता है। बिजली, पानी, सीवर या टेलीफोन लाइनों के लिए बार-बार नई सड़कों को खोदना, उन पर रेत-बजरी बिखेरना अथवा निर्माण सामग्री डम्प करना आम है। इससे वाहन फिसलने जैसी दुर्घटनाएं होती हैं। यदि हम स्वयं सड़कों पर ऐसी सामग्री बिखेरें, जो बरसात में फिसलन या आंधी में धूल-गुबार का कारण बने, तो ऑल वेदर रोड का लाभ कितना मिल पाएगा? ओस या बर्फ जमने पर सड़क सुरक्षित रहने के बावजूद पैदल चलना भी कठिन हो जाता है। पहाड़ों में हर साल आपदाओं से टूटने वाले पुल-पुलिये समय पर ठीक नहीं हो पाते। जर्जर ट्रॉलियों और पेड़ों के तनों के सहारे नदी-नाले पार करना आज भी जोखिम भरा है; बच्चों सहित ग्रामीणों के घायल होने की घटनाएं सामने आती रही हैं। हजारों करोड़ रुपये की चारधाम ऑल वेदर रोड का लाभ भी तभी मिलेगा, जब मरीज, किसान और आम नागरिक अपनी सड़क, पगडंडी और पुल के जरिए उसके मुहाने तक पहुंच सकें। टिहरी बांध के जलाशय बनने के बाद प्रतापनगर, केदार त्रासदी से प्रभावित क्षेत्रों, यमकेश्वर-ढांगू, गुप्तकाशी और कुमाऊं के अनेक

गांवों में यह समस्या आज भी बनी हुई है। बरसात में बच्चों का स्कूल पहुंचना और मरीजों अथवा प्रसव के निकट महिलाओं को मोटर मार्ग तक लाना तक कठिन हो जाता है। कई सम्पर्क मार्ग ठीक होने के बावजूद वाहन-विहीन रहते हैं। सवाल इसलिए केवल ऑल वेदर रोड का नहीं, बल्कि गांवों को स्कूल, अस्पताल और मुख्य मार्गों से हर मौसम में जोड़ने वाले भरोसेमंद सम्पर्क तंत्र का है।

सवाल है कि ऑल वेदर रोड से पहले गांवों में ऑल वेदर स्कूलों, अस्पतालों और मुख्य मार्गों तक पहुंच सरकारों की प्राथमिकता क्यों नहीं है? असल में जरूरत केवल ऑल वेदर रोड की नहीं, बल्कि हर मौसम में उपयोगी और सुरक्षित सम्पूर्ण सड़क-सम्पर्क तंत्र की है। सड़क पर पर्याप्त रोशनी पर भी खास ध्यान नहीं। राहगीर चाहता है कि उसकी सड़क, पगडंडी या पुल किसी भी मौसम में बाधित न हो। फ्लाईओवर और पुलों की सुरक्षा का रिकॉर्ड भी चिंता से परे नहीं; पुलों के गिरने, भ्रष्टाचार और अवैध खनन से उनके स्तंभों व सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के मामले इस चिंता को और गंभीर बनाते हैं। ऑल वेदर रोड का सड़क की चौड़ाई से सीधा संबंध नहीं है। संकरी पगडंडी भी ऑल वेदर हो सकती है, यदि वह हर मौसम में सुरक्षित और आवागमन योग्य रहे। हां, चौड़ी सड़क पर मलबा गिरने की स्थिति में उसके किसी हिस्से से बचकर निकलना बनिस्बत आसान होता है। पहले, खासकर फौजी वाहनों में, छोटा-मोटा मलबा हटाने को बेलचा-कुदाल तक रखे जाते थे; अब स्थिति यह कि खड़े या चलते वाहनों पर सीधे मलबा गिरने से दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क कटान के नीचे के पेड़ों की कटाई भी जोखिमों को बढ़ा रही है। सम्पर्क मार्गों की स्थिति भी महत्वपूर्ण है। जैसे मुख्य नदी के लिए सहायक नदी महत्वपूर्ण है, वैसे ही सड़कों के लिए सम्पर्क मार्ग अहम हैं। सभी सड़कों के जलागम क्षेत्रों में भू-क्षरण व भूस्खलनों को रोकने के लिए जलागम प्रबंधन का काम होना चाहिए। सड़कों की ज्योमेट्री और तात्कालिक डम्पिंग ग्राउंड के महत्व को भी रेखांकित किया जाना जरूरी है। अन्यथा सड़क खोलने की जल्दी में सारा मलबा और बड़े-बड़े पत्थर भी नीचे लुढ़का दिए जाते हैं। यह भी कार्य-संस्कृति से जुड़ा सवाल है। सड़कों के बड़े प्रोजेक्ट्स से सामुदायिक प्राकृतिक संसाधनों, जैसे जलस्रोत, चारा, लकड़ी और लघु वन उत्पादों के संग्रहण के पारम्परिक क्षेत्रों पर असर पड़ सकता है। बड़े पैमाने पर भूगर्भीय कमजोरियों के कारण जीवन और आजीविका की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है। न भूलें कि पहाड़ों में, और पूरे विश्व में भी, बड़ी-बड़ी परियोजनाओं वालों ने, चाहे वे खनन की हों या विद्युत उत्पादन की, अपने मतलब के लिए, अपनी मशीनों की ढुलाई और कई-कई पहियों वाले भारी वाहनों की आवाजाही के लिए सड़कें बनाई हैं। बेशक अहसान स्थानीय लोगों पर ही जताया जाए।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
बुधवार 26 अगस्त 2026

म्यांमार में रोहिंग्या पर अराकान आर्मी का अत्याचार जारी: संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र।

म्यांमार के रखाइन प्रांत में रोहिंग्या समुदाय के खिलाफकथित मानवाधिकार उल्लंघनों का सिलसिला जारी है। संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्ट में अराकान आर्मी और म्यांमार की सेना पर रोहिंग्या लोगों के साथ गंभीर ज्यादतियों के आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी रखाइन में रोहिंग्या समुदाय को जबरन भर्ती, जबरन श्रम, मनमानी गिरफ्तारी, यातना, यौन हिंसा और संपत्ति पर कब्जे जैसी गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बिगड़ते हालात के कारण बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की तलाश में बांग्लादेश की ओर जा रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी रखाइन के उन इलाकों में जहां अराकान आर्मी का नियंत्रण है, रोहिंग्या लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। उनकी आजीविका के साधनों और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी प्रभावित हुई है। रिपोर्ट में जबरन कर वसूली और श्रम कराने के आरोप भी दर्ज किए गए हैं। कई मामलों में लोगों को अपने घर तोड़ने और विस्थापितों के शिविरों, गैर-रोहिंग्या समुदायों के गांवों तथा अराकान आर्मी से जुड़े निर्माण कार्यों में श्रम करने के लिए मजबूर किए जाने की बात सामने आई है।

2,000 एकड़ जमीन पर कब्जे का आरोप

रिपोर्ट में कहा गया है कि रोहिंग्या लोगों को उनके मूल स्थानों पर लौटने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उनकी जमीन पर अन्य समुदायों को बसाए जाने के भी आरोप हैं। उपलब्ध सूचनाओं के विश्लेषण के अनुसार, उत्तरी रखाइन में करीब 2,000 एकड़ रोहिंग्या भूमि पर कथित रूप से कब्जा किया गया है। इससे विस्थापित लोगों के लिए अपने मूल घरों और जमीन पर वापस लौटने की संभावना और कठिन हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, जनवरी 2026 में उत्तरी रखाइन में रोहिंग्या लोगों से जबरन श्रम कराने के 2,353 मामले दर्ज किए गए। इनमें 75 मामलों में बच्चे शामिल थे। रिपोर्ट में कुछ ऐसे मामलों का भी उल्लेख है, जिनमें छह साल तक की उम्र के बच्चों से श्रम कराने की जानकारी मिली है। जबरन श्रम के कारण बच्चों की शिक्षा और सामान्य जीवन भी प्रभावित होने की आशंका जताई गई है।

महिलाओं और बच्चों की जबरन भर्ती के आरोप

अराकान आर्मी पर रोहिंग्या पुरुषों के साथ महिलाओं और बच्चों की भी जबरन भर्ती करने के आरोप हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जबरन भर्ती की प्रक्रिया के दौरान महिलाओं और लड़कियों को कथित तौर पर यौन हिंसा का सामना करना पड़ा। इसके अलावा कई रोहिंग्या लोगों को हिरासत में लेकर यातना देने और कुछ मामलों में हिरासत के दौरान मौत होने की जानकारी भी रिपोर्ट में दी गई है।

लगातार हिंसा, जबरन भर्ती और आजीविका पर प्रतिबंध के चलते रोहिंग्या समुदाय का पलायन बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2026 के अंत तक बांग्लादेश में 1,49,769 नए रोहिंग्या दर्ज किए गए थे। यह संख्या क्षेत्र में जारी मानवीय संकट की गंभीरता को दर्शाती है। बांग्लादेश पहले से ही बड़ी संख्या में विस्थापित रोहिंग्या आबादी की मेजबानी कर रहा है।

म्यांमार की सेना पर भी गंभीर आरोप

रिपोर्ट में केवल अराकान आर्मी ही नहीं, बल्कि म्यांमार की सेना पर भी रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ गंभीर कार्रवाई के आरोप लगाए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, सेना पर रोहिंग्या लोगों की जबरन सैन्य भर्ती करने और उन्हें देश से बाहर जाने से रोकने के लिए कार्रवाई करने के आरोप हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 में सेना ने 1,981 रोहिंग्या लोगों को जबरन भर्ती किया।

म्यांमार से बाहर निकलने के लिए रोहिंग्या समुदाय के कई लोग समुद्री मार्ग का सहारा ले रहे हैं, लेकिन यह रास्ता भी बेहद जोखिम भरा साबित हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 समुद्री मार्ग से पलायन करने वाले रोहिंग्या लोगों के लिए सबसे घातक वर्ष रहा, जब 892 लोगों की मौत हुई या वे लापता हो गए। वहीं 2026 में मई तक 4,665 लोगों ने समुद्री रास्ते से पलायन की कोशिश की, जिनमें 280 लोगों के मारे जाने या लापता होने की सूचना है।

मानवीय संकट गहराने की आशंका

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि रखाइन प्रांत में रोहिंग्या समुदाय की सुरक्षा, आजीविका और बुनियादी अधिकारों से जुड़ी चुनौतियां गंभीर बनी हुई हैं। जमीन से बेदखली, जबरन श्रम, भर्ती, हिंसा और पलायन के कारण समुदाय के सामने मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है। ऐसे में प्रभावित लोगों की सुरक्षा, मानवीय सहायता और उनके मूल स्थानों पर सुरक्षित एवं सम्मानजनक वापसी का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण बना हुआ है।

नासा का नया स्पेस टेलीस्कोप रविवार को होगा लॉन्च

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का अगली पीढ़ी का अंतरिक्ष वेधशाला नैन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप रविवार को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। करीब चार अरब डॉलर की लागत वाली इस परियोजना का इस्तेमाल वैज्ञानिक डार्क एनर्जी और डार्क मैटर समेत ब्रह्मांड के कई बड़े रहस्यों को समझने के लिए करेंगे। नासा के अनुसार, रोमन को स्पेसएक्स के फाल्कन हेवी रॉकेट से अंतरिक्ष में भेजा जायेगा। एजेंसी के अधिकारियों के मुताबिक इसका प्रक्षेपण निर्धारित समय से करीब नौ महीने पहले किया जा रहा है।

रोमन को हबल स्पेस टेलीस्कोप और जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के बाद विकसित किया गया है। हबल को 1990 में और वेब को 2021 में लॉन्च किया गया था। दोनों दूरबीनें अभी भी काम कर रही हैं। रोमन अपनी व्यापक दृश्य क्षमता और तेज गति से अंतरिक्ष का सर्वेक्षण करने की क्षमता के जरिये वैज्ञानिकों को ब्रह्मांड की संरचना, संघटन और विकास का पहले से अधिक विस्तृत अध्ययन करने में मदद करेगा। वैज्ञानिकों के अनुसार, करीब 13.8 अरब वर्ष पहले बिग बैंग के बाद से ब्रह्मांड लगातार फैल रहा है। वर्ष 1998 में पता चला था कि यह विस्तार तेज हो रहा है। इसके पीछे एक अदृश्य शक्ति डार्क एनर्जी को संभावित कारण माना जाता है।

ब्रह्मांड में सामान्य पदार्थ के अलावा डार्क मैटर और डार्क एनर्जी मौजूद हैं, जिनकी वास्तविक प्रकृति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। अनुमान के अनुसार सामान्य पदार्थ ब्रह्मांड का करीब पांच प्रतिशत, डार्क मैटर करीब 27 प्रतिशत और डार्क एनर्जी करीब 68 प्रतिशत हिस्सा है। रोमन का एक प्रमुख उद्देश्य हमारे सौरमंडल के बाहर मौजूद ग्रहों यानी एक्सोप्लैनेट की खोज करना भी होगा। अब तक 6,350 से अधिक एक्सोप्लैनेट खोजे जा चुके हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि रोमन हजारों नए एक्सोप्लैनेट खोजेगा और हमारे जैसे ग्रह प्रणालियों का पहला व्यापक सांख्यिकीय आकलन उपलब्ध कराएगा।

स्वदेशी सूक्ष्म, लघु गैस टरबाइन इंजन तैयार किया सरकारी प्रयोगशालाओं ने, ड्रोन और मानवरहित वैमानिकी क्षमता होगी मजबूत

नयी दिल्ली। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् की राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएएल) ने मंगलवार को यहां तीन स्वदेशी अत्यंत सूक्ष्म और लघु आकार के तीन नये गैस टर्बाइन इंजन पेश किये। इनमें 05 किलोग्राम प्रणोदक बल वाला एनजे-05, 50 किलोग्राम प्रणोद वाला एनजे-50 और 100 किलोग्राम प्रणोद वाला एनजे-100 इंजन है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि यह उन्नत वायुयान प्रणोदक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। यह गैस टर्बाइन इंजन स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों में महत्वपूर्ण आवश्यकताएं पूरी करने हेतु विकसित किए गए हैं। ये छोटे और सुव्यवस्थित प्रणोदन प्रणाली सामरिक मानवरहित यूएवी, ड्रोन इंटरसेप्टर और सघन मिसाइल प्रणाली सहित विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए निर्मित किए गए हैं।

इन लघु गैस टर्बाइन इंजनों के उद्घाटन कार्यक्रम में देश के वरिष्ठ रक्षा और वैज्ञानिक प्रतिष्ठनों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में चीफऑफस्टाफकमेटी के अध्यक्ष के एकीकृत रक्षा स्टाफ प्रमुख, एयर मार्शल तेजिंदर सिंह इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। .कार्यक्रम में सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ (श्रीमती) एन कलाइसेल्वी और सीएसआईआर-एनएल के निदेशक डॉ अभय ए पशिलकर शामिल थे।

डॉ. पशिलकर ने अपने स्वागत संबोधन में देश के बढ़ते ड्रोन पारितंत्र के बहु-स्तरीय समेकित ढ़ांचा तैयार करने में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्-राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला की उभरती भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि तेजी से विस्तार कर रहे एयरोस्पेस स्टार्टअप पारितंत्र वाले भारतीय उद्योग की देश की रक्षा आवश्यकताएं पूरी करने में बड़े पैमाने पर ऐसे उन्नत इंजनों की उत्पादन क्षमता है।

तारिक रहमान का भारत दौरा कूटनीति और राजनीति के गलियारों में बना चर्चा का केंद्र

ढाका, (वार्ता)। भारत और बंगलादेश के बीच जारी तनाव के बीच बंगलादेशी प्रधानमंत्री तारिक़ रहमान का भारत दौरा भी कूटनीति और राजनीति के गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है। श्री रहमान भारत आएंगे या नहीं, इसकी चर्चा दोनों ही देशों में जारी है। एक पहलू यह भी है कि बंगलादेश सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के सहयोग से बने सैन्य गठबंधन में शामिल हो सकता है। बंगलादेश के विदेश मंत्री हुमायूं कबीर ने मीडिया से कहा है कि बंगलादेश के राष्ट्रीय हितों और वैश्विक व्यापार के बदलते समीकरणों को देखते हुए सरकार शमुस्लिम नाटोश् कहलाने वाले इस गठबंधन में शामिल हो सकती है।

सवाल यह है कि भारत इस फैसले को कैसे देखता है। बंगलादेश पहले ही भारत को साफ संदेश दे चुका है कि दोनों देशों के रिश्ते वैसे नहीं होंगे, जैसे वे पहले थे। अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से दोनों देशों के सामान्य रिश्तों को झटका लगा है। एक ओर जहां 1971 में बंगलादेश की आजादी के साथ शुरू हुई दोस्ती को झटका लगा, वहीं मोहम्मद यूनुस के हाथ में बंगलादेश की कमान आने के बाद भी रिश्ते बिगड़ते चले गये।

श्री यूनुस ने सत्ता हाथ में आने के बाद न सिर्फ भारत-विरोधी दांव खेला, बल्कि दोनों देशों के बीच आग में घी डालने का भी काम

किया। उन्होंने कथित रूप से बंगलादेश में लोगों को भारत के खिलाफ भड़काया और शसात बहनोंश् (पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों) के बारे में भी भड़काऊ टिप्पणियां कीं। भारत ने इन बयानों की सनद ली और अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी इसे खूब कवरेज दी।

श्री यूनुस के चले जाने और श्री रहमान के सत्ता में आने के बाद भी बंगलादेश में भारत-विरोधी प्रचार नहीं रुका है, भले ही यह कम हो गया हो। बंगलादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी जमात-ए-इस्लामी और उसके छात्र संगठन ने भारत-विरोधी मत बरकरार रखा है।

दोनों समूहों के पाकिस्तान और चीन से अच्छे संबंध हैं। वे श्री रहमान के भारत दौरे का विरोध कर रहे हैं और इसके साथ कुछ शर्तें जोड़ दी हैं। इन मांगों के कारण बंगलादेश सरकार भी दबाव में आ गयी है। अवामी लीग की अनुपस्थिति में प्रमुख विपक्षी दल बने जमात-ए-इस्लामी को पाकिस्तान हितैषी माना जाता है। पार्टी ने 1971 में बंगलादेश की स्थापना का विरोध किया था और अविभाजित पाकिस्तान की वकालत की थी। पार्टी अब भी 1971 में बंगलादेश की आजादी पर भारत के रुख को स्वीकार नहीं कर पायी है।

जमात के दो प्रवक्ता बैरिस्टर फुआद और बैरिस्टर शहरयार खुले तौर पर भारत-विरोधी बयान दे चुके हैं। बंगलादेश में इस समय 211 ऐसे संस्थान, पार्टी और संगठन मौजूद हैं जो भारत-विरोधी पक्ष रखते हैं और भारत-विरोधी अभियान में भी शामिल हैं।

कश्मीर में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता

पुलवामा, शोपियां और सोपोर से आठ गिरफ्तार, हथियारों का जखीरा बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा, शोपियां और सोपोर जिलों में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग संयुक्त अभियानों के दौरान आतंकवादियों के आठ संदिग्ध सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। इन अभियानों के दौरान हथियार, गोला-बारूद और अन्य विस्फोटक सामग्रियों का बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस कार्रवाई से घाटी में शांति और सुरक्षा को भंग करने की साजिशों को नाकाम कर दिया गया है। पुलवामा पुलिस, सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की 183 बटालियन ने राजपोरा के यारवान जंगल इलाके में खुफिया जानकारी के आधार पर घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। सीबी नाथ के पास जंगल से गांव की ओर आ रहे दो संदिग्धों को सुरक्षा बलों ने घेरकर दबोच लिया।

आरोपियों की पहचान लतीफ अहमद दीदाद (निवासी लस्सी दबन) और एजाज अहमद बजैड (निवासी बुन खां बमनू) के रूप में हुई।

इनके पास से एक पिस्तौल, 12 कारतूस और एक हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया। राजपोरा थाने में आर्म्स एक्ट और यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।शोपियां जिले में दो अलग-अलग अभियानों के दौरान आतंकवादियों के छह सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया। नाका चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों जुनैद मुजफ्फर डार, आमिर युसूफ और जुनैद बशीर डार (सभी निवासी कुलगाम) को रोका गया। इनके पास से 2 हैंड ग्रेनेड और आपत्तिजनक पोस्टर बरामद हुए। पुलिस, 34 राष्ट्रीय राइफल्स और 178 बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त गश्त टीम ने इमामसाहब क्षेत्र से तीन अन्य व्यक्तियों हारिस मंजूर, आशिक हुसैन और आरिफ अहमद कुमार (सभी निवासी अनंतनाग) को गिरफ्तार किया। इनके पास से 1 हैंड ग्रेनेड, 2 एके-47 मैगजीन, 20 राउंड गोला-बारूद और देशविरोधी पोस्टर बरामद किये गये।

उच्चतम न्यायालय ने तरुण तेजपाल को दो सप्ताह में समर्पण करने का दिया निर्देश

नयी दिल्ली (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को शतहलकाश् पत्रिका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को दो सप्ताह में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया, ताकि 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में उसे दोषी ठहराने और 10 वर्ष की कैद की सजा सुनाने के बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली उसकी अपील पर सुनवाई की जा सके।

न्यायमूर्ति आलोक अराधे ने आत्मसमर्पण से छूट की तेजपाल की याचिका खारिज कर दी और उसके आत्मसमर्पण करने तथा इस संबंध में प्रमाण पत्र दाखिल करने की शर्त पर उसकी अपील पर सुनवाई के लिए 22 सितंबर की तारीख तय की है।

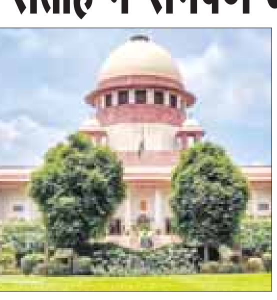

न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, ष्अपीलकर्ता दो सप्ताह के भीतर समर्पण करे और अपना समर्पण प्रमाण पत्र दाखिल करे।ष् इसके साथ ही रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि यदि प्रमाण पत्र उस तारीख या उससे पहले दाखिल कर दिया जाता है तो 22 सितंबर को अपील को सूचीबद्ध किया जाए।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अराधे ने तेजपाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा कि उनके मुवक्किल को समर्पण करने के लिए कितना समय चाहिए। श्री सिब्बल ने दो सप्ताह का समय मांगा, जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया।

श्री सिब्बल ने तेजपाल की समर्पण से छूट की अर्जी पर जोर दिया और कहा कि यह मामला 2013 का है और शुरुआती छह महीनों को छोड़कर उनका मुवक्किल जमानत पर बाहर रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि अपील पर सुनवाई से पहले उसे थोड़े समय के लिए जेल भेजने का कोई औचित्य नहीं है। गोवा सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस छूट का विरोध किया। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने तेजपाल को उच्चतम न्यायालय का रुख करने के लिए समर्पण का समय दिया था और क्या उसके मामले को समर्पण की शर्त से छूट मिलनी चाहिए, इस पर गुण-दोष के आधार पर विचार होना चाहिए। सोमवार को चौंबर में हुई सुनवाई में भी श्री मेहता ने कहा था कि तेजपाल को अपनी अपील आगे बढ़ाने से पहले समर्पण कर प्रमाण पत्र देना होगा या फिर सरेंडर से छूट मांगनी होगी।

कई भाषाएँ, कई जॉनर, एक विजन 2026-27 में दमदार कंटेंट स्लेट के साथ जी स्टूडियोज तैयार

भारतीय सिनेमा के बदलते परिदृश्य के बीच ज़ी स्टूडियोज़ ने 2026-27 के लिए बहुभाषी और मल्टी-जॉनर फिल्मों की बड़ी स्लेट पेश की है। हिंदी, मराठी, तेलुगु, तमिल, मलयालम, गुजराती, कन्नड़ समेत विभिन्न भारतीय भाषाओं में फैली इस स्लेट में कमर्शियल एंटरटेनमेंट, एक्शन, रोमांस, थ्रिलर, सस्पेंस, माइथोलॉजी और अलग तरह की कहानियां शामिल हैं। ज़ी स्टूडियोज़ की रणनीति अलग-अलग क्षेत्रों के दर्शकों की पसंद और स्थानीय संस्कृति को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। स्टूडियो का जोर ऐसी कहानियों पर है, जो अपनी जड़ों और संस्कृति से जुड़ी हों, लेकिन भाषाई सीमाओं से आगे जाकर व्यापक दर्शक वर्ग से जुड़ सकें। हिंदी सिनेमा में स्टूडियो की आगामी फिल्मों में 'बाप', 'रामभूमि', 'दिल्ली 2021' और 'ब्लाइंड बाबू' शामिल हैं। इन फिल्मों के जरिए बड़े पैमाने के मनोरंजन के साथ एक्शन, सस्पेंस और आधुनिक कहानी कहने के अंदाज को पेश करने की तैयारी है।

दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी ज़ी स्टूडियोज़ ने अपनी मौजूदगी मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। तेलुगु में 'इंद्रपुत्र', 'एनबीके111', 'कनका दुर्गा' और 'अनसूया जनरल स्टोर्स', कन्नड़ में 'अन्ना फ्रॉम मेक्सिको' तथा तमिल में 'हाई' और 'सत्यवान सावित्री' जैसी फिल्में स्लेट का हिस्सा हैं। स्टूडियो ने 'टॉम एंड चेरी' के साथ गुजराती सिनेमा में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। मराठी सिनेमा भी इस रणनीति का अहम हिस्सा है। 'आत्मपैम्फलेट' को राष्ट्रीय पुरस्कारों में मिली सराहना के बाद स्टूडियो की नई स्लेट में 'झेप', 'फुलवारा', 'मान' और 'जोगाई' जैसी फिल्मों को शामिल किया गया है। ज़ी स्टूडियोज़ की आगामी फिल्मों में जॉनर की विविधता भी दिखाई देती है। 'बाप' और 'सिला' बड़े पैमाने के कमर्शियल एक्शन एंटरटेनमेंट को सामने लाएंगी, जबकि 'ब्लाइंड गेम', 'ब्लाइंड बाबू' और 'दिल्ली 2021' में मनोवैज्ञानिक और थ्रिलर तत्व देखने को मिलेंगे। 'इंद्रपुत्र' और 'रामभूमि' के जरिए भारतीय माइथोलॉजी और इतिहास से प्रेरित सिनेमाई संसार को प्रस्तुत करने की तैयारी है।

'मिर्जापुर द मूवी' की रिलीज से 10 दिन पहले एक्सेल एंटरटेनमेंट ने जारी किया नया पोस्टर

भारतीय स्ट्रीमिंग की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी क्राइम फ्रेंचाइजी 'मिर्जापुर' अब बड़े पर्दे पर भौकाल मचाने के लिए तैयार है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत 'मिर्जापुर द मूवी' की रिलीज में अब महज 10 दिन बाकी हैं। इसी मौके पर मेकर्स ने फिल्म का नया दमदार पोस्टर जारी करते हुए फाइनल काउंटडाउन शुरू कर दिया है। गुरमीत सिंह के निर्देशन और पुनीत कृष्णा के लेखन में बनी यह फिल्म चार सितंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।नए पोस्टर में पंकज त्रिपाठी के कलीन भैया, अली फ्जल के गुड्डू पंडित और दिव्येंदु के मुन्ना भैया समेत कई प्रमुख किरदारों की झलक दिखाई गई है। पोस्टर फिल्म में हाई-स्टेक्स एक्शन, जबरदस्त ड्रामा और बड़े पर्दे के भव्य सिनेमाई अनुभव का संकेत देता है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर निर्मित इस फिल्म के सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं। फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फ्जल, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, हर्षिता शेखर गौर, श्वेता त्रिपाठी और सोनल एस चौहान प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म में फ्रेंचाइजी के कई लोकप्रिय किरदारों की वापसी भी होगी। इनमें दिव्येंदु के मुन्ना भैया, कुलभूषण खरबंदा के सत्यानंद त्रिपाठी और श्रिया पिलगांवकर की स्वीटी गुप्ता शामिल हैं।

एक्सेल एंटरटेनमेंट ने सोशल मीडिया पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा, भौकाल का नया ठिकाना थिएटर। बड़े पर्दे पर 'मिर्जापुर द मूवी' आने में बस 10 दिन बाकी! मिर्जापुर द मूवी, 04 सितंबर को सिर्फ़ हिंदी और तेलुगु में थिएटर में रिलीज़ हो रही है। 2018 में शुरू हुई 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी ने ओटीटी पर अपनी अलग पहचान बनाई है। अब फिल्म के जरिए यह कहानी स्ट्रीमिंग स्क्रीन से निकलकर बड़े पर्दे तक पहुंच रही है। रिलीज का काउंटडाउन शुरू होते ही प्रशंसकों में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

सोनी सब के कलाकारों ने साझा कीं रक्षाबंधन से जुड़ीं यादें और भावनाएँ

रक्षाबंधन के अवसर पर सोनी सब के कलाकारों ने भाई-बहन के रिश्ते से जुड़ी अपनी खास यादें और भावनाएं साझा कीं। कलाकारों ने बताया कि उनके लिए यह त्योहार केवल राखी बांधने और उपहार देने तक सीमित नहीं है, बल्कि बचपन की यादों, प्यार, अपनापन और एक-दूसरे का साथ निभाने के वादे से जुड़ा है। श्यादेंश् में डॉ. देव मेहता का किरदार निभा रहे इकबाल खान ने कहा कि उनकी बहनें उनके लिए बेहद अहम हैं और रक्षाबंधन उनसे जुड़ी कई यादें ताजा कर देता है। उन्होंने बताया कि उनकी स्कूल की सीनियर किस्मत आहलूवालिया, जो फिलहाल हांगकांग में रहती हैं, कई वर्षों से उन्हें हर रक्षाबंधन पर राखी भेजती हैं। उन्होंने कहा कि यह परंपरा उनके लिए बेहद खास है और वह वर्षों से मिली राखियों को संभालकर रखते हैं।

शहस्तिनापुर के वीरश् में कुंती की भूमिका निभा रहीं तोरल रसपुत्रा ने कहा कि उनके लिए

रक्षाबंधन का महत्व उपहार से अधिक उससे जुड़ी भावनाओं में है। उन्होंने बताया कि उनके भाई द्वारा दिया गया एक नेकलेस आज भी उनके पास है, जिसे वह पहनती हैं। उनके अनुसार, यह उपहार भाई-बहन के मजबूत होते रिश्ते की याद दिलाता है।

श्पुष्पा इम्पॉसिबलश् में अश्विन का किरदार निभा रहे समरिध बावा ने बताया कि अलग शहर में रहने के बावजूद उनकी बहनें यह सुनिश्चित करती हैं कि वह रक्षाबंधन से दूर न रहें। वे उन्हें राखी डाक से भेजती हैं और त्योहार के दिन उनके साथ न होने के बावजूद इसे खास बनाने का कोई न कोई तरीका जरूर निकालती हैं।

इसी धारावाहिक में चिराग की भूमिका निभा रहे नितिन बाबू ने कहा कि उनके लिए राखी सिर्फ एक धागा नहीं, बल्कि वर्षों की यादों, प्यार और हमेशा साथ रहने के वादे का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि वह अपने भाई-बहनों की पुरानी राखियां और उपहार आज भी संभालकर रखते हैं।

मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर सख्त रुख, अनावश्यक रेफरल रोकने के निर्देश

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा कर दिए समयबद्ध सुधार के निर्देश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर एवं जिला स्वास्थ्य समिति की अध्यक्ष श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने विकासखंड करेली में हुई दो मातृ मृत्यु के कारणों का विस्तृत विवरण तैयार कर संभागायुक्त भोपाल को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गर्भवती महिलाओं को अनावश्यक रूप से रेफर नहीं किया जाए। अनावश्यक रेफरल के प्रकरणों की समीक्षा कर संबंधित चिकित्सकों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई का प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन एवं जांच की प्रगति की समीक्षा करते हुए विकासखंड साईंखेड़ा, चांवरपाठा एवं नरसिंहपुर में पंजीयन की उपलब्धि कम पाए जाने पर शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने को कहा। चार प्रसवपूर्व स्वास्थ्य जांच के मामले में चांवरपाठा एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नरसिंहपुर की उपलब्धि कम पाए जाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मॉडरेट एनीमिया प्रबंधन की समीक्षा के दौरान करेली, नरसिंहपुर, चांवरपाठा एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नरसिंहपुर में कम उपलब्धि पाए जाने पर शत-प्रतिशत प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साईंखेड़ा के विकासखंड चिकित्सा अधिकारी को ड्यूटी के दौरान अनुपस्थिति की स्थिति में स्वास्थ्य संस्था के सूचना बोर्ड पर स्पष्ट जानकारी अंकित करने के निर्देश दिए, ताकि हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में जिले में संचालित 108 एम्बुलेंस की स्थिति की समीक्षा करते हुए खराब एम्बुलेंस की सूची तैयार करने तथा प्रत्येक एम्बुलेंस द्वारा तय की गई दूरी की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा में एमआर-1 एवं एमआर-2 में 90 प्रतिशत से कम उपलब्धि वाले विकासखंडों को शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए गए। आरबीएसके कार्यक्रम के तहत 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों की स्क्रीनिंग शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर के एनआरसी में सफल डिस्चार्ज रेट शत-प्रतिशत करने तथा साईंखेड़ा एनआरसी में बेड ऑक्यूपेंसी शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने को कहा गया। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान 100 दिवस से अधिक समय से लंबित 47 शिकायतों तथा जिले में 100 दिवस से अधिक समय से लंबित 14 शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

दस्तक अभियान की समीक्षा में विकासखंड चांवरपाठा की उपलब्धि सबसे कम पाए जाने पर कम उपलब्धि वाले विकासखंडों को तीन दिवस में लक्ष्य पूर्ति करने के निर्देश दिए गए। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर तथा विकासखंड स्तर पर ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइजर को जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए गए। कम उपलब्धि पाए जाने पर संबंधित ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइजर के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सभी अधिकारियों को स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों के निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने तथा आमजन को बेहतर, सुलभ एवं समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.के. चौधरी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जनसुनवाई में सुनी लोगों की समस्याएं

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 95 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। एडीएम श्री अरविंद सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

नर्मदेश्वर महाकाल की शाही सवारी में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा नगर

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार को पूरा गाडरवारा नगर भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन नजर आया। उज्जैन की विश्व प्रसिद्ध शाही सवारी की तर्ज पर नगर में भगवान नर्मदेश्वर महाकाल की भव्य शाही सवारी पूरे धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। महाराजा नर्मदेश्वर महाकाल अपनी प्रजा को आशीर्वाद देने के लिए शिवधाम डमरूघाटी से शाही ठाठ-बाट के साथ नगर भ्रमण पर निकले। इस अलौकिक सवारी के दर्शन के लिए हजारों की संख्या में शिव भक्त सड़कों पर उमड़ पड़े। पूरा मार्ग बम-बम भोले और जय श्री महाकाल के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। शाही सवारी को उज्जैन की सवारी की तर्ज परआकर्षक रूप से सजाया गया था। फूलों से सुसज्जित पालकी में विराजमान बाबा महाकाल की शोभा देखते ही बन रही थी। सवारी के आगे-आगे शहनाई, ढोल-नगाड़ों की थाप, डीजे की धुन पर थिरकते भक्त, और नृत्य करती हुई मनमोहक झांकियां चल रही थीं, जो सभी के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई थीं। पंजाबी अखाड़ा व बजरंग अखाड़ा के युवाओं ने शानदार प्रदर्शन किया । यात्रा मार्ग को भगवा धर्म ध्वजाओं और फूलों से दुल्हन की तरह सजाया गया था। श्रावण के अंतिम सोमवार को शिवधाम डमरूघाटी से प्रारंभ हुई यह भव्य शाही सवारी महाकाल चौराहा, चुंगी नाका, नया बस स्टैंड, पुरानी गल्ला मंडी, झंडा चौक, थाना चौक, महावीर भवन, शक्ति चौक होते हुए ऋण मुक्तेश्वर धाम शिवालय चौक पहुंची। सभी स्थानों पर भव्य स्वागत हुआ। इस शाही सवारी में विशेष रूप से 52 शक्तिपीठ माँ गढ़कालिका धाम उज्जैन के मुख्य पुजारी करिश्मा नाथ जी, पासीघाट के श्री श्री 1008 रामदास जी त्यागी टाटाम्बरी सरकार शिष्य मंडल एवं किन्नर समाज प्रमुख सवारी के साथ चल रहे थे।

पशुवाहन मैं कैद हुए कांग्रेस पार्षद विरोध का अनोखा तरीका

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

बिगत दिवस गुदरी से बेहद भयभीत करने वाली घटना देखने को मिली जब एक पागल सांड ने पूरे इलाके मैं कोहराम मचा दिया दर्जनो गाडिया और अनेक लोगो को घायल कर दिया उक्त घटना से चिंतित सांडो के बढ़ते आतंक को रोकने के लिए सी एम ओ नगर पालिका नरसिंहपुर को दिया कांग्रेस पार्षद दल ने अल्टीमेटम पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि सांडो का आतंक इतना बढ गया है कि नगर के लोगो की जान पर बन आई है अतिशीघ्र सांडो को शहर से बाहर किया जाए नहीं तो हम कांग्रेस के पार्षदो को पशुवाहन मैं बंद करके बाहर कर दीजिए....नगर के जन-मानस के जीवन के सांथ खिलवाड बर्दाश्त नहीं किया जाएगा....सांकेतिक रूप से कांग्रेस पार्षदो ने अपने आप को पशुवाहन मैं किया कैद सांडो को शहर से बाहर करो नहीं तो हम पार्षदो को कर दो...

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने राखी बाजार का किया शुभारंभ

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर स्थानीय सुभाष मार्केट जनपद मैदान में राखी बाजार का शुभारंभ पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल एवं जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने किया। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय दुकानदारों से मुलाकात कर उन्हें त्योहार के लिए शुभकामनाएं दीं और राखी बाजार में खरीदारी के लिए पहुंचे लोगों से संवाद किया पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि त्योहारों का उत्साह स्थानीय बाजारों की रौनक से और बढ़ जाता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि रक्षाबंधन सहित अन्य त्योहारों पर अधिक से अधिक खरीदारी स्थानीय दुकानदारों से करें, जिससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिले और क्षेत्र के छोटे एवं मध्यम व्यापारियों को इसका लाभ मिल सके इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लोकल फॉर वोकल' के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों और स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन देना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय बाजार से वस्तुओं की खरीदारी करने से व्यापारियों के साथ-साथ क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है राखी बाजार के शुभारंभ के अवसर पर दुकानदारों में उत्साह देखने को मिला। बाजार में रक्षाबंधन पर्व को लेकर विभिन्न प्रकार की राखियों एवं अन्य सामग्री की दुकानें सजाई गई हैं।

सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंकने वालों पर सख्ती,दो प्रतिष्ठानों पर जुर्माना

करेली। स्वच्छ एवं सुंदर करेली के संकल्प को लेकर नगर पालिका परिषद द्वारा लगातार स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। नागरिकों को घरों एवं दुकानों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग करने तथा कचरा निर्धारित कचरा वाहन में ही देने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वालों के खिलाफ नगर पालिका द्वारा जुर्माने की कार्रवाई भी की जा रही है। इसी क्रम में राजेंद्र वार्ड अंतर्गत सीताराम मॉल के सामने आसपास के दुकानदारों एवं रहवासियों द्वारा लगातार सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंके जाने की शिकायत नगर पालिका को प्राप्त हो रही थी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका परिषद ने तत्काल संज्ञान लिया और मौके पर कर्मचारियों की निगरानी के लिए ड्यूटी लगाई गई। साथ ही स्थल पर फायर वाहन की व्यवस्था कर सफाई एवं निगरानी की कार्रवाई की गई।

जुर्माने की कार्यवाही

निगरानी के दौरान मौके पर दो प्रतिष्ठान सोनिका म्यूजिक सेंटर एवं नरेश इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंकते हुए पाए जाने पर नगर पालिका अमले द्वारा दोनों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की गई। नगर पालिका अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित करता है और ऐसे मामलों में अब सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।

कचरा वाहन में ही दें

नगर पालिका द्वारा नागरिकों एवं दुकानदारों से अपील की गई है कि वे अपने घरों एवं दुकानों से निकलने वाले कचरे को सड़क, नाली अथवा सार्वजनिक स्थान पर न फेंकें। गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग करके नियमित रूप से नगर पालिका के कचरा वाहन में ही दें। नगर के सभी क्षेत्रों में कचरा संग्रहण के लिए कचरा वाहन भेजे जा रहे हैं। नगर पालिका ने चेतावनी दी है कि सीताराम मॉल के सामने सहित नगर के किसी भी सार्वजनिक स्थान पर दोबारा कचरा फेंकते हुए कोई व्यक्ति पाया जाता है तो उसके खिलाफ भारी जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका द्वारा नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सहयोग करते हुए करेली को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सहभागिता की अपील की गई है।

युवक की हत्या करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। विशेष न्यायाधीश अनुजाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम नरसिंहपुर श्री मनोज कुमार लढिया के न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक 25/08/2026 में युवक की गला धोटकर हत्या करने वाले आरोपी लोकेश ऊर्फ गुडडू महाराज उम्र 34 वर्ष को धारा 103/ 104 बीएनएस एवं 3; एससीएसटी एक्ट के अपराध का दोषी पाते हुए अभियुक्त के शेष प्राकृत जीवन काल के लिये आजीवन करावास एवं कुल 15000 रूपये के अर्थदड के दण्डित किया है। प्रकरण में मध्यप्रदेश शासन की ओर से उपनिदेशक अभियोजन श्री रामकुमार पटेल एवं श्री अमित कुमार राय वरिष्ट एडीपीओ के द्वारा पैरवी की गई। धटना का संक्षिप्त विवरण मृतक मनोहर ठाकुर चोरी के एक मामलें में जबलपुर केन्द्रीय जेल में बंद था। जहां उसकी मुलाकात पूर्व से हत्या के मामलें में सजा काट रहे आरोपी लोकेश ऊर्फ गुडडू महाराज से हुई थी एवं दोनों के बीच रूपयों के लेनदेन के संबंध में बातचीत हुई थी। दिनांक 29/03/2025 को आरोपी लोकेश ऊर्फ गुडडू महाराज पेरोल पर जेल से छूटने बाद मृतक मनोहर ठाकुर के घर आया था एवं उसे अपने साथ गोटेगांव लेकर गया था। रास्ते में सिमरिया नगर पर मृतक से 5000 रूपये मांगे मृतक द्वारा 5000 रूपये देने से मना करने पर आरोपी ने मृतक के साथ धूसों से मारपीट की एवं मृतक को आरोपी ने पानी में डुबोकर हत्या कर दी। मृतक की लाश मिलने पर इसकी सूचना पुलिस थाना मुंगवानी में दी गई पुलिस ने मौके पर आकर मृतक की लाश की पहचान उसके परिजनों से करवाई थी।

भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का स्मरण

करेली।

देश के पूर्व प्रथम प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी का जन्मोत्सव कार्यक्रम ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रामरतन पटेल एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष बृजमोहन चौकसे के संयुक्त तत्वाधान में ब्लाक कांग्रेस कार्यालय मे सभी मंडलम अध्यक्षों, नगर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओ एवं कार्यकर्ताओ की उपस्थिती मे मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वर्गीय गांधी के छायाचित्र पर तिलक, माल्यार्पण से हुआ। उद्बोधन की श्रृंखला मे योगेन्द्र सिंह चौहान मोहद ने कहा राजीव गांधी ने भारत की दिशा बदलने का काम कर देश कम्प्यूटर युग दिया। डा राजेन्द्र सिंह किलेदार ने बताया कि राजीव गांधी की इन्दौर रैली एक मिशाल बनी जो 9 घन्टे चली, उन्होंने देश मे नई क्रान्ति दी। रामस्वरूप खेमरिया ने राजीव गांधी को पंचायती राज का जनक कहा। कपिल सिंह ठाकुर ने कहा कि आप कम्प्यूटर युग के विकास पुरूष है। गांधी परिवार के लोगों हमेशा देश के लिए बलिदान दिया है।

रामरतन पटेल ने कहा कि आज हम स्वर्गीय राजीव गांधी का 82 वां जन्मोत्सव मना रहे देश के युवाओ को 18 वर्ष मे मत दान कर ने अवसर प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन प्रहलाद पाठक ने, आभार गोपाल दास मरेले ने व्यक्त किया।

रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर बाजार में बढ़ी रौनक

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर बाजार में रौनक बढ़ गई है। बहन-भाई के अटूट प्रेम के इस पावन पर्व को लेकर नगर के बाजार पूरी तरह से सज-धज कर तैयार हैं नगर के मुख्य बाजार झंडाचौक, शुक्रवारा बाजार, शिवालय चौक मन्नत कॉम्प्लेक्स में जगह-जगह रंग-बिरंगी राखियों की दुकानें सजी हुई हैं। आकर्षक राखियों के साथ-साथ मिठाई की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। कपड़ों की दुकानों पर भी जमकर खरीदारी की जा रही है। बहनों द्वारा अपने भाइयों के लिए और भाइयों द्वारा अपनी बहनों के लिए उपहारों की खरीदारी जोरों पर है। मुख्य बाजार में इतनी अधिक भीड़ पड़ रही है कि वाहनों के आवागमन में चलते जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है।

बारिश में भी नहीं थमेगी शिक्षा की राह

438 विद्यार्थियों को वितरित किए गए छाते

बारिश की बूंदें रास्ता भले भिगो दें, लेकिन बच्चों के सपनों की उड़ान कभी नहीं रुकनी चाहिए : डॉ. विवेकानंद मिश्रा

सिंगरौली। हिंडालको महान के सीएसआर विभाग द्वारा संचालित 'अध्ययन' परियोजना के अंतर्गत बाघाडीह हाई स्कूल एवं बाघाडीह मिडिल स्कूल, भलुही टोला में छाता वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 6वीं से 10वीं तक अध्ययनरत 438 विद्यार्थियों को छातों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में हिंडालको महान के मानव संसाधन प्रमुख डॉ. विवेकानंद एवं सीएसआर टीम की उपस्थिति रही। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. विवेकानंद ने कहा कि बारिश बच्चों की पढ़ाई में बाधा नहीं बननी चाहिए। विद्यालय तक पहुंचने में छोटी-छोटी सुविधाएं भी बच्चों के लिए बड़ी मदद साबित होती हैं। हमारा उद्देश्य है कि बच्चे नियमित रूप से विद्यालय आएं, मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ें। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझाते हुए मेहनत, अनुशासन और नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि आज के बच्चे ही कल के समाज और देश का भविष्य हैं, इसलिए उनकी शिक्षा और सुविधाओं के प्रति सामुदायिक सहयोग बेहद जरूरी है।

वर्षा ऋतु में विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा और बारिश से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित यह पहल 'अध्ययन' परियोजना के तहत शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बघाडीह के पूर्व सरपंच धर्मेंद्र द्विवेदी तथा हिंडालको महान के सीएसआर विभाग से संजय सिंह, अभिजीत रंजन, शीतल श्रीवास्तव एवं धीरेन्द्र तिवारी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के चेहरों पर दिखाई दी खुशी ने इस पहल को और भी खास बना दिया।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 270 अ-20(1) सन् 2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टे के नवीनीकरण की कार्रवाई इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 15/09/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नजूल शीट क्रमांक	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट नं.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में अंकित/धारक/धारकों का नाम/पिता/माता/ पिता का नाम तथा पूर्ण पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/माता/ पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1	2	3	4	5	6
1	कंदेली	2/25	1830 वर्गफुट	राजेश कुमार आ. गौरीशंकर कठल सा. कंदेली	राजेश कुमार आ. गौरीशंकर कठल सा. कंदेली

आज दिनांक 17/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 262 अ-20(1) सन् 2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टे के नवीनीकरण की कार्रवाई इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 15/09/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नजूल शीट क्रमांक	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट नं.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में अंकित/धारक/धारकों का नाम/ पिता/माता/ पिता का नाम तथा पूर्ण पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/माता/ पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1	2	3	4	5	6
05	कंदेली	14/21 14/22	1825 वर्गफुट 475 वर्गफुट	श्रीमति सुनीता पत्नि स्व. आजाद परिहार, पुष्पराज, युवराज, पिस. स्व. आजाद परिहार सा. बैहर पोडी तहसील नरसिंहपुर	श्रीमति सुनीता पत्नि स्व. आजाद परिहार, पुष्पराज, युवराज, पिस. स्व. आजाद परिहार सा. बैहर पोडी तहसील नरसिंहपुर

आज दिनांक 14/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

बंदी मातृशक्तियों को सोलह श्रृंगार सामग्री वितरित

नन्हे मुन्ने बच्चों को उपहार में मिले नये कपड़े, मिठाई, कापी, रंग-बिरंगे पेन-पेंसिल

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सम्पूर्ण भारत वर्ष में भाई-बहन के प्रेम स्नेह का पावन पवित्र त्योहार रक्षाबंधन उत्सव बडे हर्षोल्लास माहौल में मनाया जायेगा। इसी तारतम्य मे भारत सरकार सूचीबद्ध मानवाधिकार संस्था एवं सर्वधर्म जनसेवा मंच समिति के संयुक्त तत्वावधान में झिंझरी जेल में अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झिंझरी जेल अधीक्षक प्रभात चतुर्वेदी व कार्यक्रम की अध्यक्षता उप अधीक्षक अरविंद खरे ने की। विशिष्ट अतिथ्य दादा भाई अरविंद कुमार शाह कृषि विस्तार अधिकारी संगीता सिंह, डॉ. उर्मिला साई प्रीत, सूचीबद्ध मानवाधिकार भारत आयोग प्रदेशाध्यक्ष सरस्वती सोनी सहित मंचासीन अतिथिगण एंव मानवाधिकार परिषद जिला कटनी महिला जिला उपाध्यक्ष दुर्गा तोमर सहित मंचासीन अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम श्रीकृष्ण भगवान की पूजा-पाठ कर सभी बहनो ने समाजसेवी लक्ष्मी रजक के साथ मिलकर गीत के माध्यम से श्रीकृष्ण को उनके पास आने का उद्देश्य बताते हुए हाथों में रेशम का धागा बांधकर जीवन भर सुरक्षित रखने का आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत वंदन अभिनंदन जूनियर अधिवक्ता मीरा अहिरवार, अधिवक्ता पूनम रैदास एंव आशा कार्यकर्ता रीता दुबे द्वारा रोली तिलक व बैंच लगाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम प्रारंभ सर्वधर्म समभाव के साथ मिलकर समस्त बहनो ने झिंझरी जेल अधीक्षक' प्रभात चतुर्वेदी के हाथो में रेशम की डोरी बांधकर बहनों और महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाए रखने हेतु दृढ़संकल्प लिया। बहन लक्ष्मी रजक द्वारा मां सरस्वती की वंदना और सत्य मार्ग पर चलने अपने गीतों के माध्यम से महिलाओ को जागरूक किया इस पुनीत पावन अवसर पर समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी द्वारा ओजस्वी स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया और महिलाओ को अपनी गलतियों पर आत्म मंथन करते हुए जेल से बाहर निकलकर सामाजिक विकास व्यवस्था पर बदलाव लाने प्रेरित किया।

अधीक्षक प्रभात चतुर्वेदी ने अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि 'हमारी बहनें शिक्षित होकर सक्षम बने और समाज की मुख्य धारा से जुड़कर सुखमय जीवन व्यतीत करे और हमारी बहने समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी एंव अन्य सभी बहनो द्वारा मानवता जनहितैषी कार्ये विगत कई वर्षों से किये जा रहे यह बहुत ही सार्थक पहल है इनके कार्य सराहनीय व प्रशंसनीय हैं। इस दौरान समाजसेवी बहनों ने मिलकर बंदी मातृशक्तियों को रक्षाबंधन पर्व के मौके पर उन्हें सोलह श्रंगार की साम्रगी राखी-रूमाल, मेंहदी, चूडी-बिंदी, मिठाई सहित नन्हे मुन्ने नटखट बच्चो को नये कपड़े, कापी, रंग-बिरिंग पेन-पेंसिल देकर उनके मासूम चेहरो पर मुस्कान देकर अन्य उपहार प्रदान की जिसे पाकर बंदी मातृशक्तियों के उदास चेहरो पर मुस्कान वापस आई इस पुनीत अवसर पर विशेष सराहनीय सहयोग झिंझरी जेल मे पदस्थ शिक्षिका दीप्ती श्रीवास्तव, मुख्य प्रहरी सृष्टि मिश्रा, मुख्य प्रहरी इमान सिंह, किश दुबे, मुख्य प्रहरी रानी सिंह ठाकुर, प्रहरी अतुल श्रीवास्तव, प्रहरी अंकित मिश्रा, मुख्य प्रहरी रानी सहित अन्य सम्मानित पदाधिकारीगणों की गरिमामय उपस्थित में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

फोटो : विकास गुप्ता

त्यौहारों को लेकर पुलिस अलर्ट, किया फ्लैग मार्च

कटनी (स्वतंत्रमत)। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए कटनी पुलिस ने शहर के विभिन्न इलाकों पर फ्लैग मार्च किया। एएसपी कमल मौर्य के नेतृत्व में पुलिस ने पैदल मार्च करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर डीएसपी रत्नेश मिश्रा, डीएसपी अजाक शिवा पाठक, कोतवाली टीआई राखी पांडे, माधवनगर टीआई शैलेन्द्र सिंह यादव, महिला थाना प्रभारी वर्षा सोनकर, यातायात थाना प्रभारी अनूप सिंह ठाकुर, उपनिरीक्षक प्रतीक्षा सिंह चंदेल सहित अन्य थाना प्रभारी एवं पुलिस बल मौजूद रहा। गौरतलब है कि आज 26 अगस्त को ईद मिलादुन्नबी, 28 अगस्त को रक्षाबंधन एवं 29 अगस्त को कजलियां का पर्व मनाया जाएगा, जिसको देखते हुए पुलिस अलर्ट नजर आ रही है। इसी को लेकर शाम को पुलिस ने पैदल मार्च किया। पैदल मार्च कोतवाली थाना परिसर से शुरू होकर सुभाष चौक, रेलवे स्टेशन, बरही रोड, गर्ग चौराहा, घंटाघर,

जुलूस मार्ग, आजाद चौक, मिशन चौक नगर निगम होते हुए वापस कोतवाली परिसर में पहुंचकर समाप्त हुआ। शांति समिति की बैठकों में उपस्थित सदस्यों एवं आमजन को सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि पर साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा विवादित पोस्ट संदेश प्रसारित एवं साझा नहीं करने की हिदायत दी गई। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया कि सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने, भ्रामक या आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने अथवा उसे शेयर कर साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च त्यौहार के दौरान कानून व्यवस्था एवं आमजन में सुरक्षा की भावना बनाए रखने के उद्देश्य से जिले के कोतवाली थाना क्षेत्रों के संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं जवानों द्वारा क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा आमजन को शांतिपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने का संदेश दिया गया।

फोटो : विकास गुप्ता

बड़वारा पुलिस ने बलात्कार के फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना बड़वारा के बलात्संग के आरोपी फरार आरोपी की पता साजी कर गिरफ्तार किया गया। 14 अगस्त नाबालिक पीड़िता द्वारा महिला थाना जिला कटनी में रिपोर्ट लेख कराई कि आरोपी मनीष गिरी गोस्वामी द्वारा पीड़िता को शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर अपहरण कर नाबालिक पीड़िता के साथ करीब विगत एक वर्ष से शारीरिक शोषण किये जाने पर थाना बड़वारा में अपराध धारा 137(2), 64(2)एम, 115(2), 351(3) बीएनएस 5/6 पाक्सो एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी प्रकरण पंजीबद्ध दिनांक से फरार था। जिसकी पता तलाश लगातार की जा रही थी। आरोपी की पता साजी हेतु थाना प्रभारी बड़वारा उप निरीक्षक सुयश पाण्डेय द्वारा थाना स्तर पर विशेष टीम का गठन किया। विशेष टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यो की मदद से आरोपी मनीष गोस्वामी निवासी पौनिया को 24 अगस्त को गिरफ्तार किया गया जाकर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

फोटो : विकास गुप्ता

लखनऊ में ईसीआई का ईएलसी 2.0 पर दूसरा क्षेत्रीय सम्मेलन

ईएलसी ज्ञानेश कुमार ने कहा- युवा लोकतंत्र का भविष्य

कटनी (स्वतंत्रमत)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने लखनऊ में चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी 2.0) और ईसीआईएनईटी पर दूसरा क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन का उद्देश्य युवा नागरिकों के बीच चुनावी साक्षरता और लोकतांत्रिक जागरूकता को मजबूत करना है। उत्तर प्रदेश के स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों और शिक्षकों सहित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, विद्यार्थियों को राष्ट्र का भविष्य बताते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनावी प्रक्रियाओं के ज्ञान और समझ को आगे बढ़ाने और लोकतंत्र को समृद्ध करने के लिए चुनावी परिषदें अनिवार्य हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि भारत में चुनाव संविधान, कानून और चुनाव आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार ही कराए जाते हैं और राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों की समवर्ती लेखापरीक्षा के तहत सभी चरणों में पारदर्शिता के साथ संचालित होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों और युवा मतदाताओं को भारत की चुनावी प्रणाली, लोकतांत्रिक मूल्यों, मतदाता पंजीकरण, मतदान और मतगणना प्रक्रियाओं तथा भारतीय चुनाव आयोग की भूमिका और कार्यप्रणाली से परिचित कराने की आवश्यकता पर बल दिया। युवा नागरिकों की भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में उनका विश्वास और सूचित भागीदारी लोकतंत्र के

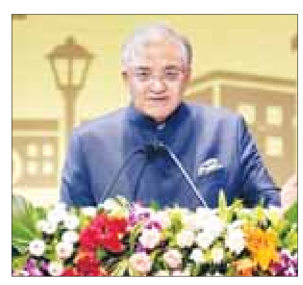

भविष्य में एक निवेश है। ईएलसी 2.0, जिसका ताना लोकतंत्र सीखें। लोकतंत्र का नेतृत्व करें। है युवा और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को न केवल लोकतंत्र को समझने के लिए बल्कि सार्थक रूप से भाग लेने और इसकी प्रगति में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य को सुदृढ़ करता है। ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को अपने पुराने विद्यालय, कोल्विन तालुकदार कॉलेज का दौरा किया और वहां के शिक्षकों और छात्रों से बातचीत की। कल, दौरे के दूसरे दिन मुख्य आयुक्त ज्ञानेश कुमार उत्तर प्रदेश के बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के साथ बातचीत करेंगे। ईएलसी 2.0 चुनावी साक्षरता क्लबों को स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में संरचित, दृश्यमान और डिजिटल रूप से सक्षम प्लेटफार्मों के रूप में पुनर्परिभाषित करता है। इस पहल में युवा नागरिकों के बीच चुनावी साक्षरता और उनके परिवारों, शैक्षणिक संस्थानों और समुदायों में चुनावी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर, वर्ष भर चलने वाली गतिविधियों की परिकल्पना की गई है। ईएलसी 2.0 व्यापक ईसीआईएनईटी डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाएगा, जो एक बटन के क्लिक पर नामांकन से लेकर मतदान तक सभी चुनाव संबंधी सेवाएं प्रदान करता है। ईसीआईएनईटी पर एक समर्पित ईएलसी पोर्टल का उपयोग करके ईएलसी का एक सुव्यवस्थित अखिल भारतीय नेटवर्क विकसित किया जाएगा। भारत के विशाल शैक्षिक तंत्र को देखते हुए यह पहल महत्वपूर्ण है, जिसमें लगभग 15 लाख स्कूल, लगभग 25 करोड़ विद्यार्थी और एक करोड़ से अधिक शिक्षक शामिल हैं। उच्च शिक्षा क्षेत्र में लगभग 1,500 विश्वविद्यालय और लगभग 70,000 शिक्षण संस्थान हैं, जिनमें अनुमानित 4.33 करोड़ छात्र नामांकित हैं। इस व्यापक संस्थागत नेटवर्क के माध्यम से, ईएलसी 2.0 तथ्यात्मक और अनुभवात्मक चुनावी शिक्षा को बढ़ावा देना चाहता है, भारत की चुनावी प्रणाली की पारदर्शिता, अखंडता और विश्वसनीयता के बारे में जागरूकता बढ़ाना चाहता है, और युवा नागरिकों को सूचित लोकतांत्रिक भागीदारी के राजदूत बनने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता है।

जनसुनवाई में पुलिस अधिकारियों ने आमजन की समस्याएं

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं समस्याओं के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में 25 अगस्त को पुलिस अधीक्षक कार्यालय कटनी में जनसुनवाई आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा ने जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आवेदकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कई प्रकरणों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए, जबकि कुछ मामलों में दूरभाष के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्रमुख रूप से पारिवारिक विवाद, पड़ोस संबंधी विवाद, दस्तावेजों का दुरुपयोग कर ऋण लेने से संबंधित धोखाधड़ी, पैसों के लेन-देन के विवाद, मकान एवं दुकान पर अवैध कब्जे की शिकायत, महिला द्वारा ब्लैकमेलिंग, वित्तीय धोखाधड़ी, पुलिस द्वारा सुनवाई नहीं किए जाने की शिकायत, प्लॉट एवं भूमि संबंधी विवाद, महिला अपराध सहित अन्य पुलिस संबंधी प्रकरण सामने आए। पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रत्येक आवेदक की समस्या एवं व्यथा को संवेदनशीलता और गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को शीघ्र, निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

फोटो : विकास गुप्ता

युवा कनेक्ट प्रसारण के लिए तिलक कॉलेज चयनित

कटनी (स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय को प्रधानमंत्री के युवा कनेक्ट संवाद के लाइव प्रसारण के लिए ए कैटेगरी में चयनित किया गया है। राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल तथा माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा महाविद्यालय का चयन किया गया है। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 27 अगस्त 2026 को प्रातः 10 बजे से महाविद्यालय परिसर में युवा कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के औपचारिक संबोधन का लाइव प्रसारण किया जाएगा। साथ ही युवाओं के साथ टू-वे अर्थात दोतरफा संवाद कार्यक्रम भी आयोजित होगा।

ससुराल आए दामाद की सड़क किनारे मिली नग्न लाश

कपड़े, जूते और पन्नी में रखी सामग्री बरामद, जांच में जुटी पुलिस

कटनी (स्वतंत्रमत)।

ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम झिन्ना पिपरिया और भमका के बीच सड़क किनारे एक युवक की नग्न लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही ढीमरखेड़ा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में लिया और मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल के पास से मृतक के कपड़े, जूते और पन्नी में रखी कुछ अन्य सामग्री भी बरामद की गई है।

मृतक के पैरों में केवल मोजे पाए गए। पुलिस की प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक की पहचान विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम चपना निवासी रणजीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रणजीत सिंह की ससुराल ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम भमका में है और वह कुछ दिन पहले ही यहां आया हुआ था। परिजनों ने बताया कि वह घर से किसी काम के सिलसिले में निकला था, जिसके बाद वापस नहीं लौटा। अगले दिन सुबह उसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे पाया गया। ढीमरखेड़ा थाना प्रभारी महिमा रघुवंशी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम किया और परिजनों द्वारा शिनाख्त किए जाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उमरियापान भिजवा दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्राथमिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस घटना के सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर गहन जांच कर रही है।

कटनी जिले में जगह-जगह किया गया पौधारोपण

सेवा भारती द्वारा पौधारोपण

कटनी (स्वतंत्रमत)। सेवा भारती जिला कटनी के तत्वाधान में लगातार जिले में वृक्षारोपण सतत जारी है इसी श्रृंखला के तहत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत गोल्डन सिटी रबर फैक्ट्री रोड कटनी में गत दिवस डॉक्टर अमित साहू, अमित कनकने, भगवान दास सिंह राठौर, रवि नायक, पुनीत नगरिया, अर्जित खरे, प्रीतेश बिलैया, राजेश मिश्रा एवं बड़ी संख्या में सेवा भारती के सदस्यों की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया तथा देखरेख का संकल्प लिया।

वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई ने मनाया मनाई हरियाली तीज

वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई के तत्वाधान में वृक्षारोपण हरियाली तीज उत्सव संपन्न हुआ। दीप प्रज्वलित कर, अतिथियों का स्वागत बंदन किया गया। प्रदेश पदाधिकारी एवं जिले के समस्त पदाधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए। सीमा जैन, संभागीय प्रभारी, जंयती खंताल जिला प्रभारी, नीतू गुप्ता जिलाध्यक्ष, आशू सुहाने महामंत्री, सारिका गुप्ता कोषाध्यक्ष, शालिनी सोनी कार्यक्रम प्रभारी रही। विभा कदेले, सफल सुंदर संचालन एडवोकेट राखी गुप्ता ने किया। निर्णायक मंडल नेहा श्रीवास्तव शिक्षिका, सौम्या राधेलिया डारेक्टर राज पैलेस होटल, दीपाली गुप्ता पूर्व जिला अध्यक्ष, वैश्य महासम्मेलन, कार्यक्रम अतिथि- मंजू अग्रवाल डायरेक्टर ऑफ संस्कार भारती स्कूल, कटनी, अतिथि- सपना सरावगी, वंदना स्वामी, सुनीता नायक, स्नेहलता सोनी, सीमू गांधी, प्रीति सेन, नीलम अरोरा, इंद्र झुडेले, ऊषा नौगरहिया, कार्यक्रम नीतू गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया। विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। एकल गान, समूह नृत्य, मानसून सुंदरी प्रतियोगिता। गायन मे 14 महिलाओं ने भाग लिया, प्रथम- विभा डेंगरे, द्वितीय- नीतू सोनी, तृतीय- अल्का अग्रवाल विजेता रही। समूह नृत्य में पांच ग्रुप में भाग लिया था। प्रथम- तनु गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, द्वितीय-अर्चना सोनी, बिंदु बिलैया, सुनीता जार, रोशनी टीपा, बबीता छिरौल्या, प्रीति सुहाने, तृतीय-दीप जैन, शिल्पा जैन, अनुप्रिया कनकने, प्रीति खंडेलवाल, बेटी शंकर स्वरूप। राधा रुक्मणी जोड़ी- प्रथम- शोभा राय, सारिका तिरसोलिया, पुरस्कृत- कविता नौगरहिया, प्रीति नौगरहिया, पुरस्कृत- तनु गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, मानसून सुंदरी-7 प्रतिभागी रहे। प्रथम- मानसून क्वीन नैना डेंगरे, द्वितीय प्रिंसेस- लक्ष्मी गुप्ता, तृतीय सुंदरी- स्मिता चौदहा, शिल्पा जैन बेस्ट स्माइल, रूपाली गुप्ता बेस्ट हेयरस्टाइल, सरिका गुप्ता बेस्ट डांसर, नम्रता सोनी बेस्ट गेटअप विजेता रही। आभार शालिनी सोनी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में तनमयता से हमारे वरिष्ठ पदाधिकारी, हमारी कार्यकारिणी, प्रभारियों, सभी आजीवन सदस्य, सभी का भरपूर सहयोग रहा।

उत्कृष्ट विद्यालय में किया गया पौधारोपण

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय माधव नगर कटनी के प्राचार्य एम किंडो के जन्मदिन पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण प्रकृति संतुलन बनाए रखने हेतु नाशपाती, नींबू, अमरूद आदि के फलदार पौधे जिला शिक्षा अधिकारी सच्चिदानंद पांडेय सहायक संचालक राजेश अग्रहरि प्राचार्य आलोक पाठक उत्कृष्ट विद्यालय के समस्त शिक्षक कर्मचारी संध्या बेन, शैलबाला मैथ्यूज, रामसिंह बागरी, रमेश सिंह, समिधा त्रिपाठी, रामवती तुड़हा, डॉ परवीन खान, वर्षा गौतम, रूबी भोजक, सपना मिश्रा, नेहा अग्रवाल, राजीव, रंजन, विक्रम, असीम, आभा गौतम, नेहा सोनी, रानी बरकडे, शैलेंद्र पटेल, उमेश, विजय, कर विनीत, शेखर पाठक, जग्गू सिंह, निधि ठाकुर, अखिलेश कुमारी, मनीषा चौधरी, हर्षिका परोहा, तृप्ति परोहा, नारायण मिश्रा, अश्विनी विश्वकर्मा, पायल गुप्ता, विवेक तिवारी, पदम पटेल, अनूप पांडेय, पूर्णेश उइके, रोहित, प्रदीप, अमर, रामेश्वर, विजय आदि की उपस्थिति में पौधारोपण कर मनाया गया और फूलमाला पुष्पगुच्छ शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

फोटो : विकास गुप्ता

भारत ने श्रीलंका पर शिकंजा कसा

कोलंबो (वार्ता)।

भारत ने श्रीलंका पर दूसरे टेस्ट में शिकंजा कस दिया है। तीसरे दिन मंगलवार को कुल 80.4 ओवर फेंके गए, जिसमें 257 रन बने और 6 विकेट गिरे। श्रीलंका की टीम अभी भी 238 रनों से पीछे है। कुल मिला कर मैच में भारत काफ़ी आगे है लेकिन जिस तरह का मौसम है, उस हिसाब से भारत चाहेगा कि कल वह जल्द से जल्द श्रीलंका को ऑलआउट करे और कोशिश करे कि मैच पांचवें दिन तक न पहुंचे। अगर पहुंचे भी तो आख़िरी दिन एक-दो सत्र में खेल ख़त्म हो जाए। श्रीलंका ने कल के दो विकेट पर आठ रन से आगे खेलना शुरू किया था।

श्रीलंका ने डटकर मुकाबला किया

तीसरे दिन का खेल शाम 6:13 बजे तक चलना था, लेकिन बारिश के कारण पहले ही स्टंप्स घोषित करना पड़ा। श्रीलंका ने डटकर मुकाबला किया और वे आज के खेल से काफी खुश होंगे। लेकिन भारत अभी भी 238 रन आगे है और उन्हें यकीन होगा कि वे मैच में काफी आगे हैं। श्रीलंका की लड़ाई दो बल्लेबाजों – पासिंदु सूरियाबंदारा और सोनल दिनुशा – ने संभाली।

सूरियाबंदारा का 76 गेंदों में पहला अर्धशतक

गॉल में पहले टेस्ट में कनकशन सब्स्टीट्यूट (सिर की चोट के कारण विकल्प) के तौर पर खेलने के बाद अपनी दूसरी टेस्ट पारी खेल रहे 23 वर्षीय सूरियाबंदारा ने 76 गेंदों में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। कामिंडु मेंडिस ने सूरियाबंदारा का अच्छा साथ दिया और दोनों ने 87 रन जोड़े, लेकिन लंच से ठीक पहले भारत को सफलता मिली। मेंडिस ने 58 गेंदों में 32 रन बनाए (तीन चौके और एक छक्का), जिसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर रवींद्र जडेजा ने मिड-विकेट पर उनका कैच लपका। सूरियाबंदारा और दिनुशा के बीच एक और छोटी साझेदारी हुई, लेकिन जडेजा ने सूरियाबंदारा को 80 रन पर आउट कर दिया। सूरियाबंदारा, जिन्होंने दिन की शुरुआत में ही अपना पहला टेस्ट अर्धशतक पूरा किया था, अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन जडेजा की एक फुल लेंथ गेंद उनके बल्ले के अंदरूनी किनारे (इनसाइड एज) से लगकर उनकी पिछली जांघ से टकराई और स्टंप्स पर जा लगी।

धनंजय डी सिल्वा आठ रन पर आउट

इसके बाद भारत को एक और सफलता मिली जब मोहम्मद सिराज ने विकेटकीपर निरोशन डिकवेला को ध्रूव जुरेल के हाथों कैच कराकर शून्य पर आउट कर दिया। इससे पहले धनंजय डी सिल्वा आठ रन पर आउट हो गए थे; मानव सुथार की गेंद पर उनका कैच स्लिप में केएल राहुल ने पकड़ा, जबकि गेंद जुरेल के दस्तानों से टकराकर उनके पास पहुंची थी। दिनुशा ने गॉल में जहां छोड़ा था, वहीं से खेलना जारी रखा और उतनी ही पारियों में अपना तीसरा 50 से ज़्यादा का स्कोर बनाया। वे सबसे अच्छे बल्लेबाज दिखे और उन्होंने तेज़ और स्पिन दोनों तरह की गेंदबाजी का बिना किसी परेशानी के सामना किया।

श्रीलंका को अभी लंबा रास्ता तय करना

निचले क्रम में केशरा नुवानथा और लाहिरू कुमारा ने उनका साथ दिया, लेकिन श्रीलंका को अभी लंबा रास्ता तय करना है। भारत ने दूसरी नई गेंद ले ली है और कल बाकी बचे दो विकेट जल्दी गिराने की कोशिश करेगा। स्टंप्स के समय सोनल दिनशा 85 और लाहिरू कुमार आठ रन बनाकर क्रीज पर डटे थे। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने तीन-तीन विकेट झटके जबकि मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला।

वर्ल्ड चैंपियन बनना अब कोई नामुमकिन सपना नहीं है : गायत्री गोपीचंद

नयी दिल्ली (वार्ता)। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने के बाद गायत्री गोपीचंद का यह भरोसा और मज़बूत हो गया है कि वह और ट्रीसा जॉली आगे चलकर विमेंस डबल्स में टॉप पर पहुँच सकती हैं।पिछले 15 सालों में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय विमेंस डबल्स जोड़ी बनने के बाद, गायत्री का मानना है कि नई दिल्ली में उनके प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि वर्ल्ड चैंपियन बनना अब कोई नामुमकिन सपना नहीं है। गायत्री ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि एक दिन हम वर्ल्ड चैंपियन बन सकती हैं। यह भरोसा पिछले कुछ सालों में बड़ी जोड़ियों के खिलाफ़ जीत और ऐसे प्रदर्शन से बना है जिससे पता चलता है कि ट्रीसा-गायत्री दुनिया की बेहतरीन जोड़ियों को टक्कर दे सकती हैं। गायत्री ने कहा, मुझे लगता है कि पिछले कुछ सालों में हमने बहुत अच्छे मैच खेले हैं और हमारा कॉन्फिडेंस बढ़ा है। फिलीपींस चैलेंज के बाद भी, मुझे लगता है कि हमें एक मोमेंटम मिला और वर्ल्ड चैंपियनशिप में आने तक हमें खुद पर और ज़्यादा भरोसा होने लगा था। फिर भी, जब यह बड़ा बैडमिंटन टूर्नामेंट शुरू हुआ, तो गायत्री को मेडल जीतने की कोई खास उम्मीद नहीं थी।

आईसीसी आचार संहिता तोड़ने के लिए प्रभात जयसूर्या को लगी फटकार

कोलंबो (वार्ता)। श्रीलंका के स्पिनर प्रभात जयसूर्या भारत के खिलाफ दूसरे आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैच के दौरान हुई एक घटना के लिए सज़ा पाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। जयसूर्या को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन करते हुए पाया गया। यह अनुच्छेद अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के सामान या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। उन्हें आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई है और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया है। 24 महीने की अवधि में यह जयसूर्या का पहला अपराध था। यह घटना सोमवार (24 अगस्त) को दिन की आखिरी गेंद पर जयसूर्या के आउट होने के बाद हुई, जब पवेलियन लौटते समय उन्होंने अपने बल्ले से बाउंड्री वेजेज (सीमा पर लगे विज्ञापन बोर्ड) पर प्रहार किया। जयसूर्या ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित सज़ा को भी मान लिया। मैदान पर मौजूद अंपायर अहसान रज़ा और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, तीसरे अंपायर रॉड टकर और चौथे अंपायर प्रगीथ रामबुकवेला ने यह आरोप लगाया। जयसूर्या कोलंबो टेस्ट से दुष्टष्ट द्वारा सज़ा पाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले यशस्वी जायसवाल और असिता फर्नांडो को मैच के शुरुआती दिन हुई एक घटना में शामिल होने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था। मैदान पर हुई उस बहस के कारण उन्हें एक-एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया था। यह घटना भारत की पहली पारी के 17वें ओवर में फर्नांडो द्वारा जायसवाल को आउट करने के बाद हुई। भारतीय बल्लेबाज़ फर्नांडो की ओर बढ़े और दोनों के बीच कुछ कहा-सुनी हुई, जिसके बाद फर्नांडो ने अपना सिर जायसवाल की ओर बढ़ाया। इसके जवाब में जायसवाल भी आगे बढ़े, जिससे उनके सिर आपस में टकरा गए।

फोंसेका ने यूएस ओपन से नाम वापस लिया

न्यूयॉर्क (वार्ता)। जोआओ फोंसेका ने सोमवार को घोषणा की कि वह यूएस ओपन से हट गए हैं। एटीपी रैंकिंग में 26वें नंबर के खिलाड़ी ने अपने पेट में चोट का हवाला दिया। ब्राजीलियाई खिलाड़ी ने सिनसिनाटी में अपने शुरुआती मैच में बोटिक वैन डी ज़ैंड्सचुल्प को हराया, लेकिन तीसरे दौर से पहले ही पीछे हट गए। फोंसेका ने इंस्टाग्राम पर लिखा, सभी को नमस्कार। मैं आप सभी को अपडेट देना चाहता था। परीक्षण कराने और अपने पेट का इलाज शुरू करने के बाद, मुझे और मेरी टीम को यह स्पष्ट हो गया कि मुझे पूरी तरह से ठीक होने के लिए और अधिक समय चाहिए।

रविचंद्रन अश्विन, अजिंक्य रहाणे समेत कई सितारे आएंगे नजर

यूरोपियन टी-20 प्रीमियर लीग

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे और दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन समेत कई अंतरराष्ट्रीय सितारे यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के पहले संस्करण में खेलते नजर आएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 26 अगस्त से होगी। आईसीसी से मंजूरी प्राप्त इस टी20 प्रतियोगिता में छह शहर आधारित फ्रेंचाइजी होंगी। जिसमें आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स से दो-दो टीमें हिस्सा लेंगी। ईटीपीएल 2026 का आयोजन 26 अगस्त से 20 सितंबर तक होगा। पहले सीजन में इंग्लैंड और वेल्स की कोई फ्रेंचाइजी नहीं होगी। हालांकि, इन दोनों देशों के खिलाड़ी विदेशी खिलाड़ियों के तौर पर ईटीपीएल की टीमों का हिस्सा बन सकते हैं। टूर्नामेंट में स्टीव स्मिथ, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, फाफ डु प्लेसिस, हेनरिक क्लासेन, ट्रेंट बोल्ट, लियाम लिविंगस्टोन और डेविड मिलर जैसे बड़े नाम भी खेलेंगे। क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन डबलिन गार्डियंस की कप्तानी करेंगे। वहीं मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल सैंटनर, जॉर्ज मुन्से और फाफ डु प्लेसिस क्रमशः एम्स्टर्डम फ्लेम्स, बेलफास्ट वोल्व्स, एडिनबर्ग कैसल रॉकर्स, ग्लासगो कॉस्मिक और रोटर्डम डॉकर्स की कप्तानी करेंगे। ईटीपीएल 2026 की फ्रेंचाइजी के मालिकाना ग्रुप में भी कई जाने-माने नाम शामिल हैं। पूर्व भारतीय कप्तान और टी20 वर्ल्ड कप विजेता कोच राहुल द्रविड़ डबलिन गार्डियंस फ्रेंचाइजी से जुड़े हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्टीव वॉ एम्स्टर्डम फ्लेम्स के ओनर में शामिल हैं। उनके साथ हॉकी दिग्गज और एथेंस 2004 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जेमी ड्वायर भी फ्रेंचाइजी के सह-मालिक हैं। बेलफास्ट वोल्व्स की कप्तानी करने वाले ग्लेन मैक्सवेल भी टीम के सह-मालिक हैं। वहीं, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ग्लासगो कॉस्मिक के सह-मालिक और मुख्य कोच हैं।

लीग स्टेज में सभी छह टीमें एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी।

ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन का आईपीओ 28 अगस्त को खुलेगा

नयी दिल्ली (वार्ता)। आईटी समाधान प्रदान करने वाली कंपनी ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 28 अगस्त को खुलेगा और 01 सितंबर तक उपलब्ध रहेगा। कंपनी ने एक रुपये अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर का मूल्य दायरा 408 रुपये से 429 रुपये तय किया है। प्रत्येक बोलीदाता को कम से कम 34 इक्विटी शेयर के लिए और उसके बाद 34 के गुणांक में बोली लगानी होगी। आईपीओ से पहले कंपनी के इक्विटी शेयरों की संख्या 10,04,27,753 है। कंपनी की योजना अधिकतम 720 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की है।

पीयूष गोयल ने जापान से संस्थागत पूंजी के अधिक निवेश का आमंत्रण दिया

जापानी संस्थानों ने भारत की दीर्घकालिक संभावनाओं में विश्वास जताया

नयी दिल्ली (वार्ता) केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को टोक्यो में जापान के अहम वित्तीय और निवेश संस्थानों के प्रमुखों के साथ जापान से भारत में दीर्घकालिक पूंजी निवेश के प्रवाह को मजबूत करने, निवेश साझेदारी को परिपुष्ट करने और भारत के विकास में जापान की भागीदारी का विस्तार करने पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि श्री गोयल ने भारत में सेमीकंडक्टर, एआई, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल बुनियादी ढांचे में भारत के मजबूत विकास के आधारभूत सिद्धांतों और अवसरों पर भी चर्चा की। मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि जापानी वित्तीय संस्थानों ने भारत में दीर्घकालिक विश्वास जताया तथा पूंजी प्रवाह और लाभ को वापस लाने के नियमों को और सुगम बनाने का सुझाव दिया। विज्ञप्ति के अनुसार इस बैठक में एमयूएफजी, डेवलपमेंट बैंक ऑफ जापान (डीबीजे), मिज़ुहो, मॉर्गन स्टेनली, नोमुरा और निप्पॉन लाइफ के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। चर्चा के मुख्य विषय में भारत का आर्थिक दृष्टिकोण, उभरते निवेश के अवसर और भारत में जापानी संस्थागत निवेश को और अधिक सुगम बनाने के उपाय शामिल थे। श्री गोयल ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और अनुकूलता का उल्लेख करते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत ने पिछले वर्ष 7.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और वर्ष 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में कार्य कर रहा है।

उन्होंने सतत आर्थिक विकास के प्रमुख कारकों के रूप में भारत के बैंकिंग क्षेत्र की मजबूती, मजबूत पूंजी पर्याप्तता, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) का निम्न स्तर, बढ़ते मध्यम वर्ग और बढ़ती उपभोग योग्य आय का उल्लेख किया। उन्होंने सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, उन्नत विनिर्माण और डिजिटल अवसंरचना में जापानी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण अवसरों पर प्रकाश डाला।

पाक के खिलाफ खेलने का दबाव अलग होता है : हरमनप्रीत

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारतीय महिला क्रिकेट कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ खेलने का दबाव अलग ही होता है और वैसा दबाव कहीं और महसूस नहीं होता। हरमनप्रीत ने सोनी स्पोर्ट्स के एक्स्ट्रा इनिंग्स शो में एक साक्षात्कार में एशिया कप खेलने के बारे में पूछे जाने पर कहा, एशिया कप हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। मुझे लगता है कि इस साल यह और भी बड़ा होगा क्योंकि जब आप लगातार अच्छा क्रिकेट खेलते हैं, तो आपके प्रशंसक और दर्शक और भी ज़्यादा उम्मीदें रखते हैं, इसलिए ज़ाहिर है कि दबाव बहुत ज़्यादा होगा।

माल ढुलाई के लिए विदेशी जहाजों पर निर्भरता कम करेगा भारत

100 नये जहाज शामिल करने की योजना

नयी दिल्ली (वार्ता)। पश्चिम एशिया में पिछले कुछ समय से बनी स्थिति और होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने में आ रही बाधाओं के बीच राष्ट्रीय शिपिंग बोर्ड (एनएसबी) ने विदेशी जहाजों पर निर्भरता कम करने के लिए 100 नये जहाजों को अपने बेड़े में शामिल करने की योजना बनायी है। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को बोर्ड के पहले सागर संवाद कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने इस मौके पर एनएसबी की वेबसाइट भी लॉन्च की। कार्यक्रम में श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया और बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर भी शामिल हुए। राष्ट्रीय शिपिंग बोर्ड ने अपने वाणिज्यिक जहाज बेड़े में 100 नये जहाज जोड़ने सहित पांच सूत्रीय रोडमैप पर जोर दिया। वर्ष 2030 के लिए समुद्री भारत विजन और 2047 के लिए समुद्री अमृत काल विजन की दिशा में रोडमैप तैयार करना विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, जहाज मालिक, वित्तीय क्षेत्र के प्रतिनिधि और देश के समुद्री प्रशिक्षण संस्थानों के युवा कैडेट शामिल हुए। श्री सोनोवाल ने समुद्री प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ विशेष संवाद किया और उनके सवालों के जवाब दिये। उन्होंने 10,000 करोड़ रुपये की कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग असिस्टेंस स्कीम की सफलता का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि वैश्विक शिपिंग कंपनी मर्सक अब भारत में निर्मित कंटेनरों के ऑर्डर दे रही है। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रीय शिपिंग बोर्ड के पांच सूत्रीय रोडमैप – वित्तीय सुधार, सुनिश्चित कार्गो सहायता, प्रतिस्पर्धी वित्त की उपलब्धता, नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाना और कारोबार में वास्तविक सुगमता – का स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि ये पांच अलग-अलग मांगें नहीं हैं, बल्कि यह उस राष्ट्र की आर्थिक संरचना है जो अब अपने व्यापार को स्वयं नियंत्रित करना चाहता है। दिन के दूसरे सत्र में समुद्री श्रम शक्ति-अवसर और चुनौतियां विषय पर चर्चा हुई। इसकी अध्यक्षता श्री मांडविया ने की। उन्होंने कहा कि देश का समुद्री क्षेत्र देश के युवाओं के लिए रोजगार का एक बड़ा इंजन बन सकता है। भारत को दुनिया में कुशल नाविकों की आपूर्ति करने वाला अग्रणी देश बनाया जा सकता है। भारतीय टन भार में वृद्धि-अवसर और चुनौतियां विषय पर पैनल चर्चा की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि भारत हर साल विदेशी शिपिंग कंपनियों को माल ढुलाई के रूप में करीब 75 अरब डॉलर देता है। इन जहाजों के जरिये हमारे कच्चे तेल, गैस, कोयला और यूरिया जैसे महत्वपूर्ण सामानों की ढुलाई होती है।

चीनी 94 रुपये महंगी अन्य जिंसों के दाम घटे

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चीनी की कीमतों में तेजी का क्रम जारी रहा। चीनी के साथ गुड़ और सरसों तेल के दाम भी बढ़ गये जबकि अन्य जिंसों में नरमी का रुख रहा। मीठे के बाजार में चीनी की औसत कीमत 94 रुपये बढ़कर 5,924 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। इसमें लगातार सातवें दिन तेजी रही है। गुड़ का औसत भाव भी 48 रुपये बढ़कर 5,891 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 32 रुपये गिरकर 4,094 रुपये प्रति क्विंटल हो गयी। गेहूं 2,837 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटे की कीमत भी स्थिर रही। दाल-दलहनों में उड़द दाल की औसत कीमत 37 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। मूंग दाल 25 रुपये और तुअर दाल 15 रुपये सस्ती हुई। मसूर दाल के दाम नौ रुपये और चना दाल के छह रुपये प्रति क्विंटल घट गये। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पैगम्बर मोहम्मद की जयंती पर अवकाश रहा। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.66 प्रतिशत लुढ़ककर 66.19 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।

अंतिम समय में लिवाली से चढ़ा शेयर बाजार

प्रमुख सूचकांक एक सप्ताह के उच्चतम स्तर पर

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को लगभग पूरे दिन गिरावट में रहने के बाद आखिरी घंटे में हुई लिवाली से प्रमुख सूचकांक एक सप्ताह से अधिक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गये। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स करीब 74 अंक गिरकर 77,295 अंक पर खुला। यह ऊपर 77,666 अंक और नीचे 77,126 अंक तक गया। अंत में पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 286.98 अंक (0.37 प्रतिशत) ऊपर 77,656.09 अंक पर बंद हुआ जो 17 अगस्त के बाद का इसका उच्चतम स्तर है। बाजार में अंतिम एक घंटे में लिवाली देखी गयी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 115.50 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की बढ़त में 24,334.55 अंक पर पहुंच गया। यह इसका भी 14 अगस्त के बाद का उच्चतम स्तर है। इसका ग्राफ भी लगभग सेंसेक्स जैसा ही रहा। वृहत बाजार में भी अधिकतर सूचकांक हरे निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 में 0.44 प्रतिशत की तेजी देखी गयी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.10 प्रतिशत फिसल गया। सेक्टर आधारित सूचकांकों में आईटी, फार्मा, स्वास्थ्य, ऑटो, वित्त, सार्वजनिक बैंक, एफएमसीजी, मीडिया और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में एक प्रतिशत तक की तेजी रही। निजी बैंक और धातु समूहों के सूचकांक लाल निशान में रहे। एनएसई में जिन 3,637 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,842 में तेजी और 1,672 में गिरावट रही। अन्य 123 कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर हरे निशान में बंद हुए। इंडिगो का शेयर 2.05 प्रतिशत की बढ़त में रहा। अडानी पोर्ट्स का शेयर 1.19 प्रतिशत, इंफोसिस का 1.15, ट्रेंट का 1.10 और टाइटन का 0.98 प्रतिशत मजबूत हुआ। भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, आईटीसी, बीईएल, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टीसीएस और एशियन पेंट्स के शेयर भी हरे निशान में रहे।

इटरनल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और पावरग्रिड के शेयर नीचे बंद हुए। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.50 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.19 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। हालांकि हांगकांग का हैंग सेंग 0.02 प्रतिशत टूट गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.82 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.18 प्रतिशत ऊपर था।

बाबा महाकाल की कृपा से सिंहस्थ-2028 का आयोजन भव्य और दिव्य होगा : डॉ यादव

सिंहस्थ से पहले विकास कार्यों से उज्जैन नगरी स्वर्ग से भी सुंदर नजर आएगी

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

बाबा महाकाल की कृपा से सिंहस्थ-2028 महापर्व का आयोजन भव्य, दिव्य, अद्भुत और अलौकिक होगा। सिंहस्थ के दृष्टिगत उज्जैन में किए जा रहे विकास कार्यों से महापर्व के पूर्व उज्जैन का सुंदर और सुव्यवस्थित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल के दायित्व ग्रहण समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ के लिए संत, प्रशासन, संगठन सभी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपनी भूमिका का निर्वहन करे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संत-महात्माओं के मार्गदर्शन में शासन-प्रशासन द्वारा सिंहस्थ महापर्व के लिए श्रद्धालुओं एवं साधु-संतों की सुविधा और सेवा के लिए चाक-चौबंद व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सिंहस्थ का आयोजन सभी की सहभागिता से होगा। जिन किसानों के पास भूमि उपलब्ध है, वे अपनी भूमि पर स्कूल, अस्पताल और हॉस्टल जैसी सुविधाएं विकसित करें, इसमें सरकार सहयोग करेगी।

उज्जैन के साथ गौरव जुड़ा हुआ है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के साथ गौरव जुड़ा हुआ है और सनातन धर्म की पहचान संत-महात्माओं के कारण बनी है। उन्होंने सिंहस्थ की तैयारियों के लिए किए जा रहे विकास कार्यों में सभी वर्गों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि विभिन्न धर्मों के लोगों ने धर्मस्थलों के लिए अपनी जगह उपलब्ध कराकर सहयोग किया है। अनेक नागरिकों ने अपने मकान और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जगह भी स्वेच्छा से उपलब्ध कराई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में उज्जैन के अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों का भी विकास किया जाएगा, जिससे ये धार्मिक स्थल और अधिक भव्य स्वरूप में नजर आएंगे।

सिंहस्थ महापर्व आस्था और विश्वास का केंद्र

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद संत बालयोगी उमेश नाथ महाराज ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का केंद्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का ध्यान सिंहस्थ को भव्य स्वरूप देने पर केंद्रित है। स्थानीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत श्री रामेश्वरदास महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। वर्ष 2028 का कुंभ भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में आगामी सिंहस्थ महापर्व का आयोजन अद्भुत होगा। सांसद अनिल फिरोजिया ने संबोधित करते हुए कहा कि सिंहस्थ महापर्व सनातन धर्म का विश्व का सबसे बड़ा मेला है। आयोजन की तैयारियों भी उसी के अनुरूप की जा रही है। श्री फिरोजिया ने कहा कि महाकाल लोक बनने के बाद बाबा महाकाल का आभा मंडल विश्व में प्रचारित हुआ है। सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में सिंहस्थ पर्व की ऐतिहासिक आयोजन की तैयारी शुरू हो गयी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के विकास के लिए कृतसंकल्पित हैं। सिंहस्थ के आयोजन में हम सभी मेजबान की भूमिका में हैं।

पूजन कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ग्रहण किया दायित्व

सिंहस्थ मेला कार्यालय परिसर में आयोजित दायित्व ग्रहण समारोह में जगदीश अग्रवाल ने संत-महंतों की उपस्थिति में अध्यक्ष कक्ष में भगवान महाकाल की तस्वीर का पूजन-अर्चन किया। इसके बाद शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने अध्यक्ष पद का दायित्व ग्रहण किया। कार्यक्रम में महापौर मुकेश टटवाल, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। समारोह में महंत भगवान दास महाराज निर्मोही अखाड़ा, महंत दिग्विजय दास निर्वाणी अखाड़ा, महंत दिग्विजय दास महाराज दिगंबर अखाड़ा, महंत देवगिरी महाराज अटल अखाड़ा, महंत करणपुरी महाराज आवाहन अखाड़ा, मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओम जैन, मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष सौभाग्य सिंह, उज्जैन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मुकेश यादव, पूर्व विधायक राजेंद्र भारती, रामलाल मालवीय, जगदीश पांचाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा से होगा विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त : परमार

मंत्री परमार की अध्यक्षता में कर्मयोगी बनें' के अंतर्गत क्षमता निर्माण योजना को लेकर हुआ व्यापक मंथन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि राष्ट पुनर्निर्माण के महायज्ञ में शिक्षा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और हमारा मुख्य केंद्रबिंदु विद्यार्थी है, इसलिए उच्च शिक्षा में होने वाला प्रत्येक परिवर्तन विद्यार्थी के सर्वांगीण हित और विकास को ध्यान में रखकर होना चाहिए। शिक्षा केवल उपाधि प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व, संस्कार, नैतिक मूल्यों और जीवन-दृष्टि के निर्माण का माध्यम है। विद्यार्थियों को रोजगार एवं कौशल के लिए सक्षम बनाने के साथ उनमें मानवीय संवेदनाएं, नैतिक मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करना भी आवश्यक है। हमारा ध्येय केवल रोजगार प्राप्त करने वाली पीढ़ी तैयार करना नहीं, बल्कि ज्ञानवान, कुशल, संवेदनशील, चरित्रवान और राष्ट के प्रति अपने दायित्वों को समझने वाले श्रेष्ठ नागरिकों का निर्माण करना होना चाहिए। मंत्री श्री परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में अग्रणी राज्यों में रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति करोड़ों शिक्षाविदों की सहभागिता, व्यापक विचार-विमर्श और अनुभवों से निर्मित हुई है। इसी सहभागी भावना के साथ मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा में 'मिशन कर्मयोगी बनें' की भावना को समाहित करते हुए देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उच्च शिक्षा में क्षमता निर्माण के लिए तैयार किए जा रहे व्यापक ढांचे को प्रभावी, व्यावहारिक और परिणामोन्मुख बनाने में प्राध्यापकों, शिक्षाविदों और शिक्षा जगत की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उनके अनुभव, कार्यक्षेत्र की वास्तविक चुनौतियां और सुझाव उच्च शिक्षा व्यवस्था को चुनौतियों से समाधान की दिशा में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उच्च शिक्षा सहित प्रत्येक क्षेत्र में उत्तरदायित्व और जवाबदेही सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है, क्योंकि बेहतर कार्यसंस्कृति और उत्कृष्ट परिणाम तभी संभव हैं, जब प्रत्येक व्यक्ति अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा, दक्षता और संवेदनशीलता के साथ करे। आज की कार्यशाला में महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित प्रश्नों के माध्यम से प्राप्त सुझाव निश्चित रूप से क्षमता निर्माण की भावी रूपरेखा तैयार करने में सहायक सिद्ध होंगे और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मिशन कर्मयोगी' के उद्देश्यों को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कर्मयोगी की भावना केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि निरंतर सीखने, अपनी क्षमताओं को विकसित करने, नवाचार करने, उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने और श्रेष्ठ परिणाम देने की प्रतिबद्धता है।

मंत्री श्री परमार मंत्रालय में 'कर्मयोगी बनें' के अंतर्गत क्षमता निर्माण योजना पर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि ज्ञान आधारित शिक्षा के माध्यम से भारत को वर्ष 2047 तक विकसित, समर्थ और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के संकल्प को गति दी जा सकती है। भारत को पुनः विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए शिक्षा को ज्ञान, कौशल, रोजगार, अनुसंधान और नवाचार के साथ नैतिकता, संस्कार, संवेदना और राष्ट्रबोध से जोड़ना आवश्यक है।

जनसुनवाई में 212 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने मंगलवार को जनसुनवाई में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस दौरान सामान्य जनसुनवाई में 212 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समय.सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 15 आधार अपडेशन एवं 150 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही जनसुनवाई के दौरान कुछ सामूहिक आवदेन भी दिए गए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारेए अपर कलेक्टर राकेश मोहन त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर रचना प्रजापति, डिप्टी कलेक्टर रानी अहिरवार सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। जनसुनवाई में शासकीय जनजातीय बालक छात्रावासो के सफाई और रसोईयों ने छह माह से मजदूरी का भुगतान नहीं होने की शिकायत की। आवेदक पिछले 10 वर्षों से छात्रावास में कार्यरत हैं। शिकायत पर कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने जनजातीय कार्य विभाग के संबंधित अधिकारियों को मजदूरी का तत्काल भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में स्वयं चलने फिरने में असमर्थ विकासखण्ड हटा के ग्राम करैया मोहरई से पहुंचे एक आवेदक विश्वनाथ आदिवासी ने दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कलेक्टर के समक्ष अपनी समस्या रखी।

एंबुलेंस सेवा में लापरवाही पर 2.23 लाख का अर्थदंड

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा पिपरिया मिसर गांव की रोशनी बाई लोधी पति टंडन लोधी द्वारा एंबुलेंस के लिए कॉल की गई थी लेकिन एंबुलेंस के विलंब से पहुंचने के कारण उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ा। मामले की रिपोर्ट भोपाल स्वास्थ्य विभाग को भेजी गई जिसके आधार पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इस प्रकरण में 2,23,819 रूपये का अर्थदंड आरोपित किया गया है। कलेक्टर ने कहा संबंधितों को भविष्य में इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न न होने की सख्त हिदायत दी गई है। आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लापरवाही सामने आने पर आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए लगातार आकस्मिक निरीक्षण किए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अस्पताल समय पर खुलें, डॉक्टर एवं स्टाफ निर्धारित समय पर उपलब्ध रहें तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। कलेक्टर ने कहा शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक दवाएं अस्पतालों में उपलब्ध रहना चाहिए।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम आरंभ

दमोह (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषदए जिला दमोह द्वारा विकासखंड दमोह के शासकीय ज्ञानचंद श्रीवास्तव स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भारती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत दमोह की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राजू ठाकुर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत दमोह के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हलधर मिश्रा, मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील नामदेव एवं ब्लॉक समन्वयक श्रीमती वंदना जैन उपस्थित रही। मुख्य अतिथि प्रीति राजू ठाकुर ने कहा कि विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर उन्होंने समाज एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं अभियानों के प्रभावी क्रियान्वयन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में योगदान दें। जनपद पंचायत दमोह के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हलधर मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह पाठ्यक्रम विभिन्न विषयों को समाहित करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं क्षमताओं के विकास का सशक्त माध्यम बनेगा। इसके माध्यम से समाज की समस्याओं के समाधान हेतु प्रभावी नेतृत्व तैयार हो रहा है।

इस अवसर पर जिला समन्वयक सुशील नामदेव ने पाठ्यक्रम के विषय में जानकारी दी उन्होंने बताया कि यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार किया गया है जिसका उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति तथा प्रभावी सामुदायिक नेतृत्व का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक शैक्षणिक डिग्री नहींए बल्कि समाज से जुड़कर उसकी समस्याओं को समझने और उनके समाधान हेतु कार्य करने की व्यवहारिक शिक्षा प्रदान करता है। कार्यक्रम के प्रारंभ में ब्लॉक समन्वयक वंदना जैन ने मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम की अवधारणा एवं उद्देश्य से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्वए नेतृत्व क्षमता एवं सामुदायिक सहभागिता को विकसित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। अंत में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री एवं पुस्तकों का वितरण किया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता दयाराम पटैल, राहुल खरे, भावना दुबे एवं राजकुमार सेन सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आकस्मिक निरीक्षण में 22 कर्मचारी अनुपस्थित

तीन दिवस का वेतन काटने के निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)।

अधिकारियों-कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा शासकीय संस्थानों की कार्यप्रणाली को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुल 22 अधिकारी-कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित कर्मचारियों का तीन दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिए गए हैं। अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों में विपणन अधिकारी अनुज शुक्ला, कार्यालय अधीक्षक संजय हजारी, सहायक लेखापाल श्याम बिहारी पालीवाल, बैंकिंग सहायक शुभम सिंह, ओम प्रकाश सेन, केशव मिश्रा, मेघा नहारिया, रूबी राज, राहुल चौबे, राधा रैंगरए ममता तिवारी, राजकिशोर तिवारी, कविता ठाकुर एवं श्रेया अग्रवाल शामिल हैं। इसके अलावा वाहन चालक झल्लू रैकवार एवं जमना पटेल, इन्फेटरी मैनेजर राजेश सोनी, सहकारी प्रशिक्षु शेफाली चौराहा, इलेक्ट्रीशियन गोविंद नेमा, पियून वीरू प्रजापति, राज पटेल एवं नीतेश पाठक भी निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए।

तीन दिन का वेतन रोका

निरीक्षण के दौरान सहकारी निरीक्षक मनीष अहिरवार बिना किसी सूचना के कार्यालय से अनुपस्थित पाए गए। अनधिकृत अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी को कार्यालयीन कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। आदेशानुसार जवाब प्राप्त होने तक कलेक्टर के निर्देशानुसार तीन दिवस का वेतन रोके जाने की कार्रवाई की गई है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग अधारताल जिला जबलपुर

राजस्व प्रकरण क्रमांक 0020/अपील/26-27

अविनाश शंकर त्रिवेदी पिता स्व. श्री आनंद शंकर त्रिवेदी निवासी म.नं. 1540 आनंद भवन राइट टाउन स्टेडियम के पास जबलपुर

...आवेदक

विरूद्ध

1. श्रीमती गीता मिश्रा पति अनुकूल मिश्रा निवासी बी-1 अतुल बिहार अपार्टमेंट राईट टाउन जबलपुर 2. श्रीमती श्यामा तिवारी पति दीपक शोधन तिवारी निवासी डी बिहार राईट टाउन जबलपुर 3. श्री दिनेश कुमार दबे पिता लक्ष्मीनारायण दबे निवासी 675/4 लक्ष्मीनारायण कमला नेहरु नगर जबलपुर 4. श्रीमती सुशीला अग्रवाल पति महेशचंद अग्रवाल निवासी 1553/बी.डॉ. मुखर्जी के बास राईट टाउन जबलपुर 5. श्री मनोज ग्रोवर पिता के के ग्रोवर निवासी फलेट क्र बीबी-5 फेस-1 तृतीय तल अतुल बिहार जबलपुर 6 श्री सुधीर बेडेकर पिता स्व. डी. एम. बेडेकर निवासी सी-7 तृतीय तल अतुल बिहार राईट टाउन जबलपुर 7. श्रीमती सात्थभामा पति इन्द्रभान मिश्रा निवासी ब्लाक नं. सी तृतीय तल फ्लेट क्र. सी-8 राईट टाउन जबलपुर 8. श्री आर सुरेश अय्यर पिता एम रामनाथ अय्यर जबलपुर 9. श्री राजेन्द्र मिश्रा पिता शिवमूर्ति मिश्रा निवासी ब्लाक सी-7 प्रथम तल अतुल बिहार अपार्टमेंट जबलपुर............ अनावेदक

सूचना एवं प्रकाशन

एतद द्वारा प्रतिअपीलार्थीगणों एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी श्री अविनाश शंकर त्रिवेदी पिता स्व. श्री आनंद शंकर त्रिवेदी निवासी म.न. 1540 आनंद भवन राइट टाउन स्टेडियम के पास जबलपुर द्वारा (1) न्यायालय तहसीलदार अधारताल 1263/अ-6/2022-23 में पारित आदेश दिनाक 02.02.2023 (2) न्याया तहसीलदार अधारताल के प्रकरण क्र. 642/अ-6/2023-24 में पारित आदेश दिनाक 13.06.2023 (3) न्याया अधी भू अभि डाय के प्रकरण क्रमांक 321/अ-6/2021-22 में पारित आदेश दिनांक 07.10.2021 (4) न्याया तहसीलार अधारताल के प्रकरण क्रमांक 687/अ-6/2025-26 में पारित आदेश दिनांक 17.06.2025 (5) न्याया अधी भू अभि डाय के प्रकरण क्रमांक 323/अ-6/2021-22 में पारित आदेश दिनाक 05.10.2021 (6) न्याया अधी भू अभि डाय के प्रकरण क्रमांक 437/अ-6/2021-22 में पारित आदेश दिनांक 29.10.2021 (7) न्याया अधी भू अभि डाय के प्रकरण क्रमांक 493/अ-6/2021-22 में पारित आदेश दिनांक 27.10.2021 (8) न्याया तहसीलदार अधारताल के प्रकरण क्रमांक 071/अ-6/2021-22 में पारित आदेश दिनांक 10.06.2022 (9) न्याया तहसीलदार अधारताल के प्रकरण क्रमांक 1654/अ-6/2023-24 में पारित आदेश दिनांक 11.12.2023 परिवेदित होकर अपील म.प्र.भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 को तहत प्रस्तुत की है।

प्रतिअपीलार्थीगणों एवं वादग्रस्त भूमि मोजा सुभाष नगर नंबं 773 पह.नं. 31 डायवर्सन शीट 152/डी प्लांट नं. 463/1 रकबा 3591.38 वर्गफुट भूमि पर हित रखने वालों को सूचित किया जाता है कि प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 09.09.2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष एवं दावे आपत्तियां लिखित में पेश करें। नियत तिथि के उपटांत कोई भी दाया एवं आपत्ति मान्य नहीं की जायेगी तथा प्रकरण में अग्रेतर कार्यवाही की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

आज दिनांक 24.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग अधारताल जिला जबलपुर

पीड़ित को 'केस' नहीं, व्यक्ति मानकर हो महिला सुरक्षा और न्याय की व्यवस्था

सर्वाइवर सेन्ट्रिक स्ट्रेटजी पर राज्य स्तरीय मंथन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

महिला सुरक्षा और न्याय की व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, प्रभावी और पीड़ित-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग एवं जनसाहस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को च्सर्वाइवर सेन्ट्रिक स्ट्रेटजी एवं जस्टिसज्ज विषय पर राज्य स्तरीय एक दिवसीय रणनीतिक संवाद कार्यशाला हुई। कार्यशाला में पुलिस, विधिक सेवा, चिकित्सा, बाल संरक्षण एवं महिला सुरक्षा से जुड़े विभागों के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने पीड़ित महिला को शिकायत से लेकर न्याय, उपचार, कानूनी सहायता, मनोसामाजिक सहयोग और सम्मानजनक पुनर्वास तक समग्र सहायता उपलब्ध कराने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया।

पीड़िता की गरिमा और संवेदनशीलता को प्राथमिकता

कार्यशाला में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि महिला हिंसा से जुड़े किसी भी प्रकरण में पीड़िता को केवल एक 'केस' या प्रकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में देखा जाए। उसकी सुरक्षा, गरिमा, गोपनीयता, मानसिक स्वास्थ्य, न्याय और आर्थिक आत्मनिर्भरता को समान प्राथमिकता देते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिसमें विभिन्न विभागों और संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय हो और पीड़िता को सहायता प्राप्त करने के लिए बार-बार अपनी पीड़ा दोहराने के लिए मजबूर न होना पड़े।

स्वावलंबन और साइबर सुरक्षा पर बल

आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने कहा कि हिंसा के अनेक रूप हैं और समाज को हर प्रकार की हिंसा के विरुद्ध मजबूती से खड़ा होना होगा। महिलाओं का स्वावलंबी और सशक्त होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महिला आयोग महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों की चुनौती भी बढ़ रही है, इसलिए महिलाओं को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने पाठ्यक्रम में महिला क्रांतिकारियों और उनके संघर्षों को शामिल करने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे नई

पीढ़ी महिलाओं के योगदान और संघर्ष से प्रेरणा ले सकेगी।

संवेदनशील सुनवाई और पुनर्वास की आवश्यकता

मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष निवेदिता शर्मा ने कहा कि महिलाओं और बच्चों से जुड़े किसी भी प्रकरण में सबसे पहले संवेदनशीलता के साथ पीड़ित की बात सुनी जानी चाहिए। प्रकरण की वास्तविक परिस्थितियों को समझने के लिए उसके सामाजिक और पारिवारिक परिवेश को जानना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया का पालन करने के साथ पीड़ित के पुनर्वास को भी समान प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने मामलों में आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया की कमियों को दूर करने तथा महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े विभागों के संयुक्त प्रशिक्षण और बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने काउंसलिंग को भी पीड़ित सहायता व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

जरूरतों के अनुरूप सहायता और संवेदनशील काउंसलिंग

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव सुमन श्रीवास्तव ने कहा कि पीड़ित की वास्तविक जरूरतों को समझकर उसी के अनुरूप सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। अनावश्यक हस्तक्षेप या ओवरस्टेपिंग से बचना जरूरी है। विशेष रूप से दिव्यांग पीड़ितों के मामलों में उनकी परिस्थितियों को समझते हुए संवेदनशील काउंसलिंग और सहायता व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

संयुक्त प्रशिक्षण और ई-फाइलिंग पर जोर

डीआईजी कम्युनिटी पुलिसिंग विनीत कपूर ने महिला और बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में पुलिस व्यवस्था के स्तर पर आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों और अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने पुलिस, महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े विभागों तथा विभिन्न पुलिस विंग के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता बताई। उन्होंने मेडिकल रिपोर्ट एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों की प्रभावी ई-फाइलिंग तथा पुलिस, चिकित्सा, विधिक सहायता और समुदाय के साथ काम करने वाली संस्थाओं के बीच निरंतर संवाद की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि पीड़ित को मुख्यधारा में लौटने तक सहायता मिलती रहे।

अस्पताल स्तर से ही सम्मानजनक व्यवहार की शुरुआत

डीसीपी, पुलिस कमिश्नरेट भोपाल मंजू लता खत्री ने महिला हिंसा के मामलों में संवेदनशील पुलिस रिस्पोंस को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जब कोई पीड़ित महिला अस्पताल पहुंचती है, तब उसके सम्मान और गरिमा की रक्षा की प्रक्रिया अस्पताल के गेट पर मौजूद सुरक्षा गार्ड से ही शुरू हो जानी चाहिए। पीड़िता के साथ व्यवहार के प्रत्येक स्तर पर संवेदनशीलता और सम्मान सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

समयबद्ध न्याय और विभागों के बीच समन्वय

कार्यशाला के प्रथम सत्र में मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग के सदस्य सचिव सुरेश तोमर ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अन्याय एवं विभिन्न प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए समय पर सहायता और न्याय उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों और संस्थाओं के बीच प्रभावी समन्वय महत्वपूर्ण है।

आर्थिक आत्मनिर्भरता से ही संभव है सम्मानजनक पुनर्वास

कार्यशाला में महिला-केंद्रित मेडिको-लीगल सहायता, पुलिस रिस्पांस, कानूनी सहायता, मनोसामाजिक परामर्श और आर्थिक पुनर्वास जैसे विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने कहा कि चिकित्सा परीक्षण, पुलिस कार्रवाई और न्यायिक प्रक्रिया के दौरान महिला की गरिमा, गोपनीयता और मानसिक स्थिति का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **GHAZANFAR HUSAIN** I, HAVE CHANGED SPELLING OF MY SURNAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **GHAZANFAR HUSSAIN** S/O FIDA HUSAIN RESIDENT OF 180, BOHRA MASJID, KOTWALI BAZAR, VALLABH BHAI WARD, JABALPUR (M. P.) 482001.

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर में भूखण्ड क्रमांक -527 श्री रीतेश कुमार जैन पिता श्री अशोक कुमार जैन एवं श्री अशोक कुमार जैन पिता स्व. श्री गुलाब चंद्र जैन के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 01.10.2021 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री रीतेश कुमार जैन पिता श्री अशोक कुमार जैन एवं श्री अशोक कुमार जैन पिता स्व. श्री गुलाब चंद्र जैन ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 27.07.2026 के माध्यम से श्रीमति शिल्पा जैन पति श्री अनिल कुमार जैन को विक्रय किया है। अतः श्रीमति शिल्पा जैन पति श्री अनिल कुमार जैन द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

▶▶ निगमायुक्त ने मौके पर कराया समस्या का समाधान

नगर निगम की जनसुनवाई में पहुंचे 38 आवेदन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मंगलवार को निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार सुनवाई करने पहुंचे और नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया। मुख्यालय में आयोजित सुनवाई के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने लगातार नागरिकों की समस्याओं को सुना और प्राप्त सभी 38 आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर सभी आवेदक काम कराकर चेहरों पर मुस्कान लेकर लौटे। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 38 शिकायतें प्राप्त हुई। 28 आवेदनों का निराकरण मौके पर ही सुनिश्चित किया गया।

▶▶ नया हाइट गेज लगाने का चलेगा कार्य

राहगीरों के लिए बंद रहेगा रेलवे का पुल क्रमांक-2

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर रेल मंडल द्वारा पुल क्रमांक 02 के डाउन साइड पर क्षतिग्रस्त हाइट गेज को हटाकर नया हाइट गेज लगाने का कार्य किया जा रहा है। सड़क यातायात की सुरक्षा एवं कार्य को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए दिनांक 26 अगस्त 2026 को प्रात: 10 बजे से 27 अगस्त 2026 को रात्रि 9 बजे तक पुल क्रमांक 02 से सड़क यातायात अस्थायी रूप से बंद रहेगा। इस दौरान यातायात को पुल क्रमांक 03 से सुचारू रूप से डायवर्ट किया जाएगा। कार्य पूर्ण होने के उपरांत पुल क्रमांक 02 से यातायात पुन: सामान्य रूप से प्रारंभ कर दिया जाएगा।

विवादों में घिरी एसएएफ बैंड भर्ती परीक्षा हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

पारदर्शिता पर खड़े हुए गंभीर सवाल, अंतिम निर्णय के अधीन याचिका

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र में विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के अंतर्गत 650 से अधिक पदों पर निकाली गई बैंड भर्ती प्रक्रिया अब विवादों में घिर गई है। दरअसल अभ्यर्थियों ने इस भर्ती में धांधली और अनियमित्ताओं का आरोप लगाते हुए 20 अगस्त को मप्र हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले में जबलपुर के रणजीत सिंह ठाकुर और मंडला के पवन पुट्टा की याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया के नियमों की अनदेखी की गई है। नियमावली (रूलबुक) की कंडिका 8 में स्पष्ट था कि एक पद के विरुद्ध तीन गुना अभ्यर्थियों को स्किल टेस्ट या इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। इस नियम के अनुसार, कुल 650 पदों के लिए लगभग 2100 अभ्यर्थियों को बुलाया जाना था।

1200 अभ्यर्थियों की सूची हुई जारी

हालांकि विभाग ने इसके विपरीत केवल 1200 अभ्यर्थियों की सूची जारी की। इसके अतिरिक्त, जारी की गई सूची में श्रेणीवार कट-ऑफ मार्क्स भी घोषित नहीं किए गए, जिससे पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि मीडिया स्टिंग ऑपरेशन और भ्रष्टाचार के खुलासों के बाद अभ्यर्थियों में भारी असंतोष है। कई योग्य अभ्यर्थियों को स्किल टेस्ट में पास होने और वीडियोग्राफी होने के बावजूद बाहर कर दिया गया। अभ्यर्थियों ने पूरी भर्ती प्रक्रिया की न्यायिक जांच कराने और सभी मूल रिकॉर्ड्स कोर्ट के समक्ष पेश करने की मांग की है।

अंतिम निर्णय के अधीन भर्ती प्रक्रिया

इस मामले में तर्कों को सुनने के बाद मप्र हाईकोर्ट ने इस पूरी भर्ती प्रक्रिया को याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन कर दिया है। कोर्ट ने संबंधित विभाग को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने और संपूर्ण डेटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई सितंबर माह में निर्धारित की गई है। याचिका कर्ता के एडवोकेट ने बताया कि पूरी प्रक्रिया में 650 से ज्यादा पद थे। यह परमानेंट भर्ती में स्किल टेस्ट होना था। रूल बुक की कंडिका 8 में साफ लिखा था कि एक पद के विपरीत 3 लोगों को बुलाया जाएगा, लेकिन सिर्फ 1200 लोगों को बुलाया गया। ऐसे में अभ्यर्थियों को डाउट हुआ।

पेटी में रखे 8 मोबाइल ले उड़े चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लार्डगंज थाने में अंकित अग्रवाल उम्र 29 वर्ष निवासी मुस्कान हाईट नेपियर टाउन ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह मोबाइल ड्स्टूबिशन का काम करता है। उसका आफिस रिषभ इन्कलेव अपार्टमेंट गोलबाजार मे स्थित है, जहां प्रतिदिन इनफिन्क्सि एवं लावा कम्पनी के मोबाईल बल्क में आते है। कर्मचारियों द्वारा अलग-अलग करने के बाद लोकल डीलर्स को भेज दिये जाते है। लगभग 1 माह पूर्व इनफिनिक्स कम्पनी से 2 पेटी स्मार्ट मोबाईल आये थे। 1 पेटी के 8 मोबाइल डिस्ट्रीब्यूट कर चुके थे तथा 1 पेटी मे 8 मोबाईल अगले दिन डिस्ट्रीब्यूट करने हेतु गोदाम मे रखे थे। उसने पेटी निकालकर उसने टेबिल पर रख दिया था जिसे अगले दिन डिस्ट्रीब्यूशन के लिये भेजना था । दूसरे दिन अफिस आया तो देखा कि केबिन के दरवाजे का लॉक टूटा था। टेबिल पर रखे मोबाईल की पेटी जिसमें इनफिनिक्स कम्पनी के 8 मोबाईल थे गायब थे। अब तक पतासाजी करता रहा कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेसियों का प्रदर्शन, सरकार को दिया अल्टीमेटम

विशाल रैली निकालकर जमकर किया विरोध

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

महंगाई के खिलाफ मंगलवार को पूर्व विधायक विनय सक्सेना के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने विशाल रैली निकाली और भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों सहित महंगाई का मुखर विरोध किया। छोटा फुहारा से प्रारम्भ हुई रैली में सैकड़ों की तादात में कांग्रेसियों सहित आम नागरिक भी शामिल हुए। बरसते पानी में भी पदयात्रा थमी नहीं बल्कि लोगों ने महंगाई को जनता पर सरकारी जुल्म करार देकर पुरजोर विरोध किया और रैली को समर्थन दिया। सुपरमार्केट पहुंचकर रैली का समापन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं।

जनता को गुमराह करने का आरोप

विनय सक्सेना ने बताया कि कभी बहुत हुई महंगाई की मार का नारा देकर भाजपा ने जनता को गुमराह किया और सरकार में आते ही डीजल, पेट्रोल, शक्कर, प्याज, लहसुन, तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं के दाम आसमान पर पहुंचा दिये हैं। जिससे आज हर घर, हर व्यक्ति परेशान है।

सरकार द्वारा जनता पर जबरिया लादी गई। इस असहनीय महंगाई ने जहां एक ओर हर घर के बजट बिगाड़ दिये हैं तो वहीं माध्यम और निचले स्तर के व्यापार और कारोबारियों का हाल भी बदहाल करके रख दिया है। इस दौरान कांग्रेस नेता आलोक मिश्रा, सतीश उपाध्याय, मधु चौधरी, राजेश सोनकर, राजेश तिवारी, सतीश तिवारी, गुड्डू चौबे, मदन लारिया, संजय उपाध्याय, कपिल श्रीवास्तव, अजय रावत, सिद्धांत जैन गोलू, मेवालाल पटेल आदि शामिल रहे।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री के आगमन की तैयारियां हुई तेज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आगामी 27 अगस्तक को प्रस्तोवित जबलपुर प्रवास को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी सिलसिले में मंगलवार को डुमना एयरपोर्ट में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पुलिस कप्तान संपत उपाध्यायय सहित एनएसजी, एयरपोर्ट ऑथॉरिटी और व्हीकल फैक्ट्री के वरिष्ठ अधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक के दौरान रक्षा मंत्री के आगमन, कारकेड व्यवस्था, सुरक्षा मानकों और वीएफजे में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई, ताकि वीआईपी दौरे के समय सभी सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रहें।

मिलावटखोरों पर रखों नजर, खामियां मिलने पर तत्काल करों कार्यवाही

आगामी त्यौहारों से पहले कलेक्टर ने ली खाद्य सुरक्षा की बैठक

जबलपुर। बरक्षाबंधन और जन्माष्टमी के त्यौहार को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की बैठक ली। बैठक में उन्होंने त्यौहारों के दौरान बाजार में बिकने वाली मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने मावे से बनने वाली मिठाइयों के साथ पैक्ड फूड की सघन जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेशभर में प्रतिबंधित एनालॉग पनीर और बाजार में बिक रहे पनीर की भी सख्ती से जांच करने को कहा। पैकेट बंद मिठाइयों के साथ बेकरी में तैयार होने वाले केक एवं अन्य खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के निर्देश भी दिए गए।

विशेष सतर्कता बरतने की अपील – उन्होंने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को त्यौहारों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका हो, उसकी शिकायत संबंधित विभाग से करें, ताकि मिलावटखोरों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा सके। बैठक के दौरान उन्हों ने दूध, पनीर, मावा और इनसे बनने वाली मिठाइयों के मूल स्त्रोतों का पता लगाकर उनकी सघन जांच करने के निर्देश दिए। इसके अलावा पिज्जा हट, वेज नॉनवेज रेस्तरां, क्लाउड किचन, कोका कोला प्रतिष्ठानों सहित एनालॉग पनीर व फैट की मात्रा की भी विशेष निगरानी करने को कहा गया है। निर्माण स्थल पर गंदगी पाए जाने या अमानक व मिलावटी खाद्य सामग्री मिलने पर तत्काल कानूनी कार्यवाही की जाए।

पुलिस की गिरफ्त में गांजा सप्लायर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोसलपुर थाना प्रभारी भावना तिवारी ने बताया कि पेट्रोलिंग के दौरान एन एच 30 हाईवे यात्री प्रतीक्षालय बुढ़ागर में एक व्यक्ति संदिग्ध हालत में बैठा हुआ दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। घेराबंदी कर पकड़ने पर आरोपी ने अपना नाम राकेश कुशवाहा उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम देवनगर बताया। तलाशी लेने पर एक पैकेट में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा मिला। एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुये गांजा की तौल करने पर 1 किलो 529 ग्राम कीमती लगभग 76 हजार 450 रूपये का होना पाया गया। उक्त गांजा की संबंध में पूछताछ करने पर महाराजपुर निवासी मुन्ना जिसे नाम से जानता है जिससे फोन में बातचीत करके उसे मादक पदार्थ गांजा वायपास में लाकर देता है तथा भूपेन्द्र उर्फ छोटू सिंह निवासी गोसलपुर भी उसे मादक पदार्थ गांजा लाकर दिया था। दोनों को 1 पैकेट गांजा का 13 हजार रूपये देना बताया। पुलिस ने आरोपी राकेश कुशवाहा के कब्जे से 1 किलो 529 ग्राम गांजा जप्त करते हुये आरोपियों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की।

जिनसार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ओणम पर्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) के सभागार में 25 अगस्त को ओणम एवं ईद समारोह का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान की प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. रीना मैथ्यू एवं पूर्वी विजय कुमार रहीं। समारोह का उद्देश्य ओणम एवं ईद की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विविधताओं को एक साथ मनाते हुए सांस्कृतिक सद्भाव, एकता, भाईचारे, प्रेम और आपसी सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समारोह में विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक तिरुवातिरा नृत्य, युगल नृत्य, मनोरंजक नाटिका, मधुर एकल गीत, ऊर्जावान समूह नृत्य तथा भावपूर्ण कव्वाली ने कार्यक्रम को जीवंत एवं उत्सवमय बना दिया। सभी प्रस्तुतियों को उपस्थितजनों ने खूब सराहा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात शिक्षकों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन ऋ षिका कोठारी एवं प्रियंका गायकवाड़ द्वारा किया गया। खेलों में सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आनंद के साथ इस अवसर को यादगार बनाया। कार्यक्रम का समापन पारंपरिक ओणम सद्या के आयोजन के साथ हुआ, जिसमें सभी ने मिलकर उत्सव के पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया। पूरा समारोह खुशी, उत्साह, सांस्कृतिक समृद्धि और आपसी सौहार्द से सराबोर रहा।

पमरे जीएम की अध्यक्षता में हुई सेफ्टी रिव्यु मीटिंग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार 25 अगस्त को सेफ्टी रिव्यु मीटिंग सम्पन्न हुई। बैठक में संरक्षा, फायर सेफ्टी, सिंगनलिंग, समपार फाटक, ट्रेसपास लोकेशन, सीसीटीवी कैमरा, समयपालन, स्टेशन पुनर्विकास, अधोसंरचना निर्माण कार्यो एवं रेलवे के सेफ्टी अनुक्षण जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा रेल कर्मियों को मानसून के समय सेफ्टी अनुरक्षण के दौरान मिलने वाली सुविधाओं एवं सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित एवं रेलगाड़ियों के संरक्षित परिचालन पर जोर देने की बात कही गई। इसके साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्देशित कार्यो एवं ट्रेनों के सेफ्टी अनुक्षण जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की शुरुआत में महाप्रबंधक श्री सिंह ने कहा कि संरक्षित एवं सुरक्षित रेल संचालन हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अधोसरंचना कार्यो की समीक्षा के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने संरक्षा एवं सुरक्षा के सम्बन्ध में रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने संरक्षा से सम्बंधित सुधारों को योजनाबद्ध तरीके से पालन करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने रेलगाड़ियों की पंक्चुअलिटी मॉनिटर करने, एवं ट्रेनों की स्पीड सबंधी कार्यों तथा सेफ्टी पर जोर देने की बात कही।

सफाई कर्मियों को बांटी किट, दिया स्वच्छता का संदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

विश्व की सबसे बड़ी महिला सेवा संस्था इनर व्हील के 2026-27 की थीम को साकार करते हुए इनर व्हील क्लब ऑफ जबलपुर साउथ ने हितकारिणी महिला विद्यालय में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन डॉ. मंजुशा वैषम्पायन की आधिकारिक यात्रा के अवसर पर संपन्न हुआ। क्लब द्वारा विद्यालय के सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता किट प्रदान की गई, जिसमें डस्टबिन, ग्लव्स, फिनाइल, झाड़ू, तसले आदि शामिल थे। कम्युनिटी वेलफेयर के तहत विद्यालय की दीवारों पर स्वच्छता, जल संरक्षण और बालिका शिक्षा के प्रेरक संदेशों के साथ इनर व्हील लोगो प्रदर्शित किया गया। अध्यक्षा नीति अवस्थी व सचिव नुपुर अग्रवाल ने पार्षद अयोध्या तिवारी, पार्षद संतोष दुबे एवं हितकारिणी विद्यालय के निलेश पांडे का स्वागत किया। डॉ. वैषम्पायन ने क्लब के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में शशि अग्रवाल, श्रुति अग्रवाल, नंदिनी अग्रवाल, इति गुप्ता, अर्चना गर्ग, मयूरी चौरासिया, स्वाति विश्वकर्मा, डॉ. दीपा सिंह ठाकुर, कमलेश आनंद एवं नीना सेठी सहित कई सदस्य उपस्थित रहीं।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने टीबी के प्रति आमजन को किया जागरूक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विद्यार्थियों द्वारा टीबी जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए समाज को टीबी से बचाव, पहचान, उपचार एवं रोकथाम का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से टीबी के लक्षणों, इसके फैलने के कारणों, समय पर जांच एवं नियमित उपचार के महत्व को प्रभावी एवं सरल तरीके से प्रस्तुत किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि टीबी का उपचार संभव है और सही समय पर जांच एवं पूरा उपचार अपनाकर इस बीमारी को समाप्त किया जा सकता है।

टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी में चलाया गया जन जागरुकता अभियान

बताए प्रमुख लक्षण, साझा किए उपचार के तरीके

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा टीबी मुक्त भारत एवं टीबी हारेगा, भारत जीतेगा सहित विभिन्न प्रेरणादायक नारों का उद्घोष किया गया। विद्यार्थियों ने टीबी से संबंधित भ्रांतियों और गलत धारणाओं को दूर करने तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय पर जांच एवं उपचार कराने के लिए लोगों को प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने टीबी के प्रमुख लक्षणों, संक्रमण से बचाव, समय पर जांच तथा चिकित्सकीय सलाह के अनुसार नियमित उपचार के महत्व के बारे में भी जानकारी साझा की।

राष्ट्रव्यापी अभियान से जोड़ने का आह्वान

यह कार्यक्रम राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान संबंधी जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया गया।

दिशा-निर्देशों के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समुदाय के बीच टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने तथा समाज को टीबी उन्मूलन के राष्ट्रव्यापी अभियान से जोड़ने का आह्वान किया गया है।

कार्यक्रम का आयोजन संस्था के चेयरमैन एचएस ओबेरॉय के मार्गदर्शन में किया गया। उनके मार्गदर्शन में महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए स्वास्थ्य एवं जनजागरूकता से संबंधित गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन श्रीश तिवारी, चंचला हल्दकार, प्रकाश गुप्ता एवं आदित्य प्रजापति के सहयोग से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या डॉ. कविता शुक्ला ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि फार्मेसी के विद्यार्थियों की भूमिका केवल औषधियों के ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

उन्होंने विद्यार्थियों से टीबी मुक्त भारत के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने तथा स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**